THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 139 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.6 2081 शनिवार, 10 अगस्त-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

जम्मू-कश्मीर में चुनाव जल्द

अंदरूनी ताकतें चुनाव प्रभावित नहीं कर सकतीं, विभाजनकारी लोगों को उचित जवाब देंगे

श्रीनगर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। आगामी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने आज शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि हम जल्द चुनाव कराएंगे। कोई अंदरूनी ताकत सोचती है कि हम चुनावों को प्रभावित कर देंगे। हम ऐसा नहीं होने देंगे। हमें यकीन है कि जम्मू-कश्मीर के लोग विभाजनकारी ताकतों को उचित जवाब देंगे। आगे उन्होंने कहा कि सभी पॉलिटिकल पार्टियां जम्मू-कश्मीर में जल्द विधानसभा चुनाव कराने के पक्ष में हैं।

सिसोदिया तिहाड़ से बाहर

कहा- संविधान की वजह से जमानत, सुप्रीम कोर्ट बोला- सुनवाई पूरी करने के लिए जेल में नहीं रख सकते

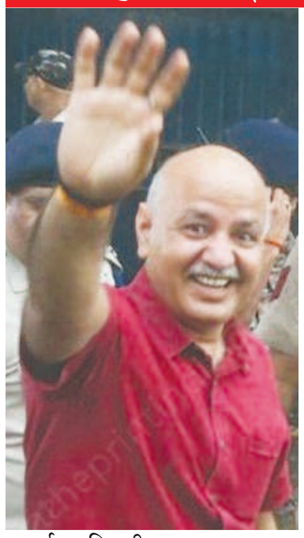

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया शुक्रवार (9 अगस्त) को 17 महीने बाद तिहाड़ जेल से बाहर आ गए हैं। आज दोपहर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े सीबीआई और ईडी, दोनों केस में जमानत दी।

जेल से बाहर आने के बाद सिसोदिया ने आप कार्यकर्ताओं और समर्थकों से कहा, संविधान और लोकतंत्र की ताकत से जमानत मिली है। सुप्रीम कोर्ट का दिल से धन्यवाद है। यही ताकत हमारे नेता अरविंद केजरीवाल को भी जेल से रिहा कराएगी। उन्होंने आगे कहा कि जब से सुप्रीम कोर्ट का आदेश आया मेरा रोम-रोम बाबा साहेब का ऋणी महसूस कर रहा है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि बाबासाहेब का ये ऋण कैसे चुकाऊंगा। उन्हें सीबीआई ने भ्रष्टाचार केस में 26 फरवरी 2023 को और ईडी ने 9 मार्च 2023 में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। तब से वे जेल में थे। सिसोदिया ने 28 फरवरी, 2023 को मंत्री पद से इस्तीफा दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा, केस में अब तक 400 से ज्यादा गवाह और हजारों दस्तावेज पेश किए जा चुके हैं। आने वाले दिनों में केस खत्म होने की दूर-दूर तक कोई संभावना नहीं है। ऐसे में सिसोदिया को हिरासत में रखना उनके स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन होगा। सुनवाई पूरी करने के लिए उन्हें सलाखों के पीछे नहीं रख सकते।

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथ की बेंच ने सिसोदिया की जमानत पर फैसला सुनाया है। बेंच ने तीन दिन पहले 6 अगस्त को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। 4 जून को सुप्रीम कोर्ट ने सिसोदिया को जमानत देने से इनकार किया था। सिसोदिया ने जमानत पर दोबारा विचार करने की याचिका लगाई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने आज फैसला सुनाने से पहले जमानत को लेकर अब तक की गई कार्यवाही के बारे में बताया। कोर्ट ने कहा कि सिसोदिया को वापस ट्रायल कोर्ट और हाईकोर्ट भेजना सांप-सीढ़ी के खेल में डालने जैसा होगा।

वायनाड में जमीन से आई रहस्यमयी आवाज

लोगों में दहशत : केरल हाईकोर्ट बोला- समस्या ये है कि हमारे पास कानून, लेकिन अमल नहीं हो पाते

वायनाड, 9 अगस्त (एजेंसियां)। केरल के वायनाड में लैंडस्लाइड वाले इलाकों में शुक्रवार (9 अगस्त) की सुबह 10.15 बजे जमीन के नीचे से आई रहस्यमयी तेज आवाज से लोग दहशत में है। अधिकारियों ने कहा कि अंबालावायल गांव और व्यथिरी तालुका में आज सुबह जमीन के नीचे तेज आवाज सुनाई दी है।

वायनाड के डीएम डी आर मेघश्री ने बताया कि घटना के बाद से इलाके के लोग डरे हुए हैं। सभी को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) ने कहा कि रिक्टर स्केल में भूकंप के संकेत नहीं मिले हैं। आवाज किस कारण से आई है इसकी जांच की जा रही है। फिलहाल इलाके के स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। वहीं, वायनाड लैंडस्लाइड पर केरल हाईकोर्ट ने खुद संज्ञान लिया है। जस्टिस जयशंकरन नांबियार और जस्टिस वीएम श्यामकुमार की बेंच ने आज इस पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा, यदि पर्यावरण ऑडिट किया गया है, तो हमें इसकी रिपोर्ट चाहिए।

स्थगित नहीं होगी नीट परीक्षा

सीजेआई ने कही बड़ी बात

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। 11 अगस्त को होने वाली नीट पीजी परीक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने नीट पीजी परीक्षा 2024 को स्थगित करने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया है कि इस परीक्षा को स्थगित नहीं किया जा सकता। मुख्य न्यायधीश डीवाई चंद्रचूड़ी की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा, हम 5 याचिकाकर्ताओं के चलते 2 लाख छात्रों का भविष्य दांव पर नहीं लगा सकते। कोर्ट ने यह बात कहते हुए याचिका को खारिज कर दिया। अब यह साफ है कि नीट पीजी परीक्षा 11 अगस्त को ही आयोजित होगी।

बता दें कि याचिकाकर्ता ने 11 अगस्त को होने वाली परीक्षा को दो बैच में आयोजित करने को चुनौती दी थी और परीक्षा को स्थगित करने की मांग की थी। इस याचिका पर सुनवाई के दौरान डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला, मनोज मिश्रा की बेंच ने याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। बेंच ने कहा, देश में इतनी सारी समस्याएं हैं, क्या अब पीजी परीक्षा को ही शेड्यूल करना होगा।

वक्फ संशोधन-बिल के लिए बनी जेपीसी में 31 मेंबर्स

10 सांसद राज्यसभा से, औवेसी, सपा के मोहिबुल्ला और कांग्रेस के इमरान मसूद भी शामिल

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा ने शुक्रवार (9 अगस्त) को वक्फ संशोधन बिल के लिए बनाई जाने वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। इस समिति में 31 सदस्य होंगे। इसमें लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 मेंबर होंगे। समिति को रिपोर्ट संसद के अगले सत्र के पहले हफ्ते में देनी होगी।

संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू लोकसभा में बिल को जेपीसी के पास भेजने का प्रस्ताव रखा। रिजिजू ने एक दिन पहले यानी गुरुवार 8 अगस्त को लोकसभा में वक्फ बिल 2024 पेश किया था। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी दलों ने इस बिल का विरोध करते हुए इसे मुस्लिम विरोधी बताया था। विपक्ष की आपत्ति और भारी विरोध के बीच ये बिल लोकसभा में बिना किसी चर्चा के जेपीसी को भेज दिया गया था।

जेपीसी में लोकसभा से 21 सदस्य- भाजपा के 7, कांग्रेस के 3 सांसद :

जगदंबिका पाल (भाजपा), निशिकांत दुबे (भाजपा), तेजस्वी सूर्या (भाजपा), अपराजिता सारंगी (भाजपा), संजय जायसवाल (भाजपा), दिलीप सैकिया (भाजपा), अभिजीत गंगोपाध्याय (भाजपा), श्रीमती डीके अरुणा (वाईएसआरसीपी), गौरव गोगोई (कांग्रेस), इमरान मसूद (कांग्रेस), मोहम्मद जावेद (कांग्रेस), मौलाना मोहिबुल्ला (सपा), कल्याण बनर्जी (टीएमसी), ए राजा (डीएमके), एलएस देवरायलु (टीडीपी), दिनेश्वर कामत (जेडीयू), अरविंत सावंत (शिवसेना, उद्धव गुट), सुरेश गोपीनाथ (एनसीपी, शरद पवार), नरेश गणपत मास्के (शिवसेना, शिंदे गुट), अरुण भारती (एलजेपी-आर), असदुद्दीन ओवैसी (एआईएमआईएम)।

वक्फ कानून (संशोधन) बिल को लोकसभा में 8 अगस्त को केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पेश किया था।

बांग्लादेश में हिंसा को देखते हुए भारत ने गठित की कमेटी

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने और लगातार हो रही हिंसा के बाद भारत सरकार ने बड़ी पहल की है। बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार की खबर के बाद गृह मंत्रालय ने एक कमेटी का गठन किया है। कमेटी बांग्लादेश में रहने वाले भारतीयों, हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर वहां के गृह मंत्रालय के अधिकारियों के साथ वार्ता करेगी। साथ ही भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर सुरक्षा और मौजूदा स्थिति की समीक्षा करेगी।

SHOWROOMS: TELANGANA: HYDERABAD: RENAULT GACHIBOWLI Ph: 9289220863, RENAULT HITECH CITY Ph: 9311733970, RENAULT KUKATPALLY Ph: 7067322620, RENAULT LB NAGAR Ph: 9311700671. RENAULT KARIMNAGAR Ph: 9582305983. RENAULT KHAMMAM Ph: 8527234093. RENAULT KOTHAGUDEM Ph: 7428439271. RENAULT MAHBUBNAGAR Ph: 7799766431. RENAULT MANCHERIAL Ph: 9582571953. RENAULT NIZAMABAD Ph: 9311700672. RENAULT SATHUPALLY Ph: 8130499615. RENAULT SHADNAGAR Ph: 9311700675.

एससी ने शाही ईदगाह मस्जिद मथुरा के सर्वे पर रोक बढ़ाई

18 नवंबर को अगली सुनवाई

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद के कमिश्नर सर्वे पर फिलहाल अंतरिम रोक आगे बढ़ा दी है, कोर्ट ने इस मामले के अध्ययन के बाद मुकदमे की सुनवाई की बात कही है। मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में इस विवाद को लेकर याचिका दायर की थी, जिसके बाद कोर्ट ने सुनवाई टाल दी है। मथुरा कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में हाई कोर्ट ने मस्जिद में सर्वे का आदेश दिया था, जिसको शाही ईदगाह मस्जिद कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। इस मामले की सुनवाई की तारीख को सुप्रीम कोर्ट ने आगे बढ़ा दिया है। इस मामले में जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने सुनवाई टाल दी है। कोर्ट ने कहा कि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सभी मुकदमे को योग्य बताया है। कोर्ट ने कहा कि दोनों पक्ष की दलीलों को भी सुनी जाएगी और आदेश के अध्ययन के बाद ही आगे की सुनवाई की जाएगी। इस मामले की सुनवाई 18 नवंबर को होगा। इस रोक से पहले भी सुप्रीम कोर्ट इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा चुकी है, उस रोक के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इलाहाबाद हाई कोर्ट में सुनवाई जारी रहेगी, लेकिन कोर्ट कमिश्नर की नियुक्ति पर अंतरिम रोक बरकरार रहेगी।

क्या है जमीन विवाद का मामला ?

मथुरा में चल रहा यह विवाद 13.37 एकड़ जमीन पर है, जिसमें लगभग 11 एकड़ पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर और 2.37 एकड़ जमीन पर शाही ईदगाह मस्जिद है। हिंदू पक्ष ने इस जमीन पर दावा करते हुए कहा कि श्रीकृष्ण जन्मस्थली पर बने प्राचीन केशवनाथ मंदिर को तोड़कर शाही ईदगाह मस्जिद को बनवाया गया है। इस मस्जिद को औरंगजेब ने 1669-70 में बनवाया था। हिंदू पक्ष ने कहा कि औरंगजेब ने 1670 में मंदिर तुड़वाकर अवैध तरीके से कब्जा कर मस्जिद को बनाया था, वहीं इस मामले में मुस्लिम पक्ष का कहना है कि इतिहास में मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाने के सबूत नहीं हैं। तथ्यों को तोड़ मरोड़कर पेश किया जा रहा है।

भोपाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के समिधा कार्यालय से सुरक्षा हटाई, 15 साल से तैनात थे एसएएफ जवान

भोपाल, 9 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश पुलिस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांतीय कार्यालय से सुरक्षा हटा दी है। यह आरएसएस के समिधा कार्यालय ई-2 में स्थित है, जहां क्षेत्रीय पदाधिकारी रहते हैं। पिछले 15 साल से यहां सुरक्षा तैनात थी। मध्य प्रदेश एसएएफ की ओर से पांच सशस्त्र जवानों की तैनाती थी, जिन्हें अब वापस बुला लिया गया है। पुलिस का तर्क है कि सुरक्षा समीक्षा के आधार पर हटाई गई है। वहीं, यह भी बताया जा रहा है कि संघ की सहमति से यह फैसला लिया गया है। कार्यालय के सामने अस्थाई टेंट लगा था, जिसे भी हटा दिया गया है। संघ के पदाधिकारियों ने इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

टेरर फंडिंग मामले में यासीन मलिक खुद करेगा हाई कोर्ट में जिरह

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पक्ष रखने की मिली इजाजत

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। टेरर फंडिंग मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने यासीन मलिक को अगली सुनवाई के दौरान वीडियो कांफ्रेंसिग से जिरह करने की इजाज़त दी। कोर्ट ने यासीन मलिक से मामले में लिखित दलील को जमा करने को कहा है। दिल्ली हाई कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 15 सितम्बर को तीन बजे होगी। यासीन मलिक ने मामले की सुनवाई के दौरान फिज़िकली कोर्ट में जिरह करने की मांग की थी।

यासीन मालिक ने खारिज किया कोर्ट का सुझाव

कोर्ट ने यासीन मलिक के लिए एमिकस की नियुक्ति का सुझाव दिया, साथ ही यह भी सुझाव दिया कि यासीन मालिक अपनी तरफ से मामले में किसी वकील का नाम सुझा सकते है जो उनकी तरफ से जिरह करे। यासीन मलिक ने कोर्ट के दोनों सुझाव को मानने से इनकार किया। यासीन ने कहा कि वह खुद मामले की सुनवाई के दौरान वीडियो कांफ्रेंसिग से जिरह करेगा। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि यासीन मलिक अगर चाहे तो पिछले साल 4 अगस्त के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे सकता है। यासीन मलिक ने कहा वह सुप्रीम कोर्ट नहीं जाना चाहता है। यहीं पर मामले में सुनवाई में जिरह करना चाहता है। बता दें कि एनआईए ने यासीन मलिक को मौत की सजा देने की मांग की है।

'आस्तीन के सांपों से रहें सचेत', ज्योतिरादित्य सिंधिया के गढ़ में आकर बोले दिग्विजय सिंह

भोपाल, 9 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में अब भले ही चुनावी माहौल न हो, लेकिन राजनीतिक बयानबाजी का दौर जारी है। गाहे-बगाहे अपने विपक्षियों पर राजनेता निशाना साधने से नहीं चूक रहे हैं। ऐसा ही कुछ शुक्रवार को ग्वालियर में देखने को मिला। जब सिंधिया के गढ़ में पहुंचकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने अपने कार्यकर्ताओं से कह दिया कि आस्तीन के सांपों से सचेत रहें। दरअसल, पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह शुक्रवार को ग्वालियर में मौजूद थे। वे भिंड के लहार में कांग्रेस के प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे थे। भिंड जाने से पहले उन्होंने कांग्रेसी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। ग्वालियर के सिटी सेंटर स्थित एक होटल में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते वक्त दिग्विजय सिंह ने ऐसी बात कह दी, जिसे लेकर हड़कंप मच गया है।

दिग्विजय सिंह जब अपने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर रहे थे तो बोले- "आज आदिवासी दिवस है और नाग पंचमी भी है, आज नाग की पूजा करें लेकिन आस्तीन के सांपों से सचेत रहें।" दिग्विजय सिंह ने यह बयान ग्वालियर में आकर दिया है, इसलिए उनके बयान के मायने निकाले जा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि शायद कांग्रेस नेता ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर निशाना साधा है।

पीएम मोदी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के खिलाफ उठाई आवाज, राहुल चुप क्यों- बीजेपी

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारी हिंसा के बाद बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का गठन हो गया है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश में अंतरिम सरकार बनाई गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोहम्मद यूनुस को बधाई दी। लेकिन बधाई देने के साथ-साथ उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया। इसके बाद बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सोशल मीडिया एक्स पर जहां प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ की वहीं कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स पर कांग्रेस पर भी निशाना साधा है। उन्होंने लिखा कि बांग्लादेश में हिंसा और हिंदुओं पर हो रहे हमले के मामले में पार्टी का दोहरा रवैया सामने आया है। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री ने मोहम्मद यूनुस को बधाई देने के अलावा हिंदुओं की सुरक्षा करने की भी नसीहत दी लेकिन कांग्रेस की ओर से इस संबंध में कोई संदेश सामने नहीं आया।

राहुल और प्रियंका पर भी साधा निशाना

बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने लिखा कि कांग्रेस को बांग्लादेश में हिंदुओं की कोई चिंता नहीं। उन्होंने राहुल गांधी के साथ-साथ प्रियंका गांधी पर भी सवाल उठाया कि आखिर उन्होंने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का मुद्दा क्यों नहीं उठाया? शहजाद पूनावाला ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की अन्य सोशल मीडिया पोस्ट का भी हवाला दिया। उन्होंने लिखा कि वे गाजा को लेकर पोस्ट तो करते हैं लेकिन अपने ही पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के मुद्दों पर गंभीरता नहीं दिखाते।

आरक्षण विरोध में 560 लोगों की मौत

बांग्लादेश में सरकार के खिलाफ हिंसा फैलने के बाद पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से इस्तीफा देकर अस्थाई तौर पर भारत में आकर शरण लेनी पड़ी है। भारत सरकार शेख हसीना और बांग्लादेश की स्थिति पर लगातार नजर बनाये हुए है। बांग्लादेश में आरक्षण विरोध में भड़की हिंसा में अब तक 560 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें शेख हसीना के देश से छोड़ने के बाद इस खबर के लिखे जाने तक 232 लोगों की जान जा चुकी है। जेल से 209 कैदी फरार हो चुके हैं। अल्पसंख्यकों के घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जा रहा है।

अमृतपाल को सुप्रीम कोर्ट से राहत, खारिज की निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने जेल में बंद कट्टरपंथी अमृतपाल सिंह के पंजाब के खडूर साहिब से सांसद के रूप में निर्वाचन के खिलाफ दायर याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। याचिकाकर्ता ने न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ के समक्ष दावा किया कि संविधान का अनुच्छेद 84 संसद की सदस्यता के लिए योग्यता से संबंधित है और इसके अनुसार कोई व्यक्ति संसद की सदस्यता के लिए तब तक योग्य नहीं होगा जब तक वह भारत का नागरिक न हो। याचिकाकर्ता ने कहा कि इस मामले में प्रतिवादी संख्या चार (अमृतपाल सिंह) ने कहा था कि वह भारत के संविधान के प्रति निष्ठा नहीं रखते। इन पर पीठ ने कहा कि आप निर्वाचन याचिका दाखिल करें। याचिकाकर्ता ने कहा कि वह खडूर साहिब निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता नहीं हैं लेकिन सिंह द्वारा पूर्व में दिए गए बयानों से बहुत आहत' हैं। पीठ ने कहा कि यह साक्ष्य का मामला है। इसके लिए निर्धारित प्रक्रियाएं हैं। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम में प्रावधान हैं। पीठ ने याचिका खारिज कर दी।

सिंह 'वारिस पंजाब दे' संगठन के प्रमुख हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत कथित अपराधों के लिए असम के डिब्रूगढ़ जिले की जेल में बंद हैं। अमृतपाल ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर जेल से चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी। सिंह को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के लिए 5 जुलाई को पैरोल दी गई थी।

मनीष सिसोदिया की बेल पर सियासी घमासान शुरू

बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज बोलीं- वे अभी भी आरोपी

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति मामले में आज सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को जमानत दे दी। कोर्ट ने कहा कि बिना ट्रायल के किसी को इतने लंबे समय तक जेल में नहीं रखा जा सकता। उनको जमानत मिलने के बाद अब इस पर राजनीतिक घमासान भी शुरू हो गया है। आम आदमी पार्टी और विपक्ष बीजेपी पर हमलावर है तो वहीं बीजेपी भी अब आम आदमी पार्टी पर हमलावर हो गई है। दक्षिणी दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि 26 फरवरी 2023 को मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी हुई थी।

7 बार उनकी जमानत याचिका खारिज हुई थी। आज भी मनीष सिसोदिया के वकीलों ने मेरिट के बेस पर बेल नहीं मांगी। उनको यह बेल ट्रायल में देरी के आधार पर मिली है। मनीष सिसोदिया इस मामले में अभी भी आरोपी हैं। उन्होंने कहा कि 170 से ज्यादा फोन सिसोदिया के आदेश पर तोड़े गए। कुल 338 करोड़ रुपये का मनी ट्रांजेक्शन सामने आए। इतना ही नहीं उनको अपना पासपोर्ट जमा कराना होगा और प्रत्येक सोमवार को पुलिस के सामने आकर हाजिरी लगानी होगी। इस दौरान बांसुरी स्वराज ने सीएम अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सीएम केजरीवाल की जमानत के मामले में हाईकोर्ट ने जो कहा उस पर ध्यान देना चाहिए।

मंच पर फूट-फूटकर रोए पूर्व नेता प्रतिपक्ष

भिंड के लहार में बोले-कांग्रेस कार्यकर्ता पर जुल्म हो रहे; कलेक्टर-एसपी को कहा बीजेपी एजेंट

आलमपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के सीनियर लीडर डॉ. गोविंद सिंह मंच पर भावुक हो गए। वे फूट-फूटकर रोने लगे। गोविंद सिंह ने आरोप लगाया कि पुलिस और प्रशासन कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर झूठे और फर्जी केस कर रहे हैं। बता दें कि कांग्रेस ने शुक्रवार को भिंड जिले के लहार में भाजपा सरकार के विरोध में जंगी प्रदर्शन किया। डॉ. गोविंद सिंह ने मंच पर बैठे कांग्रेस नेताओं की तरफ देखकर रोते हुए कहा- आप लोग मेरी मदद भले ना करें, लेकिन जिन लोगों ने कांग्रेस पार्टी के लिए खून-पसीना बहाया है, उन पर हो रहे जुल्म के खिलाफ आप लोग उनकी मदद करें। गोविंद सिंह ने कांग्रेस नेता की एक फोटो भी दिखाई। उनका आरोप है कि पुलिस ने उसकी पिटाई की है।

चुनाव में दौड़ा-दौड़ाकर नहीं मारना है', संजय राउत ने शेख हसीना का जिक्र कर किस पर साधा निशाना?

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होना है। सभी राजनीतिक दलों ने सीट शेयरिंग को लेकर गठबंधन के सहयोगियों के साथ बातचीत शुरू कर दी है। महाविकास अघाड़ी दल में मौजूद दलों के बीच भी सीट बंटवारे पर चर्चा हो रही है। हालांकि, इस बात पर आधिकारिक मुहर नहीं लग सकी है कि शिवसेना (यूबीटी) कितनी सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ेगी। शुक्रवार को संवाददाताओं से बातचीत करते हुए राज्यसभा सांसद संजय राउत ने सीट शेयरिंग को लेकर जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि हमारी सीट शेयरिंग की बातें पूरी हो चुकी है। महाविकास अघाड़ी दल में सीट शेयरिंग को लेकर कोई तनाव नहीं है। हम चाहते हैं कि हर सीट पर ऐसा उम्मीदवार खड़ा हो, चाहे वो किसी भी पार्टी से हो, जो चुनाव जीत सके। यही हमारा फॉर्मूला है।

हम लोकतांत्रिक ढंग से उन्हें सत्ता से बाहर निकालेंगे: संजय राउत

उन्होंने आगे महायुति गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा, जिस सरकार ने महाराष्ट्र को लूटा है। उसे सत्ता से बाहर निकालना है। हमें उन्हें शेख हसीना की तरह नहीं निकालना है। दौड़ा-दौड़ाकर नहीं मारना है। संजय राउत ने आगे कहा कि हमें लोकतांत्रिक तरीके से उन्हें बाहर निकलना है। लोग तो चाहते हैं कि शेख हसीना की तरह उनको (शिंदे सरकार) को बाहर निकालें, लेकिन हम डेमोक्रेटिक तरीके से उन्हें सत्ता से बाहर निकालेंगे।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को बड़ी सफलता

तीन लाख का इनामी आतंकी रिजवान अली गिरफ्तार

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल को 15 अगस्त से पहले बड़ी कामयाबी मिली है। स्पेशल सेल ने रिजवान नाम के आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। रिजवान आईएसआईएस मॉड्यूल का आतंकी। वह दिल्ली के दरियागंज का रहनेवाला है। माना जा रहा है कि वह 15 अगस्त से पहले किसी बड़ी आतंकी घटना को अंजाम देने की फिराक में था। जानकारी के मुताबिक रिजवान आईएसआईएस पुणे मॉड्यूल से जुड़ा था। रिजवान और इसके कुछ साथियों पर एनआईए ने 3 लाख रुपए का ईनाम घोषित किया था। स्पेशल सेल ने कुछ आतंकियों की गिरफ्तारी पहले की थी। रिजवान कई सालों से फरार चल रहा था। स्पेशल सेल ने पुरानी दिल्ली दरियागंज के पास से इसे गिरफ्तार किया है और कुछ हथियार भी बरामद किया है, जिसमें पिस्टल शामिल है।

दिल्ली के वीआईपी इलाकों की रेकी

जानकारी के मुताबिक दिल्ली के कुछ वीआईपी इलाकों की रिजवान ने रेकी की थी। शक ये है कि वह 15 अगस्त से पहले किसी बड़ी आतंकी घटना को अंजाम देने की फिराक में था। इससे पहले उसे स्पेशल सेल ने गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अक्टूबर 2023 में आईएसआईएस पुणे मॉड्यूल के आतंकी शाहनवाज के साथ मोहम्मद अरशद वारसी और रिजवान नाम के संदिग्ध को भी गिरफ्तार किया था।

इस मॉड्यूल का एक दूसरा संदिग्ध आतंकी रिजवान फरार चल रहा था, जिसपर एनआईए ने 3 लाख रुपये का इनाम भी रखा था। उसी रिजवान को स्पेशल सेल ने गिरफ्तार किया है। बता दें कि एनआईए ने आईएसआईएस पुणे मॉड्यूल मामले में 7 लोगों को पकड़ा था। इस दौरान तीन आतंकी फरार हो गए थे।

अब सड़कों पर दिखे गड्ढे तो ठेकेदार और कंपनी की खैर नहीं, पुलिस दर्ज करेगी एफआईआर

मुंबई, 9 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में दिन-प्रतिदिन सड़क दुर्घटनाओं में हो रहे लोगों की मौत का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है, इस साल के अगस्त महीने तक 228 लोगों की सड़क दुर्घटना से मौत हुई है। इन मौतों के आंकड़े पर अंकुश लगाने के लिए अब राज्य की नागपुर पुलिस ने एक ऐतिहासिक फैसला लिया है। नागपुर के पुलिस कमिश्नर ने आदेश दिया है कि यदि दुर्घटना की वजह सड़क के गड्ढे हुए तो संबंधित सड़क बनाने वाली कंपनी, संबंधित एजेंसी व ठेकेदार पर एफआईआर दर्ज कर उन पर सदोष मनुष्य वध का मामला दर्ज किया जाएगा।

इस कारण लिया गया फैसला

बता दें कि जिले में पिछले साल 138 लोगों की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हुई थी, लेकिन इस साल सिर्फ अगस्त तक ही 228 लोगों की सड़क दुर्घटना में मौत हो चुकी है। इसको देखते हुए नागपुर पुलिस ने फैसला लिया है कि सड़क पर हो रही दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या के मद्देनजर, यदि किसी व्यक्ति की सड़क में दुर्घटना होती है और उसके लिए सड़क निर्माण कार्य जिम्मेदार है तो निर्माण कंपनियों के मालिक, ठेकेदारों एवं सरकारी कर्मचारियों के ऊपर एफआईआर दर्ज की जाएगी। पुलिस कमिश्नर रविंद्र सिंघल ने अपने आदेश में कहा है कि किसी वाहन चालक की मौत या दुर्घटना सड़क पर निर्माण कार्य के दौरान हुई गड्ढे की वजह से होता है तो संबंधित कंपनी के मलिक एवं सम्बंधित एजेंसी पर सदोष मनुष्य वध का मामला दर्ज किया जाएगा। पुलिस ने यह भी आदेश दिया है कि निर्माण स्थल पर कंपनी का नाम और जिम्मेदार अधिकारी के मोबाइल नंबर भी दर्ज करना होगा।

पुलिस करेगी सड़कों का ऑडिट

इसके अलावा पुलिस कमिश्नर ने पुलिस विभाग को सड़कों का ऑडिट करने का निर्देश भी दिया है। उन्होंने सभी थानेदारों को उनके इलाके में चल रहे निर्माण का ऑडिट करके रिपोर्ट पेश करने को कहा है। जानकारी दे दें कि लगभग 300 लोगों की हर साल एक्सीडेंट में मौत हो रही है। इसके पीछे लोगों ने शिकायत की है कि जगह-जगह पर फ्लाईओवर और सीमेंट रोड का बन रहा है, एक ही रोड पर निजी ठेकेदारों के अलावा कई एजेंसी कम कर रही है,

भोपाल नगर निगम के रिटायर्ड अफसर के ठिकानों पर छापा, आय से अधिक संपति को लेकर जांच कर रही लोकायुक्त की टीम

भोपाल, 9 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में लोकायुक्त की टीम की छापामार कार्रवाई जारी है। यह कार्रवाई नगर निगम के सेवानिवृत्त अधीक्षण यंत्री पीके जैन के निवास और कार्यालय पर की जा रही है। यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति के मामले में की जा रही है। पीके जैन सेवानिवृत होने के बाद संविदा पर स्मार्ट सिटी कार्यालय में पदस्थ हैं। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह लोकायुक्त की टीम सेवानिवृत्त अधीक्षण यंत्री पीके जैन के निवास और कार्यालय पर पहुंची और जांच शुरू की। टीम के सदस्यों जैन के घर और कार्यालय से दस्तावेजों और अन्य महत्वपूर्ण सामग्री को जब्त किया है। प्रारंभिक जांच में संपत्ति का ब्यौरा और आय के स्रोतों की जांच की जा रही है। लोकायुक्त के अधिकारियों का कहना है कि अभी दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

चुनाव आयोग की टीम से प्रदेश में जल्द चुनाव कराने का आग्रह, क्या बोले राजनीतिक दल

श्रीनगर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में पहले विधानसभा चुनाव की संभावनाएं तलाशने चुनाव आयोग का दल दो दिवसीय दौरे पर वीरवार को श्रीनगर पहुंचा। इस दौरान राष्ट्रीय तथा राज्य स्तरीय दलों ने आयोग से जल्द चुनाव कराने की मांग रखी। आयोग ने सभी जिलों के निर्वाचन अधिकारियों और पुलिस प्रमुखों के अलावा मुख्य निर्वाचन अधिकारी तथा राज्य पुलिस नोडल अधिकारी के साथ अलग-अलग बैठकें कर चुनाव कराने के संबंध में फीडबैक लिया। टीम ने सभी 20 जिलों के डीसी, 23 पुलिस प्रमुखों, सीईओ और पुलिस नोडल अफसर से मंत्रणा की। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार तथा चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार व एसएस संधू के साथ पांच सदस्यीय आयोग का दल शुक्रवार को मुख्य सचिव और डीजीपी के साथ श्रीनगर में बैठक कर चुनाव प्रबंधों पर बात करेगा। इसके बाद दल जम्मू आकर सुरक्षा एजेंसियों के साथ बैठक कर चुनाव में सुरक्षा इंतजामों तथा सुरक्षा बलों की जरूरतों पर विचार करेगा। श्रीनगर के एसकेआईसीसी में चुनाव आयोग के दल ने विभिन्न राजनीतिक दलों भाजपा, नेकां, कांग्रेस, पीडीपी, सीपीआई (एम) के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात की। सभी ने एक स्वर में कहा कि जल्द चुनाव कराए जाने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने 30 सितंबर तक चुनाव कराने का निर्देश दिया है। वहीं, कांग्रेस ने दिल्ली में उच्च स्तरीय बैठक में विधानसभा चुनाव की रणनीति पर विचार-विमर्श किया। इसके अलावा भाजपा ने चुनावी तैयारियों को गति देते हुए 132 सदस्यीय चुनाव प्रबंधन समिति का गठन किया।

अब चुनी हुई सरकार चाहती है प्रदेश की जनताः नेकां

नेकां के प्रांतीय अध्यक्ष नासिर असलम वानी ने पार्टी के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि नेकां जम्मू-कश्मीर में तत्काल विधानसभा चुनाव की मांग करती है। जम्मू-कश्मीर के लोग अब अपनी सरकार चाहते हैं। हमने चुनाव आयोग से निश्चित निर्णय लेने के लिए कहा। 2018 से जम्मू-कश्मीर में कोई सरकार नहीं है और पिछले 10 वर्षों से विधानसभा चुनाव नहीं हुए हैं। एक एलजी, उनके एकमात्र सलाहकार और कुछ नौकरशाह जम्मू-कश्मीर को नहीं चला सकते। वानी ने कहा, हमें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, राजनीतिक, विकासात्मक और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को तब ही संबोधित किया जा सकता है जब जनता के पास चुने हुए प्रतिनिधि हों। चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को आश्वासन दिया है कि चुनाव होंगे। वानी ने कहा कि पार्टी को उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट की 30 सितंबर की समय सीमा पूरी हो जाएगी। कठिन समय में भी मतदान हुए हैं,

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को मिली बड़ी राहत, हाईकोर्ट ने खारिज की याचिक, इस बयान से मचा था विवाद

प्रयागराज, 9 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में उप मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के नेता केशव प्रसाद मौर्य को बड़ी राहत मिली है। डिप्टी सीएम केशव मौर्या के 'सरकार से संगठन बड़ा है' इस बयान के खिलाफ दाखिल जनहित याचिका इलाहाबाद हाईकोर्ट से खारिज कर दी गई है। चीफ जस्टिस अरुण भंसाली एवं जस्टिस विकास बुधवार की खंडपीठ ने कहा कि याचिका में कोई तत्व नहीं है। कोर्ट ने कहा कि प्राइवेट कैपिसिटी में पार्टी फोरम में दिए गए बयान का कोई मायने नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि यह बयान पार्टी फोरम पर है। संवैधानिक पर पर रहते सरकार के फोरम पर नहीं। कोर्ट ने कहा कि मौर्य डिप्टी सीएम होने के साथ साथ पार्टी के सदस्य भी हैं। डिप्टी सीएम होने से पार्टी से संबंध खत्म नहीं हो जाता। इस कारण पार्टी स्तर पर दिया गये बयान को लेकर अखबार में छपी खबरों के आधार पर याचिका दाखिल की गई है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सु वि चा र — हमें सबसे अधिक महत्व का काम सबसे पहले करना चाहिए।

शनिवार, 10 अगस्त, 2024

सोने के आभूषण चुराने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

सवा करोड़ के गहने बरामद

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। चौटुप्पल पुलिस, यादाद्री भुवनगिरी जोन, राचकोंडा कमिश्नरेट की पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत एनएच-65, मलकापुर, चौटुप्पल के अधया होटल के पास आरोपी को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 1,26,88,432 रुपये मूल्य के (1832 ग्राम) सोने के आभूषण जब्त किए गए। गिरफ्तार आरोपी सोनी ठाकुर मध्यप्रदेश के धार जिले के भूरियाकुरवा गांव, मनावर तालुका, धर्मपुरी मंडल का रहने वाला है। जबकि दो अन्य आरोपी फरार हैं। मिली जानकारी के अनुसार एडी ज्वैलरीज, झवेरी बाजार मुंबई के सेल्स मैनेजर कुणाल कोटारी से पुलिस को एक शिकायत प्राप्त हुई, जिसमें उन्होंने कहा कि वह एडी ज्वैलरीज के नाम से मुंबई, पुणे और आंध्र प्रदेश में सोने का कारोबार करते हैं। बीते 26 जुलाई उन्होंने अपने कर्मचारी को 2.1 किलोग्राम के विभिन्न आभूषण आंध्र प्रदेश में एडी ज्वैलरी शाखा में सोने की वस्तुओं को पहुंचाने के लिए चूनाबट्टी बस स्टॉप पर ऑरेंज ट्रैवल्स बस, पंजीकरण संख्या एपी-02-ए-9687 पर चढ़ाया। बीते 27 जुलाई को सुबह 9:30 बजे कर्मचारी पुरोहित भरत कुमार जब यदाद्री-भुवनगिरी जिले के चौटुप्पल मंडल के धर्मोजीगुडेम में एनएच-65 पर ताजोई किचन के पास पहुंचे, तो उन्होंने सोने के आभूषणों से भरा बैग बस में ही छोड़ दिया और चाय पीने चले गए। 20 मिनट बाद जब वे बस में वापस आए और बैग की जांच की, तो उन्होंने पाया कि सोने के आभूषणों वाला बॉक्स गायब था। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच की गई। चार टीमें बनाकर कर्नाटक, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश राज्यों में भेजी गईं। राचकोंडा पुलिस आयुक्त सुधीर बाबू ने बताया कि आरोपी व्यक्ति मुंबई से दूसरे राज्यों में सोने के परिवहन के बारे में अच्छी तरह से जानते हैं। वे ऐसे व्यक्तियों का पीछा करते हैं जो सोने को डिलीवरी के लिए ले जाते हैं और भेजते हैं और जब बस दोपहर, नाश्ते, रात के खाने के लिए रुकती है तो वे बस में घुस जाते हैं और यात्रियों के बैग की चोरी करते हैं। अपराध करने के बाद, वे अपने वाहनों के लिए नकली नंबर प्लेट का उपयोग करके भाग जाते हैं।

12 अगस्त तक बारिश जारी रहने की उम्मीद

बंडलागुडा में सबसे अधिक 43.5 मिमी बारिश दर्ज

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) हैदराबाद ने राज्य में आंधी और बिजली गिरने की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि शहर में 12 अगस्त तक बारिश जारी रहने की उम्मीद है। हैदराबाद के बंडलागुडा में सबसे अधिक 43.5 मिमी बारिश दर्ज की गई।

दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान अब तक तेलंगाना में सामान्य 413.4 मिमी के मुकाबले 517.4 मिमी वर्षा हुई है, जो 25 प्रतिशत का विचलन है। हालांकि, हैदराबाद में सामान्य से कम बारिश हुई। शहर में सामान्य 322 मिमी के मुकाबले 316.3 मिमी बारिश हुई, जो -27 का विचलन है। आईएमडी हैदराबाद की अनुमानित वर्षा से शहर में होने वाली कुल वर्षा की मात्रा में वृद्धि होने की संभावना है।

महिला ने एक साल में हासिल कीं छह सरकारी नौकरियां

पुलिस कांस्टेबल की है इकलौती बेटी * बिना किसी कोचिंग के बनाया अनोखा रिकॉर्ड

आदिलाबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के एक सुदूर गांव की रहने वाली और पुलिस कांस्टेबल की इकलौती बेटी ने महज एक साल में छह सरकारी नौकरियां हासिल की हैं। इतना ही नहीं, उसने बिना कोचिंग लिए और एक भी पैसा खर्च किए बिना नौकरी हासिल की। अब, उसकी सफलता की कहानी जिले में सरकारी नौकरी के इच्छुक लोगों के लिए एक आदर्श बन गई है। नेराडिगोंडा मंडल के चिन्नाबुग्गाराम गांव की केथवथ निखिता को महात्मा ज्योतिबा फुले आवासीय महाविद्यालय आसिफाबाद में प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, उसी संस्थान में जूनियर व्याख्याता, एक सामाजिक कल्याण आवासीय विद्यालय में स्नातकोत्तर शिक्षक और निर्मल में एक सामाजिक कल्याण आवासीय डिग्री कॉलेज में व्याख्याता के रूप में चुना गया।

इसके अलावा, निखिता ने ग्रुप IV सेवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके नौकरी पाई। तेलंगाना लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा को पास करके उन्हें जूनियर लेक्चरर के पद के लिए चुना गया। उन्होंने अगस्त 2023 से जुलाई 2024 तक सभी नौकरियां सुरक्षित कर लीं। इसके अलावा, उन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा और तेलंगाना द्वारा आयोजित राज्य पात्रता परीक्षा (एसईटी) पास की। उन्होंने मेदक के एक मॉडल जूनियर कॉलेज से इंटरमीडिएट और मंचेरियल के एक निजी स्कूल में स्कूली शिक्षा प्राप्त करने के बाद उस्मानिया विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में स्नातकोत्तर और शिक्षा स्नातक (बीएड) की उपाधि प्राप्त की।

निखिता ने बताया कि मैं 2023 में अपनी पढ़ाई पूरी करने के तुरंत बाद परीक्षाओं के लिए लगातार खुद से तैयारी करके नौकरी पाने में सक्षम थी। मेरी महत्वाकांक्षा किसी विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बनने की है। वह वर्तमान में सामाजिक कल्याण आवासीय डिग्री कॉलेज-निर्मल में अंग्रेजी व्याख्याता के रूप में काम कर रही हैं। निखिता के पिता सरदार सिंह कुमराम भीम आसिफाबाद जिला मुख्यालय में सशस्त्र रिजर्व विंग के साथ काम करते हैं।

ओयू में पीएचडी प्रवेश केवल यूजीसी नेट के माध्यम से

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय ने पीएचडी प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा समाप्त करने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय से पीएचडी कार्यक्रम करने के इच्छुक छात्रों को अब विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी)- राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) उत्तीर्ण करनी होगी। विश्वविद्यालय द्वारा यह कदम यूजीसी द्वारा विश्वविद्यालयों को एक नोटिस जारी करने के बाद उठाया गया है, जिसमें उन्हें पीएचडी प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षाओं के स्थान पर नेट स्कोर का उपयोग करने के लिए कहा गया है। ओयू के रजिस्ट्रार प्रो. पी लक्ष्मीनारायण ने कहा कि यूजीसी के निर्देशों के अनुसार, पीएचडी प्रवेश केवल नेट स्कोर के माध्यम से किया जाएगा और पीएचडी प्रवेश परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। विश्वविद्यालय ने पहले ही श्रेणी-I जेआरएफ के तहत पीएचडी प्रवेश शुरू कर दिया है। जून 2024 से यूजीसी ने तीन श्रेणियों में नेट पात्रता घोषित करने का फैसला किया है। पहली श्रेणी में, उम्मीदवार जेआरएफ के साथ पीएचडी प्रवेश और सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र होंगे। दूसरी श्रेणी में, उम्मीदवारों को जेआरएफ के बिना पीएचडी में प्रवेश और सहायक प्रोफेसर के पद पर नियुक्ति दी जाएगी। तीसरी श्रेणी के लिए, उम्मीदवार जेआरएफ और सहायक प्रोफेसर पद के बिना केवल पीएचडी प्रवेश के लिए पात्र होंगे।

रेवंत ने एडोब सिस्टम्स के सीईओ से मुलाकात की

कैलिफोर्निया /हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अमेरिका के कैलिफोर्निया के पालो ऑल्टो में एडोब सिस्टम्स के सीईओ शांतनु नारायण से मुलाकात की और तेलंगाना राज्य से संबंधित विभिन्न प्रस्तावित परियोजनाओं पर चर्चा की। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शांतनु नारायण सिलिकॉन वैली, अमेरिका में सबसे सम्मानित तकनीकी दूरदर्शी और नेताओं में से एक थे, और वे एक प्रेरणादायक व्यक्ति थे। रेवंत रेड्डी ने कहा, "शांतनु नारायण से मिलना भी एक भावनात्मक और गर्व का क्षण है कि वह हैदराबाद के सबसे शानदार बेटों में से एक हैं।" मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि नारायण ने हैदराबाद 4.0, फ्यूचर सिटी, यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी और एआई सिटी के लिए उनके विजन का समर्थन करने पर सहमति जताई है।

कुपोषण का पता लगाने के लिए आईआईआईटी का एआई टूल

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) हैदराबाद के शोधकर्ताओं ने एक नया एआई-आधारित उपकरण विकसित किया है, जो बच्चों में कुपोषण का पता लगाने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाने का वादा करता है। आईआईआईटी-हैदराबाद स्थित राज रेड्डी सेंटर फॉर टेक्नोलॉजी एंड सोसाइटी (आरसीटीएस) के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित नया स्मार्टफोन-आधारित उपकरण, माप पैमानों को मैन्युअल रूप से रिकॉर्ड करने की पारंपरिक पद्धति से महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है, जिसमें मानवीय त्रुटियों की संभावना बनी रहती है।

शोधकर्ताओं ने दो सेटअप तैयार किए हैं, जहां स्मार्टफ़ोन का उपयोग करके वेब ऐप के ज़रिए माप लिया जा सकता है। पहले में, स्मार्टफ़ोन को बच्चे के सिर के ऊपर रखकर दो तस्वीरें ली जाती हैं, एक वज़न मापने वाले स्केल की रीडिंग की और दूसरी तराजू के ठीक सामने वाले क्षेत्र की। दूसरी विधि में, बच्चे को दीवार के सामने खड़ा करके ऊंचाई चार्ट के साथ, बच्चे के साथ-साथ वजन मापने वाले पैमाने की भी तस्वीर खींची जाती है।

इस प्रकार उत्पन्न छवियों का विश्लेषण करके ऊंचाई और वजन माप निकाला जाता है, जिसकी तुलना मानक विकास चार्ट से की जाती है ताकि कुपोषण का अनुमान लगाया जा सके।

आरसीटीएस के एक अनुप्रयुक्त शोधकर्ता डॉ. अर्जुन राजशेखर ने कहा कि हम 3डी एंथ्रोपोमेट्री, यानी 2डी छवियों का उपयोग करके विषयों के 3डी पुनर्निर्माण का उपयोग करने की व्यवहार्यता का भी पता लगा रहे हैं।

'द ग्रेट ऐपसेक हैकाथॉन 2024' लॉन्च

20 से अधिक देशों के लोगों ने की शिरकत

साइबर सुरक्षा के महत्व को किया गया रेखांकित

विभिन्न राज्यों से 10,000 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया भाग

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीसीएसबी) ने साइबर सुरक्षा केंद्र ऑफ एक्सीलेंस (सीसीओई) और डेटा सुरक्षा परिषद (डीएससीआई) के साथ साझेदारी करके शुक्रवार को यहां 'द ग्रेट ऐपसेक हैकाथॉन 2024' लॉन्च किया है। कार्यक्रम में विश्व भर के 20 से अधिक देशों और भारत के सभी राज्यों से 10,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिससे आज के सूचना प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग सुरक्षा के युग में साइबर सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया गया।

समारोह में पुलिस महानिदेशक जितेन्द्र, तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो की डीजीपी शिखा गोयल और अन्य उपस्थित थे, जिन्होंने साइबर सुरक्षा शिक्षा और नवाचार के महत्व को रेखांकित किया, जिससे एक चुनौतीपूर्ण और प्रेरणादायक प्रतियोगिता का मंच तैयार हुआ। उद्घाटन के बाद, प्रतिभागियों ने एप्लीकेशन सुरक्षा में अपने बुनियादी ज्ञान का आकलन करने के लिए कठोर गतिविधियों में भाग लिया। शीर्ष प्रदर्शन करने वालों को बड़े पुरस्कारों से पुरस्कृत किया गया और उन्हें विभिन्न आईटी फर्मों द्वारा पेश किए जाने वाले विशेष इंटर्नशिप और नौकरी के अवसरों तक पहुंच भी मिली, जिससे साइबर सुरक्षा क्षेत्र में उनके भविष्य का मार्ग प्रशस्त हुआ। ग्रेट ऐपसेक हैकाथॉन 2024, एप्लिकेशन सुरक्षा में प्रतिभा को बढ़ावा देने और विशेषज्ञता को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण आयोजन होगा।

इसके अलावा तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो ने लोक अदालतों की प्रणाली के माध्यम से मार्च और जुलाई 2024 के बीच साइबर धोखाधड़ी के पीड़ितों को 85.05 करोड़ रुपये की वापसी की सुविधा देकर एक नया मानदंड स्थापित किया है। डीजीपी ने ऐसे 7 पीड़ितों को रिफंड आदेश सौंपे और उन्होंने टीजीसीएसबी और लोक अदालतों द्वारा किए गए संयुक्त प्रयासों की सराहना की।

सप्ताह में छह दिन चलेगी वंदे भारत एक्सप्रेस

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। विशाखापट्टनम-सिकंदराबाद-विशाखापट्टनम वंदे भारत एक्सप्रेस की समय-सारिणी में सेवा के दिनों में बदलाव के साथ संशोधन किया गया है। ईस्ट कोस्ट रेलवे ने शुक्रवार को ट्रेन संख्या 20833/20834 विशाखापट्टनम-सिकंदराबाद-विशाखापट्टनम वंदे भारत एक्सप्रेस के चलने के दिनों में संशोधन किया, जो 10 दिसंबर से प्रभावी होगा। तदनुसार, ट्रेन संख्या 20833 विशाखापट्टनम-सिकंदराबाद और ट्रेन संख्या 20834 सिकंदराबाद-विशाखापट्टनम वंदे भारत एक्सप्रेस मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी। मौजूदा समय-सारिणी के अनुसार, ये सेवाएं रविवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलती हैं।

भारत छोड़ो दिवस के अवसर पर कांग्रेस ने शांति रैली निकाली

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत छोड़ो दिवस के अवसर पर आज गांधी भवन में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष मिडेला जितेंद्र के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी का झंडा फहराया गया और फिर गांधी भवन से गन पार्क तक बड़े पैमाने पर शांति रैली निकाली गई। इस कार्यक्रम में टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष जग्गारेड्डी, निरंजन रेड्डी और कुसुमा कुमार ने हिस्सा लिया और राष्ट्रीय ध्वज लहराकर शांति रैली की शुरूआत की।

इस अवसर पर बोलते हुए टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष जग्गारेड्डी ने कहा कि ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से आजादी के लिए भारत के संघर्ष के दौरान, भारत छोड़ो आंदोलन 8 अगस्त, 1942 को महात्मा गांधी द्वारा शुरू किया गया एक महत्वपूर्ण नागरिक अधिकार आंदोलन था। भारत छोड़ो के आह्वान ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक प्रमुख मोड़ की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि यदि महात्मा गांधी ने ब्रिटिश शासकों के दुष्ट शासन से छुटकारा पाने के लिए भारत छोड़ो आंदोलन किया था।

इस कार्यक्रम में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस सेवादल प्रभारी विनोद कोलापकर सह प्रभारी अबुल सम्मद और कांग्रेस सेवा दल के राज्य, जिला और निर्वाचन क्षेत्र के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बड़े पैमाने पर भाग लिया।

एमबीबीएस काउंसलिंग की घोषणा

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कलोजी नारायण राव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (केएनआरयूएचएस) ने शुक्रवार को एक अधिसूचना में बताया कि जिन उम्मीदवारों ने सशस्त्र कर्मियों के बच्चों (सीएपी) के तहत आरक्षण के लिए पंजीकरण किया है, उन्हें 2024-25 के लिए सक्षम प्राधिकारी कोटा के तहत एमबीबीएस/बीडीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अपने मूल प्रमाण पत्रों के भौतिक सत्यापन के लिए उपस्थित होना होगा। सत्यापन केंद्र निदेशक, सैनिक कल्याण कार्यालय, राजभवन रोड, सोमाजीगीडा में होगा। अधिसूचना में कहा गया है कि इस श्रेणी के पात्र अभ्यर्थी 13 अगस्त को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक प्रमाण पत्र सत्यापन के लिए रिपोर्ट कर सकते हैं। नीट रैंक 1 से 2,50,000 के बीच है और 2,50,000 के बाद की रैंक 14 अगस्त तक अंतिम रैंक तक है।

सूर्यापेट पुलिस ने लुटेरों के तीन गिरोहों को पकड़ा

नलगोंडा, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यापेट पुलिस ने शुक्रवार को मुनगाला, चिववेमला और हुजुरनगर पुलिस स्टेशन की सीमाओं में चोरी और डकैती की घटनाओं में शामिल तीन गिरोहों को पकड़ा। गिरफ्तार किए गए गिरोह के 6 सदस्यों से 35.4 तोला सोना, दस तोला चांदी, छह मोबाइल फोन और तीन मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। पुलिस अधीक्षक सनप्रीत सिंह के अनुसार, पुलिस एक अन्य आरोपी की तलाश कर रही है जो चिववेमला थाना क्षेत्र में अपने साथियों के साथ मिलकर लूटपाट की वारदातों में शामिल था। उन्होंने बताया कि गिरोह सुनसान जगहों पर महिलाओं या जोड़ों को निशाना बनाकर उनके सोने-चांदी के गहने लूट लेते थे। वे घरों में सेंधमारी की वारदातों में भी शामिल थे।

ऑटोरिक्शा के बीच में टकराने से शिशु की मौत

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को मसाब टैंक में एक ऑटोरिक्शा के पलट जाने से एक शिशु की मौत हो गई। मृतक की पहचान अंविका के रूप में हुई है, यह घटना उस समय हुई जब शिशु की मां संतोषी और दादी लक्ष्मी अपने पैतृक स्थान नांदेड़ जाने के लिए बस पकड़ने के लिए कटेदन से एमजीबीएस जा रही थीं। चालक की पहचान जे अनिल के रूप में हुई है, जिसने इलाके में महावीर अस्पताल के पास एक ट्रक को टक्कर मार दी। ऑटो पलटने से सभी यात्री सड़क पर गिर गए और शिशु की मौके पर ही मौत हो गई। सीआई कोटेश्वर राव ने बताया कि ड्राइवर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

साइबराबाद पुलिस आयुक्त ने कर्मचारियों को पुरस्कृत किया

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्त, साइबराबाद, अविनाश मोहंती ने मामलों का पता लगाने में साइबराबाद पुलिस द्वारा किए गए अच्छे काम की सराहना करते हुए पुलिस बल के प्रयासों की सराहना की और कई अधिकारियों और उनकी टीमों को पुरस्कृत किया। सीपी साइबराबाद ने विशेष रूप से इंस्पेक्टर शिवकुमार के नेतृत्व में विशेष ऑपरेशन टीम (एसओटी) बालानगर के उल्लेखनीय कार्य की सराहना की, जिसके परिणामस्वरूप 803 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। टीम को डीसीपी क्राइम के नरसिम्हा, मेडचल डीसीपी कोटी रेड्डी, बालानगर डीसीपी के. श्रीनिवास कुमार, एसओटी डीसीपी श्रीनिवास और अतिरिक्त डीसीपी एसओटी शोभन बाबू की उपस्थिति में सम्मानित किया गया।

एसओटी टीम के अलावा, केंद्रीय अपराध स्टेशन (सीसीएस) इकाइयों को भी विभिन्न मामलों में उनके परिश्रमी काम के लिए सम्मानित किया गया। सी.पी. ने सी.सी.एस. पुलिस को राजेंद्र नगर में 50 लाख रुपये की नकदी बरामद करने, मेडचल मंदिर चोरी मामले में अपराधियों की गिरफ्तारी और माधापुर में डकैती के एक मामले को सफलतापूर्वक सुलझाने सहित कई मामलों में उनके प्रयासों के लिए पुरस्कृत किया। विशेष रूप से, सी.पी. साइबराबाद ने सीसीएस एसीपी शशांक रेड्डी और सीसीएस एसीपी कलिंग राव के योगदान की सराहना की और सीसीएस माधापुर, सीसीएस राजेंद्र नगर, सीसीएस शमशाबाद और सीसीएस मेडचल के साथ-साथ सीसीएस बालानगर टीम की टीमों को पुरस्कृत किया। इसके अलावा, सीपी ने केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर (सीईआईआर) पहल के माध्यम से 250 मोबाइल फोन बरामद करने में सीसीएस कर्मचारियों की हाल ही में की गई उपलब्धि के लिए भी सराहना की। सीपी ने क्षेत्र में कानून और व्यवस्था बनाए रखने में उनकी भूमिका के महत्व पर जोर देते हुए, उनके समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए अधिकारियों और उनकी टीमों की सराहना की।

आवारा कुत्ते ने दिव्यांग लड़के पर किया हमला

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शहर और उपनगरों में आवारा कुत्तों के हमलों का सिलसिला जारी है और अब कोकापेट में एक सात वर्षीय दिव्यांग बालक इसका शिकार हो गया है। इस वीभत्स हमले में लड़के के निजी अंगों पर चोटें आईं, जब शुक्रवार को उसके घर पर एक आवारा कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार लड़का नरसिंगी के कोकापेट स्थित अपने घर में सो रहा था, तभी कुत्ता घुस आया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह घटना उस समय घटी जब आवारा कुत्ता, बच्चे के माता-पिता की अनुपस्थिति में सबिता नगर स्थित घर में घुस आया और उस पर हमला कर दिया। लड़के ने शोर मचाया जिसके बाद पड़ोसी उसे बचाने के लिए दौड़े और कुत्ते को भगाया। लड़के का इलाज चल रहा है। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

हवाई अड्डे ने यात्रियों को जल्दी पहुंचने की दी सलाह

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) ने यात्रियों की आवाजाही में वृद्धि की आशंका के मद्देनजर एक परामर्श जारी कर यात्रियों से 15 से 19 अगस्त के बीच अपनी उड़ानों के लिए जल्दी पहुंचने का आग्रह किया है। स्वतंत्रता दिवस सप्ताहांत और रक्षा बंधन त्यौहार के कारण एयरपोर्ट पर यात्रियों की भीड़ की उम्मीद है। हवाई अड्डा प्राधिकरण ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे इन व्यस्त दिनों के दौरान सुचारू यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पहले से योजना बनाएं और समय से पहले पहुंचें। परामर्श में कहा गया है कि स्वतंत्रता दिवस सप्ताहांत के कारण 15 से 18 अगस्त तक तथा रक्षा बंधन के कारण 19 अगस्त को यात्रियों की संख्या अधिक रहने की उम्मीद है।

हाईकोर्ट में याचिका-99 कांग्रेस सांसदों को अयोग्य घोषित करें

'खटाखट-खटाखट' का दावा कोर्ट पहुंचा, राहुल ने कहा था- हर महीने मिलेंगे 8500 रुपए

प्रयागराज, 9 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस का खटाखट। खटाखट, ठकाठक। ठकाठक दावा इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंच गया है। कांग्रेस पार्टी के खिलाफ जनहित याचिका दायर की गई है, जिसमें तीन बड़ी मांगें रखी गई हैं। पहली- पार्टी के 99 सांसदों को अयोग्य घोषित किया जाए। दूसरी- चुनाव चिन्ह जब्त हो और तीसरी डिमांड पार्टी का रजिस्ट्रेशन रद्द करने की गई है। यह याचिका सोशल एक्टिविस्ट भारती सिंह ने दाखिल की है। उनके वकील ओपी सिंह और शाश्वत आनंद ने याचिका को तैयार किया है। इसमें आरोप लगाया है कि लोकसभा चुनाव-2024 में कांग्रेस पार्टी ने गरीब, पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक को 8500 रुपए हर महीने देने का वादा किया था। राहुल गांधी ने भी अपनी जनसभाओं, रैलियों में हर महीने रुपए दिए जाने का वादा किया था, जो झूठा साबित हुआ।

इस वादे में वोट के बदले पैसा देने का लालच था

याचिका में यह भी कहा गया कि कांग्रेस ने इस वादे से मतदाताओं को गुमराह किया। एक तरह से वोट के बदले पैसे देने का लालच दिया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के हस्ताक्षर किए हुए इस वादे ने मतदाताओं को भरोसा दिलाया था कि उन्हें वोट देने के बदले पैसे मिलेंगे।

चुनाव आयोग को भी लेटर भेजा

भारती सिंह ने कहा- चुनाव आयोग ने चुनाव में प्रलोभनों पर 2 मई, 2024 को एक एडवाइजरी भी जारी की थी, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने उस पर कोई कार्रवाई नहीं की। याचिका में यह भी कहा गया है कि कांग्रेस ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 121(1)(ए) का उल्लंघन किया है। यह भारतीय दंड संहिता के तहत दंडनीय अपराध है। याची ने चुनाव आयोग को इस मामले में कार्रवाई करने के लिए लेटर लिखा, लेकिन जब कोई कदम नहीं उठाया गया, तो यह जनहित याचिका दायर की गई। इस याचिका पर अगले हफ्ते सुनवाई हो सकती है।

नतीजों के बाद लखनऊ में कांग्रेस मुख्यालय पहुंची थीं महिलाएं

लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आने के दूसरे दिन 5 जून को मुस्लिम महिलाएं यूपी कांग्रेस पार्टी दफ्तर पहुंच गई थीं। महिलाओं ने कांग्रेस का गारंटी कार्ड दिखाते हुए रुपए की मांग की थी। कई महिलाओं ने पहले से मिले गारंटी कार्ड पर अपना नाम, पता और नंबर भरकर पार्टी दफ्तर में जमा भी किया। कांग्रेस दफ्तर पहुंचीं जुबैदा ने कहा था- कांग्रेस की सरकार बनने के लिए बड़ी नमाज पढ़ी, दुआ मांगी। भोलेनाथ के सामने हाथ जोड़कर पूजा की। अब तो सरकार बन जाएगी। लोगों ने बहुत नक्शेबाजी की है।

जानिए, कांग्रेस ने महिलाओं से क्या वादा किया था

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिल्ली में 3 अप्रैल को महालक्ष्मी योजना लागू करने की बात कही थी। वादा किया था कि इस योजना में गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल कैटेगरी) से संबंधित परिवारों की मुखिया महिला के खाते में सीधे 8,500 रुपए प्रति माह जमा किए जाएंगे। यह योजना कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार की गृह लक्ष्मी गारंटी योजना के समान है, जिसमें गरीब परिवारों की महिलाओं को 2,000 रुपए का भुगतान किया जाता है।

राहुल ने कहा था- खटाखट-खटाखट पैसे आएंगे

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव प्रचार के दौरान सभाओं में कहा कि भाजपा वाले 22 अरबपति बना रहे हैं। हम करोड़ों लखपति बनाएंगे। हर परिवार से एक महिला चुनी जाएगी। उन करोड़ों महिलाओं के खाते में एक लाख रुपए भेजे जाएंगे। यानी महीने 8,500 रुपया खाते में खटाखट-खटाखट जाएगा।

किशनगंज में सुबह-सुबह आया भूकंप

घरों से बाहर निकले लोग; सिक्किम रहा सेंटर रिक्टर स्केल पर 4.5 मापी गई तीव्रता

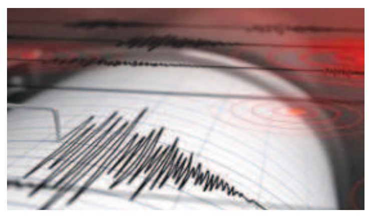

किशनगंज, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के किशनगंज में शुक्रवार की सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप के झटके लगने के बाद लोग घरों से बाहर निकल आए। बताया जाता है सुबह 7 बजे के करीब 4.5 की तीव्रता से कुछ सेकेंड के लिए धरती कांपी है। हालांकि, इसका असर काफी कम रहा। भूकंप का केन्द्र सिक्किम में बताया जा रहा है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक सिक्किम के सोरेंग में आज सुबह 06:57 बजे रिक्टर स्केल पर 4.5 तीव्रता का भूकंप आया।

फिलहाल, इस भूकंप में किसी के नुकसान की कोई खबर नहीं है। किशनगंज में एक बुजुर्ग महिला मालती देवी ने बताया कि मैं अपने आंगन में तुलसी के पौधे के पास खड़ी थी। उस समय हल्का झटका महसूस हुआ। कुछ समझ नहीं आया तो मैं घर में चली गई। वहीं विक्रम कुमार सहनी ने बताया कि मैं सुबह नीचे जमीन पर सोया हुआ था। अचानक से भूकंप का हल्का सा झटका महसूस हुआ था। उठने के बाद सिर चकराने लगा। उसके बाद हमलोग रूम से बाहर निकल गए।

आगरा किला स्टेशन के पास ब्रेक फेल होने से 4 किलोमीटर तक दौड़ता रहा 'टावर वैगन'

आगरा, 9 अगस्त (एजेंसियां)। रखरखाव संबंधी कार्य के दौरान एक स्व-चालित 'टावर वैगन अपराह्न करीब दो बजे ब्रेक फेल होने के कारण चालक दल के साथ लगभग चार किमी दौड़ता रहा, जिससे महत्वपूर्ण आगरा-टूंडला रेल मार्ग पर ट्रेन संचालन के लिए सुरक्षा संबंधी खतरा पैदा हो गया। रेलवे सूत्रों ने यह जानकारी दी। 'टावर वैगन' ट्रेन के डिब्बे की तरह होता है जिसके जरिये तार संबंधी उपकरणों में गड़बड़ी को ठीक किया जाता है।

ब्रेक पावर में गड़बड़ी की हो रही जांच

घटना की पुष्टि करते हुए आगरा रेलवे मंडल की जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) प्रशस्ति श्रीवास्तव ने कहा, ''कुबेरपुर रेलवे यार्ड में ब्लॉक के दौरान एक टावर वैगन काम कर रहा था। खराब ब्रेक पावर के कारण, यह 10 किमी प्रति घंटे से भी कम गति से कुछ दूरी तक चला गया।'' उन्होंने कहा, ''इसे तुरंत लूप लाइन पर ले जाया गया और उस पर सवार लोको पायलट द्वारा रोका गया। ब्रेक पावर में गड़बड़ी की जांच की जा रही है।''

'खराब ब्रेक पावर वाले टावर वैगन को सेवा में लगाना एक गंभीर मुद्दा'

रेलवे के एक सूत्र के अनुसार, कुबेरपुर रेल यार्ड में तार संबंधी उपकरणों के रखरखाव का काम चल रहा था और इस विशेष खंड में दोपहर 12 बजे से दो बजे के बीच लगभग दो घंटे तक रेल यातायात बाधित रहा। सूत्र ने कहा, ''जब मरम्मत का काम पूरा हो गया और टावर वैगन अपने गंतव्य के लिए रवाना हुआ, तो उसके ब्रेक में खराबी आ गई। टावर वैगन का उपयोग ओएचई (ऊपरी उपस्कर) समस्याओं को ठीक करने के लिए किया जाता है।'' आगरा मंडल के इस कथन कि गति 10 किमी प्रति घंटा से कम थी, का खंडन करते हुए उन्होंने कहा, ''यह वैगन आगरा किला स्टेशन की ओर बढ़ गया और कुबेरपुर स्टेशन से छलेसर स्टेशन तक लगभग चार किमी। की दूरी तय की।''

सपा सांसद की बेटी ने युवक को धमकाया

कटेहरी विधानसभा सीट के उपचुनाव में पक्की है उम्मीदवारी

अम्बेडकर नगर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। अंबेडकरनगर लोकसभा सीट से सपा सांसद लालजी वर्मा की बेटी डॉ छाया वर्मा का एक ऑडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वह कटेहरी विधानसभा क्षेत्र के रहने वाले दीपू वर्मा नाम के एक युवक को कॉल कर के धमका रही हैं।छाया वर्मा और दीपू के बीच फेसबुक पर एक पोस्ट को लेकर बातचीत हो रही है। क्योंकि छाया वर्मा युवक के पोस्ट से नाराज थीं। दरअसल कटेहरी विधानसभा निवासी दीपू वर्मा नाम एक युवक ने छाया वर्मा को लेकर सोशल मीडिया फेसबुक पर एक पोस्ट लिखा था। उसने पोस्ट करते हुए लिखा, "हारना तय है उपचुनाव कटेहरी"। दीपू की तरफ से की गई इसी फेसबुक पोस्ट के चलते सपा सांसद लालजी वर्मा की बेटी नाराज थीं और उन्होंने दीपू को फोन कर के धमकी दे डाली। छाया वर्मा विधानसभा की चुनाव भी लड़ चुकी हैं।

सपा सांसद लालजी वर्मा की बेटी डॉ छाया वर्मा का एक युवक, जिसका नाम दीपू वर्मा के बीच हुई बातचीत का ऑडिया वायरल हो रहा है। इस ऑडियो में सबसे पहले फेसबुक पोस्ट को लेकर बातचीत हुई, जो दीपू वर्मा ने फेसबुक पर किया था।इस बातचीत में मामला पोस्ट से शुरू होकर इलाज और पैसे की वापसी तक चला गया।इस तीखी बहस में छाया वर्मा के बोल भी बिगड़े, जिसको लेकर युवक ने भी नाराजगी दिखाई। इस वायरल ऑडियो में छाया वर्मा की तरफ से युवक को धमकाते सुना जा सकता है।

कटेहरी विधानसभा की प्रबल दावेदार हैं छाया वर्मा

बता दें कि यूपी की 10 सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इसमें एक सीट कटेहरी विधानसभा सीट भी शामिल है।सपा सांसद लालजी वर्मा की बेटी छाया वर्मा कटेहरी सीट से प्रबल दावेदार हैं।ऐसा माना जा रहा है सपा छाया वर्मा को अपना प्रत्याशी घोषित कर सकता है और वह सपा की टिकट पर कटेहरी विधानसभा सीट से उपचुनाव लड़ लड़ सकती हैं।क्योंकि छाया वर्मा के पिता लालजी वर्मा कटेहरी विधानसभा से ही विधायक थे, लेकिन सांसद बनने के बाद उन्होंने अपना इस्तीफा दे दिया, जिसके बाद इस सीट से उनकी बेटी की दावेदारी पक्की मानी जा रही है।

सपा के मीडिया सेल अकाउंट के खिलाफ एफआईआर

पीएम और सीएम योगी पर आपत्तिजनक टिप्पणी का आरोप

लखनऊ, 9 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी की मीडिया सेल के सोशल मीडिया अकाउंट के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। आरोप है कि इस अकाउंट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लेकर आपत्ति जनक पोस्ट की गई, जिसके बाद बीजेपी नेता विजय कुमार भुर्जी ने शिकायत दर्ज कराई गई है। ये एफआईआर लखनऊ के हजरतगंज थाने में दर्ज कराई गई है। खबर के मुताबिक भाजपा नेता विजय कुमार भुर्जी का आरोप है कि समाजवादी पार्टी के मीडिया सेल सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर तीन अगस्त को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को लेकर आपत्तिजनक पोस्ट की गई थी। पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है। इस सिलसिले में सपा के मीडिया सेल से जुड़े लोगों से भी पूछताछ की जा सकती है।

सपा के मीडिया सेल के खिलाफ एफआईआर

बीजेपी विजय कुमार भुर्जी सआदतगंज थाना क्षेत्र के लकड़मंडी इलाके के रहने वाले हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि सपा के मीडिया सेल के सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट की गई थी, जिसमें प्रधानमंत्री और सीएम योगी के नाम से वाराणसी की एक घटना का जिक्र किया गया था। इसके जरिए ये दिखाने की कोशिश की गई कि सीएम योगी और पीएम मोदी के बीच सबकुछ ठीक नहीं है। शिकायत कर्ता ने इस पोस्ट को फर्जी बताया और कहा कि इसके जरिए झूठ फैलाने की कोशिश की गई, जिससे पार्टी की छवि को नुकसान होता है। भाजपा नेता की शिकायत पर लखनऊ के हजरतगंज थाने में शिकायत दर्ज कर ली गई है। पुलिस के मुताबिक इस मामले की जांच की जा रही है।

जिसके बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। आपको बता दें कि इससे पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ के बीच दूरी होने का दावा करते रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि यूपी के डबल इंजन की सरकार में दोनों इंजन आपस में टकरा रहे हैं। हालांकि भाजपा इन दावों को नकारती रही है।

19 साल से बीएड की अवैध डिग्री पर नौकरी कर रही थीं दो महिला शिक्षक, अब होगी बड़ी कार्रवाई

अंबेडकरनगर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बेसिक शिक्षा विभाग की आंख में धूल झोंककर पिछले 19 वर्ष से दो महिला शिक्षक बीएड की अवैध डिग्री पर नौकरी करती पकड़ी गई हैं। दोनों ने छत्तीसगढ़ में रायपुर स्थित दून इंटरनेशनल विश्वविद्यालय से बीएड किया है, जबकि यूजीसी ने इस विवि को अवैध घोषित किया है। एसटीएफ ने जांच के बाद दोनों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को रिपोर्ट भेजी है।

दोनों की तैनाती वर्ष 2005 में हुई थी। अवैध डिग्री पर अभी तक दोनों ने तीन करोड़ रुपये से अधिक वेतन हासिल किया है। बीएड की अवैध डिग्री पर बेसिक शिक्षा विभाग में नौकरी कर रही मान्धाता एवं सरोजलता को एसटीएफ ने पकड़ा है। मान्धाता ने अक्टूबर 2003 में उक्त विवि से बीएड पास किया था। वहीं, सरोजलता ने फरवरी 2005 में उक्त संस्था से बीएड पास किया था।

विभाग भी करेगा कार्रवाई

मान्धाता की तैनाती अकबरपुर शिक्षाक्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय गौरा में एवं सरोजलता की तैनाती प्राथमिक विद्यालय बरौरा में है। बीएसए भोलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि एसटीएफ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय से दो महिला शिक्षक की नियुक्ति में लगे अभिलेख अवैध होने पर कार्रवाई करने के लिए पत्र मिला है। आरोपितों को नोटिस जारी किया गया है, जवाब लेने के बाद विधिक और विभागीय कार्रवाई होगी।

पटना हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, ट्रेन से गिरकर हुई मौत पर अब मिलेगा आठ लाख मुआवजा

पटना, 9 अगस्त (एजेंसियां)। ट्रेन से गिरकर होनेवाली मौतों के मामले में पटना हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने रेलवे को ऐसे मामलों में आठ लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि किसी भी सूरत में पीड़ित के परिजन को कम से कम आठ लाख रुपये मुआवजा के तौर पर देना होगा। न्यायमूर्ति सुनील दत्त मिश्रा की एकलपीठ ने शत्रुघ्न साहू की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया है। बिहार में ट्रेन से गिर कर मौत की घटनाएं अक्सर होती रहती है। हाईकोर्ट के इस फैसले से ऐसे हादसों में मरनेवालों के परिजनों को बड़ी राहत मिलेगी।

रेलवे गजट के आधार पर हुआ फैसला

कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए रेल मंत्रालय की ओर से जारी गजट अधिसूचना 22 दिसम्बर 2016 का हवाला दिया। कोर्ट ने कहा कि मुआवजा को लेकर उत्पन्न भ्रम को समाप्त करने के लिए मुआवजा राशि को बढ़ाकर आठ लाख रुपये कर दिया गया है। कोर्ट ने रेलवे दावा न्यायाधिकरण आदेश में संशोधन करते हुए कहा कि यदि ब्याज सहित मुआवजा राशि 8 लाख रुपये से कम है, तो उसे कम से कम आठ लाख रुपये का मुआवजा देना ही होगा।

धक्का-मुक्की के दौरान हुआ था हादसा

कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि आवेदक के पुत्र ने एक जून 2014 को गया जंक्शन जाने के लिए गाड़ी संख्या 53608 की द्वितीय श्रेणी का टिकट खरीदा था। अनुग्रह नारायण रोड रेलवे स्टेशन से टिकट लेकर ट्रेन में चढ़ा पर यात्रियों की धक्का-मुक्की के कारण वह चलती ट्रेन से गिर गया। ट्रेन से गिरने के चलते बिपुल साव गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल अनुग्रह नारायण लाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

हाईकोर्ट में दी गयी चुनौती

मृतक के पिता ने मुआवजा राशि के लिए पटना स्थित रेलवे दावा न्यायाधिकरण में केस दायर किया। न्यायाधिकरण ने आवेदक के अविवाहित पुत्र की मृत्यु पर 4 लाख रुपये का मुआवजा 12 प्रतिशत सालाना साधारण ब्याज के साथ देने का आदेश दिया। इस आदेश पर रेलवे ने पुनर्विचार अर्जी दायर कर ब्याज को चुनौती दी। न्यायाधिकरण ने अपने पूर्व के फैसला में संशोधन करते हुए 6 प्रतिशत साधारण ब्याज देने का आदेश दिया, जिसे आवेदक ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। कोर्ट ने आवेदक और रेलवे की ओर से पेश दलीलों को सुनने के बाद यह फैसला दिया।

'कोई पूछे कि बिना माचिस बिना पेट्रोल आग कब लगती है? बोलिएगा चुनाव में', बीजेपी नेता का बयान

पूर्णिया, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल पार्टी की कमान संभालने के बाद इन दिनों सीमांचल का दौरा कर रहे हैं। दिलीप जायसवाल पूर्णिया के डगरवा प्रखंड अंतर्गत बेलगच्छी पहुंचे थे। यहां जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर दिलीप जायसवाल ने कहा कि कोई पूछे कि बिना पेट्रोल के, बिना तेल के, बिना माचिस के आग कब लगती है? तो बोलिएगा चुनाव में। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि वह किसी एक पार्टी के बारे में बोल रहे हैं, सब नेता का एक ही हाल है। किसी भी तरह सत्ता पाना चाहते हैं चाहे समाज को जितना बांटना पड़े। इस दौरान दिलीप जायसवाल ने मौजूद प्रतिनिधि व जनता को संबोधित करते हुए कुछ ऐसा कह दिया जिससे मुस्लिम बहुल इस इलाके के लोग दिलीप जायसवाल के मुरीद हो गए। दिलीप जायसवाल ने साफ शब्दों में कहा कि ये राजनीति है, इसमें चुनाव के वक्त हर कोई एक-दूसरे का दुश्मन बन जाता है। चाहे वो एआईएमआईएम हो, आरजेडी हो, कांग्रेस हो, जेडीयू हो या फिर बीजेपी ही क्यों न हो। उन्होंने गुजारिश करते हुए कहा कि राजनीति के कारण समाज में न लड़ें।

अरशद मदनी का वक्फ बिल पर बड़ा बयान

बोले- सरकार की नीयत ठीक नहीं, मुस्लिमों की अरबों की संपत्ति हड़पना चाहती है

सहारनपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने वक्फ बिल पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा- सरकार वक्फ की संपत्तियों की स्थिति और स्वभाव को इन संशोधनों से बदल देना चाहती है। जिससे उन पर कब्जा करना आसान हो जाए। सरकार की नीयत ठीक नहीं लग रही। मुस्लिमों की अरबों की संपत्तियों पर वह कब्जा करना चाहती है। उन्होंने कहा- वक्फ ट्रिब्यूनल खत्म करके कलेक्टर के पास अधिकार चले जाएंगे। इससे भारत की न्यायिक स्वतंत्रता खत्म हो जाएगी और कलेक्टर राज शुरू हो जाएगा। वक्फ से मिलने वाले पैसे को सरकार मुस्लिमों में बांटने की तैयारी कर रही है। सरकार का यह फैसला धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप है, जो मुसलमानों को स्वीकार नहीं है। मौलाना मदनी ने कहा- ये हिंदू-मुस्लिम का मामला नहीं है, बल्कि देश के संविधान, नियम और धर्मनिरपेक्षता का मुद्दा है। उन्होंने कहा-जब से ये सरकार आई है, अलग-अलग बहानों से मुस्लिमों को अराजकता और भय में रखने के लिए ऐसे-ऐसे नए कानून ला रही है। जिससे हमारे धार्मिक मामलों में खुला हस्तक्षेप होता है। हालांकि सरकार ये बात भली-भांति जानती है कि मुस्लिम हर नुकसान सह सकता है, लेकिन अपनी शरीयत में कोई हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं कर सकता। उन्होंने कहा- पहले वक्फ संपत्ति घोषित करने का अधिकार वक्फ ट्रिब्यूनल को था, वक्फ एक्ट में संशोधन भारतीय संविधान में मिले धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार नहीं रहेगा। इसके बाद न्यायिक स्वतंत्रता खत्म हो जाएगी। यह संशोधन पक्षपात करने वाला भी है, जो संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। वक्फ मुसलमानों के महत्वपूर्ण धार्मिक कर्तव्यों में शामिल है। मौलाना मदनी ने कहा- ये एक तरह से मुसलमानों को दिए गए संवैधानिक अधिकारों में खुला हस्तक्षेप है। संविधान ने हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता के साथ साथ अपने धार्मिक कर्तव्यों का पालन करने का पूरा अधिकार भी दिया है और वर्तमान सरकार संविधान द्वारा मुसलमानों को दी गई। कहा - इस धार्मिक स्वतंत्रता को छीन लेना चाहती है।

सातवीं की छात्रा के पेट में दर्द और उल्टी

अल्ट्रासाउंड कराया तो निकली 6 माह की प्रेग्नेंट, दसवीं के छात्र ने किया था रेप

सहारनपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां दसवीं के छात्र ने सातवीं क्लास में पढ़ने वाली छात्रा के साथ रेप किया। उसने छात्रा को किसी को न बताने की धमकी दी। छात्रा डर की वजह से खामोश रही। उसके अचानक पेट में दर्द और उल्टी हुईं। छात्रा की मां उसे डॉक्टर के पास ले गई।

जब डॉक्टर ने छात्रा की जांच कर बताया तो सभी के होश उड़ गए। जांच रिपोर्ट में छात्रा 6 माह की गर्भवती निकली। जब परिजनों ने छात्रा से पूछा तो उसने सब कुछ बता दिया। पीड़िता की मां ने आरोपी छात्र के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी गांव से फरार हो गया है। पुलिस द्वारा उसकी तलाश की जा रही है। साथ ही पीड़िता का मेडिकल परीक्षण भी करवाया जा रहा है।

जनवरी में किया आरोपी छात्र ने रेप

मामला जिले के चिलकाना थाना क्षेत्र के एक गांव का है। यहां की निवासी एक महिला ने थाना चिलकाना पर तहरीर देकर बताया कि उनकी नाबालिग बेटी 7वीं क्लास में पढ़ती है। उसके पति की 22 जनवरी को मौत हो गई थी।

मां ने बताया कि पिता की मौत के दो दिन बाद उनकी बेटी शाम के समय अपने घर मजा रही थी। रास्ते में पड़ोस में रहने वाले एक नाबालिग छात्र ने उसे पकड़ लिया। वह उसको खाली जगह पर ले गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया।

मुर्गी, बकरी, भैंस, पायल चोरी जैसे 12 केसों में फंसे सपा नेता आजम खान की सुनवाई एक ही कोर्ट में होगी

रामपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। आजम खान के खिलाफ साल 2019 में ऐसे कई केस दर्ज किए गए थे, जो सुर्खियों में रहे थे। आजम खान के खिलाफ मुर्गी चोरी, बकरी चोरी, भैंस चोरी जैसे करीब 12 केस दर्ज किए गए थे। आरोप था कि रामपुर के यतीम खाना यानी वक्फ की जमीन पर बने घरों को जबरन खाली करवाने और तोड़ने का। आजम खान के खिलाफ दर्ज हुए ये केस काफी चर्चाओं में रहे थे। अब इन केसों में पूर्व मंत्री आजम खान को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। बता दें कि इन सभी 12 मामलों में अलग-अलग केस दर्ज किए गए और फिर पुलिस ने जांच करके सभी मामलों में अलग-अलग आरोप पत्र भी कोर्ट में दाखिल कर दिए। इन मामलों में आजम खान और अन्य आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में केस चलाए जा रहे थे। अब कोर्ट ने आजम खान को राहत देते हुए इन सभी केसों को एक साथ कर दिया है और सभी की सुनवाई एक ही जगह करने का आदेश दे दिया है। बता दें कि रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने ये फैसला सुनाया है।

आजम खान की तरफ से की गई थी अपील

आजम खान के वकील जुबेर अहमद खान ने बताया कि कोर्ट से उन्होंने इन सभी मुकदमों को एकजुट कर एक जगह मुकदमा लड़ने की अपील की थी। कोर्ट ने सुनवाई करते हुए राहत दी और इन सभी मामलों की एक ही जगह पर सुनवाई करने का आदेश जारी कर दिया।

आजम खान के खिलाफ किन-किन आरोपों में दर्ज हैं मुकदमे?

आजम खान के वकील ने बताया कि इन 12 केसों में भैंस चोरी, बकरी चोरी, 5 हजार की लूट, बर्तन चोरी, पायल चोरी जैसे आरोप हैं। साजिश के तहत ये आरोप आजम खान पर लगाए गए थे। उनपर आरोप लगाया गया कि जो लोग यतीम खाने में रह रहे थे, उनके घर तोड़े गए और उनके घरों से भैंस, बकरी और तमाम चीजों की लूटपाट की गई। आजम खान के वकील का कहना है कि अब ये सभी 12 केस एक साथ क्लब होकर चलेंगे। अब इनका फैसला एक ही बार में हो जाएगा। ये आजम खान को बड़ी राहत है।

90 लाख की एफडी के लालच में 82 साल के बुजुर्ग की हत्या

बैंक मैनेजर समेत 5 लोगों ने फिल्मी स्टाइल में रची साजिश

कोल्लम, 9 अगस्त (एजेंसियां)। केरला के कोल्लम टाउन में मर्डर की एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। 2 महीने पहले 82 साल के जिस बुजुर्ग की सड़क हादसे में मौत हो गई थी वह हादसा नहीं बल्कि प्लान्ड मर्डर था। जानकारी के अनुसार, 82 साल के पापच्चन बीएसएनएल के रिटायर्ड कर्मचारी थे। पारिवारिक रिश्ते खराब होने के चलते कोल्लम में अकेले ही रह रहे थे। अपनी जीवन की कमाई से उन्होंने एक निजी बैंक में 90 लाख रुपये की एफडी करा रखी थी।

बैंक की मैनेजर से इस बात पर हुआ था विवाद

इस बैंक की मैनेजर 45 साल की सरिता और अकाउंट एक्सिक्यूटिव अनूप से बैंक में लेन देन को लेकर पापच्चन की बातचीत होती रहती थी। इन दोनों को पता था कि पापच्चन का परिवार से झगड़ा हो रखा है और वो अकेले ही रहते हैं। कोल्लम पुलिस के मुताबिक कुछ महीनों पहले सरिता ने पापच्चन से एफडी पर ज्यादा ब्याज दिलाने की भरोसा दिलाया और उनसे जबरन एक चेक लेकर उनकी एफडी से 40 लाख रुपये निकालकर अलग-अलग बैंक में एफडी करवा दी।

इस बात को लेकर पापच्चन और सरिता के बीच में बहस होने लगी। पापच्चन अपना पैसा वापस मांगने लगे जिससे दोनों के बीच नाराजगी बढ़ने लगी। पापच्चन से छुटकारा पाने के लिए बैंक मैनेजर सरिता ने एक घिनौनी साजिश रची। इस साजिश में अनूप ने सरिता का साथ दिया।

दोनों को लगा कि अगर पापच्चन को ठिकाने लगा दिया तो उनके पैसों को कोई क्लेम करने नहीं आएगा और पूरे 90 लाख वो हड़प लेंगे।

कॉन्ट्रेक्ट किलर को दिया मर्डर करने का जिम्मा

सरिता और अनूप ने इस काम के लिए 44 साल के कॉन्ट्रेक्ट किलर एनीमोन को हायर किया। 26 मई को जब पापच्चन अपनी साइकिल से कोल्लम के आश्रम मैदान के पास से गुजर रहे थे। तब एक कार ने उन्हें पीछे से जबरदस्त टक्कर मार दी और कार चालक मौके से फरार हो गया। लहूलुहान पापच्चन की अस्तपाल ले जाने के दौरान ही मौत हो गयी।

सीसीटीवी देखकर पुलिस को हुआ शक

हिट एंड रन के इस मामले की जांच कर रही पुलिस की टीम को भी सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखने पर इस बात का शक होने लगा कि कार चालक ने पापच्चन की साइकिल को जानबूझकर कर टक्कर मारी। जब इस बात का पता उनसे अलग रह रहे पापच्चन के परिवार को लगा तो बेटे ने मामले की जांच के लिए कम्प्लेन दर्ज करवाई। टेक्नोलॉजी की मदद से पुलिस इस मामले की तह तक पहुंच गई। जांच में ये बात सामने आई कि अनूप कॉन्ट्रेक्ट किलर एनीमोन को फोन पर लगातार पापच्चन की लोकेशन शेयर कर रहा था।

इसके लिये उसने अपने दोस्त माहीन की मदद ली जो कि बाइक पर पापच्चन को फॉलो कर रहा था। एनीमोन ने इस काम के लिए हासिफ़ अली की कार इस्तेमाल की।

सभी पांच आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने अनूप और माहीन से कड़ी पूछताछ की तो सारी कहानी सामने आ गयी। पुलिस ने इस कहानी की मास्टरमाइंड बैंक मैनेजर सरिता सहित 5 आरोपियों को अरेस्ट कर लिया। इन सभी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (हत्या) और 61 (आपराधिक साजिश) का मामला दर्ज कर इन्हें जेल भेज दिया गया है।

सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को सुप्रीम कोर्ट से राहत, बेटी से जुड़ा वैवाहिक विवाद का है मामला

प्रयागराज, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बेटी से जुड़े वैवाहिक विवाद मामले में समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस अरविंद कुमार की पीठ ने फैसला स्वामी प्रसाद मौर्य के पक्ष में सुनाया है। साथ ही मौर्य पर चल रहे आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील पर नोटिस भी जारी किया है। दरअसल, इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने स्वामी प्रसाद मौर्य को राहत देने से इंकार कर दिया था। जिसके बाद स्वामी प्रसाद मौर्य ने सुप्रीम कोर्ट में इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दिया था। साथ ही अपने खिलाफ दर्ज मामले को रद्द करने की मांग की थी।

क्या है मामला?

स्वामी प्रसाद मौर्य और उनकी बेटी संघमित्रा ने अपने कथित बॉयफ्रेंड दीपक कुमार स्वर्णकार को झूठ बोलकर शादी की थी। दीपक कुमार स्वर्णकार ने कोर्ट में अर्जी दी। अपने अर्जी में उन्होने बताया कि शादीशुदा होने के बाद भी 2019 के चुनाव में संघमित्रा ने चुनाव आयोग को दिए हलफ़नामा में खुद को अविवाहित दिखाया था। स्वामी प्रसाद मौर्य और परिवार की जानकारी में संघमित्रा अपने कथित बॉयफ्रेंड दीपक कुमार के साथ साल 2016 से लिव-इन रिलेशन में रह रहे थे। जिसके बाद उन्होंने शादी कर लिया था। लेकिन संघमित्रा मौर्य के सांसद बनने के बाद खुद संघमित्रा और उनके पिता स्वामी प्रसाद, दीपक कुमार स्वर्णकार को जान से मारने की धमकी देने लग गए थे। उनॉपर कई बार हमला भी हो चुका है। बता दें कि दीपक कुमार स्वर्णकार पेशे से पत्रकार हैं।

फरार कर दिया था घोषित

स्वामी प्रसाद मौर्य और उनकी बेटी संघमित्रा को एमपी एमएलए कोर्ट ने फरार घोषित कर दिया था। तलाक के बिना विवाह के मामले में दायर केस में पेशी पर नहीं आने के बाद कोर्ट ने मौर्य और उनकी बेटी को फरार घोषित कर दिया था। तीन बार समन, दो बार ज़मानती वारंट, एक बार गैर जमानती वारंट जारी होने के बाद भी कोर्ट में हाजिर नहीं हो रहे थे।

'मुस्लिम समाज का अहित'

नेताओं की बैठक में वक्फ बिल पर नीतीश कुमार का चौंकाने वाला बयान

पटना, 9 अगस्त (एजेंसियां)। पटना वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पर जेडीयू में हलचल दिख रही है। मुस्लिम नेताओं ने सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात की जिसमें बिहार सुन्नी वक्फ बोर्ड के चेयरमैन मो. ईशार्दुल्लाह भी मौजूद रहे।

इस बैठक में नीतीश कुमार ने क्या कुछ कहा और यह भी सामने आ गया है। इस पर शुक्रवार (09 अगस्त) को मो। ईशार्दुल्लाह से कहा कि सीएम नीतीश से मिलकर हम लोगों ने अपनी चिंताएं जाहिर की हैं। एक हफ्ते से हम लोग परेशान थे कि पता नहीं इस बिल में क्या क्या आएगा? ईशार्दुल्लाह ने कहा कि बिल की कॉपी हम लोगों को मिली। इसके बाद हम लोग सीएम के पास गए थे। सीएम ने कहा है, किसी भी तरह की परेशानी अकलियतों पर आएगी तो वह मेरी परेशानी होगी। सीएम ने कहा कि इस बिल के बारे में मुझे पता नहीं है। इस बिल को मैं देखूंगा व दिल्ली से पार्टी के वरीय नेता आएंगे तो उनसे भी बातचीत करूंगा और किसी भी कीमत पर मुस्लिम समाज का अहित नहीं होने दूंगा। आगे मो. ईशार्दुल्लाह ने कहा कि हम लोग और मुस्लिम समाज भी इस बिल को अच्छे से नहीं समझ सके हैं। बिल को लेकर चिंता थी और इसे सीएम को हम लोगों ने अवगत करा दिया है। उन्होंने कहा कि इस बिल को संसद में लाने से पहले मुस्लिम समाज बुद्धिजीवियों वक्फ बोर्ड के चेयरमैन के बीच इस पर चर्चा होनी चाहिए थी। मो। ईशार्दुल्लाह ने कहा कि इस बिल में जो कुछ प्वाइंट्स हैं उससे मुस्लिम समाज को दिक्कत है। इसी को लेकर हम लोगों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की है।

विदिशा में प्राचीन विजय सूर्य मंदिर है असल में मस्जिद', एएसआई के दावे के बाद मचा बवाल

भोपाल, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भोजशाला के बाद मध्य प्रदेश में एक नया विवाद सामने आया है। इस बार विवाद यहां के विदिशा में प्राचीन विजय सूर्य मंदिर को लेकर खड़ा हुआ है। फिलहाल इस मंदिर का प्रबंधन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) करता है और विवाद भी एएसआई के एक लेटर की वजह से हुआ है। दरअसल, दशकों से हिंदू भक्त नाग पंचमी पर इस स्थल के बाहर धार्मिक अनुष्ठान करते रहे हैं। इस साल कुछ हिंदू संगठनों ने 9 अगस्त को परिसर में प्रवेश करने और पूजा करने की अनुमति मांगी थी। जिला कलेक्टर बुद्धेश वैश्य ने लोगों की मांग से जुड़े लेटर को एएसआई के पास भेजा। इसके बाद एएसआई ने लेटर का जो जवाब दिया उससे विवाद हो गया है। एएसआई ने 1951 के गैजेट नोटिफिकेशन का हवाला देते हुए इस स्थल को 'बीजामंडल मस्जिद' के रूप में वर्गीकृत किया।

इस जवाब के बाद कलेक्टर ने पूजा की अनुमति देने से इनकार कर दिया, जिससे हिंदू संगठनों में आक्रोश फैल गया है। हिंदू संगठन एएसआई के इस दावे का विरोध कर रहे हैं, उनका कहना है कि यह 1972 से हिंदू पूजा का स्थान रहा है। विदिशा विधायक 'मंदिर के स्वामित्व' को साबित करने के लिए सर्वेक्षण चाहते हैं। वे एएसआई की ओर से इस स्थल को मस्जिद के रूप में वर्गीकृत करने का विरोध करते हैं, उनका दावा है कि यह 1972 से हिंदू पूजा का स्थान रहा है। विजय सूर्य मंदिर/बीजामंडल मस्जिद स्थल - भोपाल से लगभग 60 किमी और सांची स्तूप से करीब 10 किमी दूरी पर स्थित है। इसका इतिहास उथल-पुथल भरा रहा है।

स्तंभ पर पाए गए शिलालेख कर रहे मंदिर की पुष्टि

एएसआई भोपाल सर्कल की वेबसाइट का कहना है कि मस्जिद का निर्माण एक हिंदू मंदिर के खंडहर पर किया गया था, और स्तंभ पर पाए गए शिलालेखों में से एक से इस बात की पुष्टि होती है कि यह देवी चर्चिका का मंदिर था। ऐसा माना जाता है कि इसे 11वीं-12वीं शताब्दी में सूर्य देव के सम्मान में बनाया गया था। मुगल शासन के दौरान, विशेष रूप से औरंगजेब के शासनकाल में मंदिर को काफी नुकसान पहुंचा था, जिसके बाद इसे 17वीं शताब्दी में मस्जिद के रूप में पुनर्निर्मित किया गया था। हालांकि, मराठा शासन के दौरान मस्जिद को दूसरी जगह ले जाया गया और स्थानीय लोगों का कहना है कि यह स्थल जीर्ण-शीर्ण हो गया। 1934 में मंदिर के खंडहरों की खोज ने हिंदू महासभा के नेतृत्व में इसके संरक्षण के लिए एक आंदोलन को जन्म दिया। इसका एक महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रभाव पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप स्थानीय कार्यालयों में हिंदू महासभा के उम्मीदवार चुने गए। तब से मंदिर को साल में केवल एक बार नाग पंचमी पर पूजा के लिए खोला जाता है। 1965 में सांप्रदायिक तनाव को दूर करने के लिए, तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारका प्रसाद मिश्रा ने मुसलमानों के लिए यहां एक अलग ईदगाह की स्थापना की। विवाद फिर से शुरू होने के बाद हिंदू संगठनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 'बीजामंडल विजय मंदिर' को नियमित पूजा के लिए फिर से खोलने की अपील की है।

कलेक्टर बोले- सबकुछ विदिशा के नियमों के अनुसार होगा

वहीं कलेक्टर बुद्धेश वैश्य ने स्थानीय मीडिया को बताया कि सब कुछ एएसआई नियमों के अनुसार किया जाएगा। मुस्लिम प्रतिनिधियों ने विवाद पर मीडिया से बात करने से परहेज किया है, जबकि विदिशा के भाजपा विधायक मुकेश टंडन ने मंदिर के स्वामित्व को स्थापित करने के लिए एक सर्वेक्षण का प्रस्ताव दिया है। उनका मानना है कि इस सर्वेक्षण से मंदिर की स्थिति की पुष्टि होगी।

रेलवे पेपर लीक: सीबीआई ने 11 ठिकानों पर की छापेमारी

50-60 अभ्यर्थियों को पहले दिया गया था पेपर

लखनऊ, 9 अगस्त (एजेंसियां)। प्रयागराज रेलवे भर्ती बोर्ड की जनरल डिपार्टमेंट कंपटीटिव एग्जाम का पेपर लीक मामले में सीबीआई ने राजस्थान और यूपी में 11 ठिकानों पर छापा मारा है। सीबीआई की टीमों ने प्रयागराज, नोएडा, अलीगढ़, मथुरा, चित्रकूट व राजस्थान के जयपुर, भरतपुर, करौली, अलवर, सवाई माधोपुर में क साथ छापा मारकर दस्तावेज बरामद किए हैं।

रेलवे बोर्ड के उपनिदेशक विजिलेंस अनिल कुमार मीना की शिकायत पर सीबीआई लखनऊ, की एंटी करप्शन ब्रांच ने परीक्षा देने वाले और पेपर लीक कराने के बदले पैसा लेने वाले 11 रेलकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है, परीक्षा कराने वाली एजेंसी अपटेक लि। को भी आरोपी बनाया गया है। रेलवे ने शिकायत में अपनी विजिलेंस जांच रिपोर्ट का हवाला दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रयागराज के रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा 6 अगस्त 2021 को आयोजित डीजीसीई परीक्षा का पेपर लीक करके 50-60 अभ्यर्थियों को पढ़वाया गया था। ट्रैक मेंटेनर राजस्थान के भरतपुर के भूप सिंह, वेगराज, महावीर सिंह व प्रीतम सिंह, अलवर का जितेंद्र कुमार मीना, सवाई माधोपुर का प्रमोद कुमार मीना, टोंक का हंसराज मीना, अलीगढ़ का धर्म देव, करौली का प्रशांत कुमार मीना, जयपुर में उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य अभियंता कार्यालय का कार्यालय अधीक्षक मान सिंह। इसके अलावा नोएडा का पार्सल पोर्टर मोहित भाटी शामिल है।

बोल न पाने वाली 10 साल की मासूम से दरिंदों ने की हैवानियत, सोते हुए झोपड़ी से उठा ले गए थे

रतलाम, 9 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रतलाम में 10 साल की बच्ची के साथ दरिंदगी की खबर सामने आई है। बच्ची न तो बोल सकती है और न ही सुन सकती है। आरोपियों ने इस बाद का फायदा उठाकर बच्ची के घर से महज 50 मीटर की दूरी पर उसके साथ रेप किया।

बच्ची कराहती रही, हाथ पैर पटककर अपने आप को बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन दरिंदो के सामने तो वो महज 10 साल की मासूम बच्ची ही है। दरिंदों को न तो उसके आंखों ने निकलते आंसू दिखाई दिए और न ही उसकी तकलीफ, वो तो दरिंदगी की इस घटना को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। दरिंदगी की घटना के बाद कराहती हुई मासूम अपने मां और पिता के पास झोपड़ी में पहुंची और उसके साथ हुए इस घिनौने कारनामे की सारी आपबीती बताई। बच्ची की हालत खराब होने पर उसे अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया। यह घटना रतलाम की है। जावरा औधोगिक थाने की हुसैन टेकरी चौकी क्षेत्र में जावरा – उज्जैन बायपास के पास एक झोपड़ी है। झोपड़ी बच्ची अपने माता-पिता के साथ सो रही थी।

10 साल की मासूम कुछ भी बोल नहीं सकती है। वहीं झोपड़ी के पास कुछ लोग आए और बच्ची को देर रात 3 बजे उठाकर झोपड़ी से कुछ दूर ले जाकर रेप किया। ये दूरी महज 50 मीटर की थी। बच्ची की हालत देखकर बच्ची के घरवालों ने आरोपियों के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। बच्ची का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। पुलिस डॉग स्क्वायड की मदद से आरोपियों की तलाश कर रही है। पुलिस ने परिवारवालों को आश्वासन दिया है कि वो जल्द से जल्द आरोपियों को खोज निकालेगी। पीड़ित बच्ची के माता-पिता जड़ बूटी बेचने का काम करते हैं। इस काम के कारण उनके रहने की जगह बदलती रहती है। झोपड़ी बनाकर वो एक स्थान से दूसरे स्थान पर रहा करते हैं। बच्ची के घरवालों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जगरांव में हादसा: नशे में धुत ड्राइवर ने बच्चों से भरी स्कूल बस दीवार में भिड़ाई ग्रामीणों ने की पिटाई

जगरांव, 9 अगस्त (एजेंसियां)। जगरांव में शुक्रवार को एक निजी स्कूल बस के ड्राइवर ने शराब के नशे में स्कूल बस को दीवार में टकरा दिया। इस हादसे में बच्चे बाल-बाल बच गए वहीं गांव के लोगों ने बस ड्राइवर को पकड़ कर पीट दिया। ड्राइवर शराब के नशे में पूरी तरह से धुत था। ड्राइवर ने बताया कि उसने रात को शराब पी थी, इस दौरान कुछ शराब बच गई तो उसने सुबह उठते ही पी ली। इसके बाद वह अलग-अलग चार गांवों से 15-16 बच्चे लेकर गांव बुचकर पहुंचा। वहां पर नशा ज्यादा होने के कारण बस अनियंत्रित होकर सीधे एक घर की दीवार से जाकर टकरा गई।

तसलीमा नसरीन ने बुद्धदेव भट्टाचार्य को लेकर जताया आक्रोश, कहा- मैं उनसे ज्यादा खांटी वामपंथी

कोलकाता, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन ने पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन पर एक भावुक और आक्रोशपूर्ण टिप्पणी की है। तसलीमा ने सोशल मीडिया पर बुद्धदेव भट्टाचार्य के साथ अपने पुराने संबंधों को याद करते हुए कहा कि 2002 तक उनके साथ गहरा संबंध था, लेकिन उसके बाद चीजें बदल गईं। तसलीमा ने कहा, 2003 से पहले अगर मैंने बुद्धदेव भट्टाचार्य की मौत की खबर सुनी होती तो मैं जरूर रो पड़ती। लेकिन उनके जीते जी उन्होंने मुझे इतना आहत किया कि अब मेरे आंसू सूख चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह खुद को बुद्धदेव से ज्यादा खांटी वामपंथी मानती हैं क्योंकि वह नास्तिक, नारीवादी और धर्मनिरपेक्षता की प्रबल समर्थक हैं। 2003 में तसलीमा की किताब द्विखंडित पर पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध को लेकर उन्होंने बुद्धदेव भट्टाचार्य की कड़ी आलोचना की। तसलीमा का दावा है कि उनके इस कदम से बुद्धदेव के साथ उनका संबंध बिगड़ गया। उन्होंने आरोप लगाया कि बुद्धदेव भट्टाचार्य ने इस्लामिक समुदाय की नाराजगी से बचने के लिए उनकी किताब पर प्रतिबंध लगाया, जो एक वामपंथी नेता के लिए उचित नहीं था। तसलीमा ने यह भी आरोप लगाया कि 2007 में बुद्धदेव भट्टाचार्य ने उन्हें कोलकाता छोड़ने के लिए मजबूर किया था। उन्होंने कहा, मुझे साढ़े चार महीने तक नजरबंद रखा गया ताकि मैं हताश होकर देश छोड़ दूं, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया। आखिरकार, एक कुरूप नाटक करके मुझे बाहर कर दिया गया। तसलीमा नसरीन की यह टिप्पणी बुद्धदेव भट्टाचार्य के प्रति उनकी गहरी नाराजगी को दर्शाती है, जो भट्टाचार्य के जीवन के अंतिम समय तक कायम रही। हालांकि उन्होंने अंत में लिखा, कमरेड, लाल सलाम।

पांच साल की मासूम पर 5वीं मंजिल से गिरा था कुत्ता, अब मालिक पर हुआ ये एक्शन

ठाणे, 9 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे के एक भीड़भाड़ भरे मार्केट से हैरान करने वाली घटना सामने आई थी जब एक पांच साल की बच्ची के ऊपर एक कुत्ता पांचवीं मंजिल से गिर गया था। बच्ची कुत्ते का भार झेल नहीं पाई और उसकी मौत हो गई। अब इस घटना में मुंब्रा पुलिस ने कुत्ते के मालिक को गिरफ्तार कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक बच्ची की पहचान सना शेख के रूप में हुई है। जबकि कुत्ते के मालिक का नाम ज़हीर सैयद (24) है। पुलिस अधिकारी अनिल शिंदे ने बताया कि बच्ची के परिजनों की शिकायत पर जहीर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। जहीर पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 और 291 के तहत केस दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि हमने घटना पर कानूनी समीक्षा की है। सैयद पर आरोप है क्योंकि कुत्ता उसकी कस्टडी में था और लापरवाही के कारण बच्ची की जान चली गई। यह घटना मंगलवार शाम 4 ।30 बजे हुई थी। सना और उसकी मां मुंब्रा के चिराग मैनसन के ए-विंग से बाहर निकले थे। वे दुकान पर डायपर का पैकेट बदलने के लिए बाहर आए थे तभी कुत्ता मैनसन के बी-विंग से सना के ऊपर कूदा जिसमें उसे गंभीर चोट आई। घटना का वीडियो भी सामने आया था जो कि सीसीटीवी से निकाला गया है। समें देखा जा सकता है कि अचानक कुत्ता सना के ऊपर कूदता और सना गिर जाती है और कुत्ते के नीचे दब जाती है। सना को गोद में उठाकर मां जल्दी-जल्दी अस्पताल की ओर भागती है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चला है कि उसके सिर से अत्यधिक खून निकलने के कारण उसकी मौत हो गई। अब पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि कुत्ता पांचवीं मंजिल से क्यों कूदा। इस बात की भी जांच की जा रही है कि जहीर के पास पालतू कुत्ता रखने का लाइसेंस था या नहीं।

' भारत के लिए खतरे से ज्यादा उपद्रव है पाकिस्तान' भाजपा नेता शौर्य डोभाल ने क्यों कही ये बात ?

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा नेता और इंडिया फाउंडेशन के संस्थापक शौर्य डोभाल ने कहा कि पाकिस्तान अब सामरिक खतरे से अधिक एक उपद्रवी बन गया है, क्योंकि भारत ने अपने पड़ोसी देश पर बढ़त हासिल कर ली है। उन्होंने कहा कि भारत का मुख्य लाभ इसकी आर्थिक वृद्धि है, लेकिन उन्होंने इस वृद्धि को समर्थन देने तथा रणनीतिक बढ़त हासिल करने के लिए पाकिस्तान और चीन सहित अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों को प्रबंधित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। यहां एजेंसी के मुख्यालय में पीटीआई संपादकों के साथ बातचीत में डोभाल ने साइबर आतंकवाद से लड़ने के लिए निजी खिलाड़ियों को शामिल करने का भी समर्थन किया और उन्होंने पूरी तरह कानूनी और सैन्य उपायों पर निर्भर रहने के बजाय व्यापक सामाजिक प्रतिक्रिया का आह्वान किया।

अब पाकिस्तान हमारे लिए रणनीतिक खतरा नहीं

उन्होंने कहा, पाकिस्तान के साथ हमारे संबंधों में विभिन्न बिंदु आ गए हैं और हालांकि वे अभी भी चुनौतियां पेश करते हैं, लेकिन अब वे कोई गंभीर खतरा नहीं हैं।।। पाकिस्तान अब हमारे

लिए परेशानी का सबब बन गया है, लेकिन अब वह हमारे लिए कोई रणनीतिक खतरा नहीं है। इसलिए, यह एक स्थिति है जिसका समाधान हो गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत के पूर्वी मोर्चे पर भी ऐसी ही स्थिति है, साथ ही उन्होंने आगाह किया कि भारत का उत्तरी पड़ोसी अपनी सैन्य क्षमताओं और इरादों के कारण एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत की यूएसपी इस समय आर्थिक वृद्धि है।।। हमें अपने पड़ोस का प्रबंधन इस प्रकार करना होगा कि हमें अपने आर्थिक लक्ष्य तक पहुंचने के लिए स्थान और समय मिलता रहे और हमें अपने पड़ोसियों के मुकाबले रणनीतिक लाभ मिल सके। डोभाल ने कहा, यदि हमारा उत्तरी पड़ोसी वैश्विक मंच पर अपना दबदबा बनाने की आकांक्षा रखता है, तो वे भारत को उसकी वर्तमान स्थिति तक ही सीमित देखना पसंद करेंगे। इंडिया फाउंडेशन के संस्थापक ने कहा, यदि वे हमारे क्षेत्र में अपनी उपस्थिति स्थापित करने में विफल रहते हैं, तो उनकी वैश्विक महत्वाकांक्षाओं में बाधा आ सकती है। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि आर्थिक विकास भारत की प्राथमिक ताकत है, उन्होंने कहा, हमें आर्थिक प्रगति के लिए जगह बनाने और रणनीतिक लाभ हासिल करने के लिए अपने पड़ोस का प्रबंधन करना चाहिए। उन्होंने भारत और उसके पड़ोसियों के बीच व्यापार, प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे सहित आर्थिक अंतर को पाटने के लिए केंद्रित प्रयास पर जोर दिया और कहा कि भारत इस दिशा में प्रगति कर रहा है। आतंकवाद के खिलाफ़ कार्रवाई के बारे में डोभाल ने कहा कि इसे सिर्फ एक राज्य की प्रतिक्रिया के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, आतंकवाद समाज के विभिन्न क्षेत्रों में, स्कूलों से लेकर अस्पतालों तक, घुसपैठ कर सकता है और इसके लिए हमारे देश को तैयार करने और उसकी रक्षा करने के लिए सामूहिक प्रयास की ज़रूरत है।

ट्रक ने मारी ऐसी टक्कर, गर्भवती महिला की वहीं हो गई डिलीवरी, फिर चंद मिनटों मौत हो गई।

बेंगलुरु, 9 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेंगलुरु में एक दर्दनाक सड़क हादसे हुआ। यहां नेलमंगला क्षेत्र में एक तेज रफ्तार ट्रक ने एक आठ माह की गर्भवती महिला को कुचल दिया। इस हादसे के दौरान महिला ने सड़क पर ही एक बच्ची को जन्म दे दिया। लेकिन दुर्भाग्यवश नवजात और उसकी मां दोनों की ही कुछ ही मिनट में मौत हो गई। यह घटना राष्ट्रीय राजमार्ग 4 पर येदेहल्ली के पास हुई। मृतक महिला की पहचान सिनचना (30) के रूप में की गई है। वह अपने पति के साथ स्कूटर पर यात्रा कर रही थी। उसका पति एक निजी कंपनी में काम करता है। घटना के दिन पति-पत्नी शिवगंज स्थित एक मंदिर से दर्शन करके घर लौट रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जब वे राष्ट्रीय राजमार्ग पर थे तो एक सरकारी बस ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिसके कारण सिनचना के पति को स्कूटर रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस दौरान पीछे से एक बालू लदा ट्रक तेजी से आ रहा था। ट्रक ने उनकी स्कूटर में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों गिर पड़े। महिला सड़क पर गिर गई और ट्रक के पहिए के नीचे आ गई। इस खतरनाक दुर्घटना के तुरमृतका सिनचना (फाइल फोटो)त बाद, सिनचाना ने सड़क पर ही एक बच्ची को जन्म दिया। हालांकि, अत्यधिक चोटों और परिस्थितियों के कारण बच्ची का जन्म होते ही निधन हो गया। महिला की भी घटना के कुछ मिनट बाद मौत हो गई।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 10 अगस्त- 2024

यूनुस की प्राथमिकता में भारत

नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस ने गुरुवार को बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के मुखिया के तौर पर शपथ ग्रहण कर लिया। इसके साथ ही शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद व देश छोड़ने को मजबूर होने के बाद बांग्लादेश में नई सरकार बन गई। इसके साथ ही वहां पर नेतृत्वहीनता जैसी स्थिति भी अब नहीं रही। जिस पर वहां अभी भी उथलपुथल और हिंसा का दौर जारी है उससे निपट पाना उनके लिए एक चुनौती बनी रहने वाली है। संभव है कि अपनी उदार छवि की वजह से वे इस मुश्किल दौर से देश को निकार कर वहां शांति व्यवस्था और सामान्य स्थिति कायम करने सफल भी हो जाएं। बता दें कि मोहम्मद यूनुस दुनिया के 32वें नोबेल पुरस्कार विजेता हैं, जिन पर किसी देश को नेतृत्व देने की जिम्मेदारी आन पड़ी है। यह बांग्लादेश के लोगों के बीच उनकी विश्वसनीयता का सबूत है कि जो लोग छात्र आंदोलन का नेतृत्व कर रहे थे, उनकी ओर से उनका नाम इस जिम्मेदारी के लिए सुझाया गया। संभव है कि इसके पीछे की मंशा लोगों की यही रही हो कि वह लंबे समय से हसीना सरकार के निशाने पर रहे हैं। यूनुस सरकारी यातनाओं को झेलने के बाद भी गरीबों को छोटे-छोटे लोन देकर उन्हें गरीबी से निकालने का काम करते रहे। उनका यह आइडिया न केवल बांग्लादेश में कारगर रहा बल्कि उसकी तर्ज पर ग्रामीण बैंक का प्रयोग करीब 100 अन्य देशों में भी वही आइडिया अपनाया गया, जो काफी हद तक सफल भी रहा। इसमें दो राय नहीं कि व्यक्तिगत तौर पर मोहम्मद यूनुस उदार और आधुनिक विचारों वाले व्यक्ति हैं। इसलिए उनकी प्राथमिकता विकास की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की ही रहेगी। लेकिन असल सवाल यह है कि अंतरिम सरकार के मुखिया के तौर पर उनके हाथों में कितनी ताकत रहती है। आखिर उन्हें सेना, राष्ट्रपति और जमात और बीएनपी जैसी राजनीतिक ताकतें काम में अडचनें पैदा नहीं करेंगी इसकी क्या गारंटी है? इन लोगों द्वारा डाले जा रहे दबावों को वे किस हद तक झेलने में सक्षम रहते हैं, इस पर भी काफी कुछ निर्भर रहेगा। हसीना सरकार के खिलाफ चल रहे छात्र आंदोलन को आखिरी पलों में जिस प्रकार भारत विरोधी और सांप्रदायिक रूप देने की कोशिश की गई, उससे साफ है कि वहां भारत विरोधी और कट्टरपंथी ताकतें मौके की ताक में बैठी हैं। यूनुस के अनुभव को देखते हुए समझा जा सकता है कि वे इन बातों में उलजने वाले नेता नहीं हैं। उन्होंने नई जिम्मेदारी की पेशकश स्वीकारने के बाद यह साफ कर दिया कि भारत से रिश्ते सुधारने के कई मौके मिलेंगे और यह उनकी प्राथमिकता में है। भारत भी हर मौके पर यह साफ करता रहा है कि बांग्लादेश के आंतरिक मामलों से सम्मानजनक दूरी बनाए रखते हुए भी वह न केवल उसके साथ विशिष्ट और करीबी रिश्ता कायम रखना चाहता है बल्कि विकास की उसकी यात्रा में योगदान भी जारी रखना चाहता है। बहरहाल, यूनुस की अंतरिम सरकार एक तात्कालिक व्यवस्था ही है जिसका उद्देश्य देश में सामान्य स्थिति कायम करके जल्द से जल्द एक एक निर्वाचित सरकार के हाथों में सत्ता सौंपना है। ऐसे में देखना होगा कि अगले कुछ दिनों और महीनों में वहां किस तरह का माहौल बनता है और लोकतांत्रिक शक्तियां मौजूदा चुनौतियों का सामना करने में कितना सक्षम सिद्ध होंगी।

बांग्लादेश में हिंसा होती रही तो हिन्दुओं का क्या होगा ?

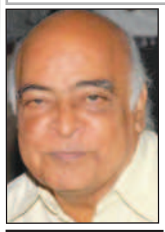

अशोक भाटिया

मुस्लिम बहुल देशों में हिन्दू हमेशा ही मुस्लिम धर्म के लोगों के निशाने पर रहा है। ऐसे में बांग्लादेश में बिगड़े हालात के बीच वहं रह रहे 1 करोड़ 30 लाख हिंदू मु स्लि म प्रदर्शनकारियों के निशाने पर आ गए हैं। तख्तापलट के बाद वहां हिंदुओं के खिलाफ अपराध के मामले बढ़े हैं जिससे उनका भविष्य खतरे में नजर आ रहा है। ऐसे में बड़ा सवाल है कि, इस हालात में क्या होगा हिंदुओं का भविष्य ? हालांकि, यह कोई पहला हिंसा नहीं जिसमें हिन्दुओं को निशाना बनाया गया है बल्कि बांग्लादेश में हिन्दू हमेशा से ही कट्टरपंथियों के निशाने पर रहा है। साथ ही जमात-ए-इस्लामी पार्टी के कई नेताओं पर हिंदुओं से दुर्व्यवहार करने का आरोप है। अब यही पार्टी नई बांग्लादेशी सरकार में शामिल होगी, ऐसे में हिंदू समुदाय का भविष्य बड़ा सवाल है ? हाल ही में सर्वदलीय बैठक के दौरान बांग्लादेश की हिंसा पर बोलते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बांग्लादेश में हिन्दू समुदाय की घटती आबादी के आंकड़ों का जिक्र करते हुए चौंका देने वाला खुलासा किया । इसमें उन्होंने बताया था कि, "वहां हिंदू अल्पसंख्यंकों को निशाना बनाया जा रहा है। हिंदुओं की आबादी बांग्लादेश में लगातार घटती रही है। पूर्वी बंगाल (पूर्वी पाकिस्तान) के लिए 1951 में की गई आधिकारिक जनगणना के अनुसार, यहां कुल आबादी में हिंदू 22 प्रतिशत थे। 1991 में यह आबादी घटकर 15 प्रतिशत रह गई थी। साल 2011 की जनगणना में यह संख्या सिर्फ 8.5 प्रतिशत रह गई। वहीं, मुस्लिम आबादी यहां लगातार बढ़ रही है। 1951 में मुस्लिमों की संख्या् कुल जनसंख्याा का 76 प्रतिशत थी जो अब बढ़कर 91 फीसदी हो गई है। इसके बावजूद हिंदू, बांग्लादेश में सबसे बड़ा धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय है। हिंदुओं पर लंबे समय से बांग्लादेश में अत्याचार होता रहा है। बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ अत्याचार की ऐसी-ऐसी घटनाएं हुई हैं जिन्हें सुनकर किसी की भी रूह कांप जाना लाजमी है। इसमें मुस्लिम समुदाय द्वारा हिंदू लड़कियों के रेप करने के कई मामले सामने आ चुके हैं। वहीं हिंदू अमेरिकन संस्था की रिपोर्ट के अनुसार, 1964 से 2013 के बीच एक करोड़ से अधिक हिंदूओं ने धार्मिक उत्पीड़न के कारण बांग्लादेश छोड़ दिया था। इस रिपोर्ट में चौंकाने वाली बात यह है कि बांग्लादेश से हर साल दो लाख से अधिक हिंदू भाग जाते हैं। वहीं, 2011 की जनगणना से पता चला कि 2000 से 2010 के बीच 10 लाख हिंदू बांग्लादेश से गायब हो गए हैं। वह कहां गए हैं, इसकी किसी को कोई खबर ही नहीं है। 5 अगस्त 2024 तक बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व में 'धर्मनिरपेक्ष 'अवामी लीग सरकार सत्ता में रही, जो पिछले 15 वर्षों से शासन कर रही है। फिर भी हिंदुओं का धार्मिक शोषण कम नहीं हुआ। अब आप सोच सकते हैं कि मौजूदा हालात में हिंदुओं के साथ होने वाले धार्मिक उत्पीड़न का स्तर कितना बढ़ जाएगा, जब शेख हसीना के बाहर होने और उनकी कट्टरपंथी पार्टियां मिलकर सरकार बनाने जा रही हैं। इसका ट्रेलर भी दिखने लगा है। बांग्लादेश की स्थिति लगातार खराब हो रही है, हिंदू लोग निशाना बनाए जा रहे हैं। हिंदू मंदिर और सांस्कृतिक केंद्र भी उपद्रवियों के निशाने पर है। बताया जाता है कि इस समय अभी तक पूरे देश में अराजकता का माहौल है। सड़कों, थानों से पुलिसवाले गायब हैं। मंगलवार की रात ढाका के कई इलाकों में दंगाइयों ने लूटपाट और आगज़नी की। सेना के एक मेजर जनरल को बर्खास्त कर दिया गया है। बड़ी बात ये है कि बांग्लादेश में राष्ट्रपति ने हिंसक प्रदर्शन के आरोप में गिरफ्तार किए गए दंगाईयों को भी रिहा करने के आदेश भी दे दिए हैं। प्रदर्शनकारियों की ये बड़ी मांग थी जिसे बांग्लादेश की सेना की सलाह पर राष्ट्रपति ने मान लिया, लेकिन इसके बाद भी हालात बिगड़ रहे हैं। विदेश मंत्री एस .जयशंकर के अनुसार भारत सरकार डिप्लोमैटिक चैनल्स के जरिए बांग्लादेश की सेना के साथ सम्पर्क में हैं, सेना से कहा गया है कि वो जल्दी हालात को काबू में करें और बांग्लादेश में मौजूद भारतीय नागरिकों और बांग्लादेशी हिन्दुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें। इस वक़्त बांग्लादेश में लगभग 19 हज़ार भारतीय नागरिक रह रहे हैं जिनमें से 9 हज़ार छात्र हैं। बांग्लादेश में रहने वाले ज़्यादातर भारतीय छात्र भारतीय उच्चायोग की सलाह पर जुलाई महीने में ही अपने देश लौट आए थे। ये बात सही है कि भारत की इस वक्त दो चिंताएं हैं। पहली ये है कि बांग्लादेश में मौजूद भारतीयों और वहां रहने वाले हिन्दुओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करना और दूसरी बात, बांग्लादेश से भारत आने वाले लोगों को रोकने की कोशिश करना, अपनी सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत करना। सरकार का फोकस अभी इस बात पर नहीं है कि बांग्लादेश में जो हुआ ,उसके पीछे कौन है। सरकार को चिंता बांग्लादेश में रहने वाले हिन्दुओं की सुरक्षा की है क्योंकि वहां हिंदुओं पर हमले शुरू हो गए हैं। पिछले 24 घंटों में बांग्लादेश के 39 ज़िलों से हिंदुओं के घरों, दुकानों, मंदिरों पर हमले किए गए, तोड़फोड़ करने और लूट-पाट के साथ आग लगाने की खबरें आई हैं।पुलिस हिंदुओं पर हमले करने वालों को रोक पाने में नाकाम रही है। खुलना डिविज़न के मेहरपुर क़स्बे में दंगाइयों ने इस्कॉन मंदिर को निशाना बनाया। भले ही कट्टरपंथियों के हमलों की वजह से एक करोड़ से ज्यादा हिंदू बांग्लादेश से भागकर भारत आ चुके है । अब एक बार फिर से ऐसा ही ख़तरा मंडरा रहा है। बांग्लादेश में बरीशाल डिवीज़न के फिरोज़पुर ज़िले में दंगाइयों ने हिंदू बस्ती पर हमला किया, हिन्दुओं के घरों पर पथराव हुआ, लूटपाट हुई और फिर कई घरों को आग के हवाले कर दिया गया। लोग जान बचाने के लिए अपने घर छोड़कर भागे। इसी तरह के तमाम वीडियो बांग्लादेश से आ रहे हैं। इसीलिए हिन्दुओं की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही है। योग गुरू स्वामी रामदेव ने कहा कि बांग्लादेश में जिस तरह हिंदुओं के मंदिरों और घरों को निशाना बनाया जा रहा है, उसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय को गंभीरता से लेना चाहिए। स्वामी रामदेव ने कहा कि भारत को पूरी ताकत से बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे ज़ुल्म का विरोध करना चाहिए, उनकी हिफ़ाज़त के लिए ज़रूरी क़दम उठाने चाहिए। आर एस एस की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य भैयाजी जोशी ने भी सरकार से अपील की है कि वो बांग्लादेश में हिंदुओं की हिफ़ाज़त के लिए ज़रूरी क़दम उठाए। भैयाजी जोशी ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले की जो ख़बरें आ रही हैं, वो चिंताजनक हैं। उन्हें उम्मीद है कि सरकार हिंदुओं की रक्षा के लिए क़दम ज़रूर उठाएगी। संघ की चिंता जायज़ है। स्वामी रामदेव की बात सही है कि बांग्लादेश में जो हालात है, उससे सतर्क रहने की जरूरत है। सबको एक साथ मिलकर बांग्लादेश के हिन्दुओं के लिए खड़े होने की जरूरत है क्योंकि बांग्लादेश में इस वक्त कानून और व्यवस्था पूरी तरह ठप हो चुकी है। विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि बांग्लादेश में जिस तरह हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उससे ऐसा लगता है कि इसके पीछे पाकिस्तान की ISI हो सकती है। आलोक कुमार ने कहा कि भारत सरकार, बांग्लादेश में हिंदुओं की हिफ़ाज़त के लिए हर मुमकिन क़दम उठाए। बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र शास्त्री ने भी भारत सरकार से अपील की है कि वो बांग्लादेश के प्रताड़ित हिंदुओं की रक्षा के लिए ज़रूरी क़दम उठाए और जो हिन्दू बांग्लादेश से भारत आना चाहते हैं, हमारी सरकार उनके लिए दरवाजे खोल दे। बांग्लादेश में इस वक्त हिन्दू खौफ के साये में जी रहे हैं।

कांवड़ यात्रा में गुल हुए सैकड़ों परिवारों के चिराग !

मनोज कुमार अग्रवाल

आस्था और श्रद्धा पर उद्दण्डता शरारत उन्माद हावी हो रहा है करोड़ों कावंडियो की भीड़ का दबाव बढ़ने से फैली अव्यवस्था प्रशासनिक बदइंतजामी कावंडियो की जान पर भारी पड़ रही है। बड़े बड़े डीजे फूहड़ गाने भौंडे नृत्य और उग्र व्यवहार कांवड़ की पवित्रता को कलंकित कर रहे हैं। विभिन्न समाचार स्रोत का मोटा मोटा विश्लेषण बताता है कि कांवड़ यात्रा के दौरान दो सौ से अधिक जान जा चुकी हैं इनमे से ज्यादातर मौत सड़क दुर्घटना और अधिक ऊंचाई वाले डीजे वाहनों में बिजली करंट प्रवाहित होने के कारण हुई हैं। दिल दहला देने वाली सबसे ज्यादा हृदय विदारक दुर्घटना 5 अगस्त तड़के बिहार के वैशाली जिले में हाई वोल्टेज बिजली तार की चपेट में आने से 9 कांवड़ियों की मौत हो गई। ये सभी एक वाहन पर सवार होकर हरिहरनाथ मंदिर जलाभिषेक करने जा रहे थे। वहीं दूसरा हादसा भी बिहार के कटिहार में हुआ है. कटिहार में सोमवार 05 अगस्त तड़के दो बाइक के बीच हुई टक्कर में चार कांवड़ियों की मौत हो गई. बताया जा रहा है कि सुबह करीब 3 बजे मनिहारी थाना क्षेत्र के कुमारीपुर के पास यह घटना हुई है। 5 अगस्त को ही सीतापुर जिले के महमूदाबाद थाना क्षेत्र में चार कांवड़ियों को जयरामपुर गांव में एक वाहन ने रौंद दिया. हादसे में घायल कांवड़िया नेहा (17) को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, वहीं तीन अन्य अरुण (14), रजनी (22) व सजनी (16) की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है। 5 अगस्त बिहार के सीतामढ़ी में सोमवार की सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ जब 25 कांवड़ियों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली नहर में पलट गई। इस दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई और अन्य सभी घायल हो गए।

2 अगस्त लखीमपुर खीरी जिले में बृहस्पतिवार रात से शुक्रवार दोपहर तक अलग-अलग हादसों में चार कांवड़ियों की मौत हो गई। मरने वालों में दो सगे भाई थे। ये दोनों जल भरने के दौरान घाघरा नदी में डूब गए थे। अन्य दो कांवड़ियों की मौत अलग अलग सड़क हादसों में हुई है। 1 अगस्त मुजफ्फरनगर कांवड़ मार्ग पर हादसों, हीट स्ट्रोक और बुखार से अलग-अलग जगह छह कांवड़ियों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। 30 जुलाई की रिपोर्ट के अनुसार यूपी में मेरठ सहित कई जिलों में सोमवार और मंगलवार को 17 कांवड़ियों की मौत हो गई। इस दौरान कई जगह नाराज कांवड़ियों ने जमकर बवाल भी काटा। 30 जुलाई को सहारनपुर के सरसावा थाना क्षेत्र के रुड़की पंचकुला नेशनल हाईवे की नीचे करंट लगने से दो कावड़ियों की मौत हो गई। दोनों कांवड़िये ट्रैक्टर पर सवार होकर हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने गांव लौट रहे थे। 5 अगस्त गजरौला जेपीनगर में दिल्ली-लखनऊ मार्ग पर शिव भक्तों की दो बाइकें आपस मे टकरा गई।इस हादसे में दो शिवभक्तों की मौके पर मौत हो गई। जबकि तीन घायल हो गए। 4 अगस्त मुरादाबाद में हाईवे पर कार की टक्कर से स्कूटी सवार दंपति की मौत हो गई। जबकि उनकी 12 वर्षीय बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई।नोएडा 3 अगस्त दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार दोपहर को बाइक अनियंत्रित होकर गिरने से दिल्ली के दो कांवडियों की मौत हो गई। दोनों हरिद्वार से जल लेकर दिल्ली की ओर जा रहे थे।, मृतकों की पहचान दिल्ली दिलशाद कॉलोनी के 22 वर्षीय शुभम पांडेय व 24 वर्षीय राहुल दुबे के रूप में हुई।

जमीन कब्जाने वालों पर शिकंजा कसने की तैयारी

संजय सक्सेना

वक्फ और वक्फ की संपत्तियों को लेकर हिंदुस्तान में अक्सर सही-गलत चर्चा होती रहती है। हममें से अधिकांश लोगों ने वक्फ का नाम तो सुना है, लेकिन वह इसके बारे में बहुत कुछ जानते नहीं हैं। वक्फ होता क्या है। किसी मस्जिद या दूसरे धर्मस्थल के वक्फ होने का मतलब क्या है? और क्या मोदी सरकार द्वारा वक्फ बोर्ड के संविधान में तब्दीली की कोशिशों का असर मुस्लिम धर्मस्थलों के स्टेटस पर पड़ सकता है? चूंकि भारत में रेलवे और रक्षा मंत्रालय के बाद सबसे बड़ा भूस्वामी वक्फ बोर्ड ही है। इसलिए हम इन सारे सवालों का जवाब जानने की कोशिश करेंगे। सबसे पहले यह जान लेना जरूरी है कि भारत में इस्लाम की आमद के साथ वक्फ के उदाहरण मिलने लगे थे। दिल्ली सल्तनत के वक्त से वक्फ संपत्तियों का लिखित जिक्र मिलने लगता है। मुगल शासन काल में क्योंकि ज्यादातर संपत्ति राजा महाराजाओं के पास ही होती थी, इसीलिए प्रायः वही वाकिफ होते, और वक्फ कायम करते जाते। जैसे कई बादशाहों ने मस्जिदें बनवाईं, वो सारी वक्फ हुईं और उनके प्रबंधन के लिए स्थानीय स्तर पर ही इंतजामिया कमेटियां बनती रहीं। इसके पश्चात 1947 में आजादी के बाद पूरे देश में पसरी वक्फ संपत्तियों के लिए एक स्ट्रक्चर बनाने की बात उठने लगी। इस तरह 1954 में संसद ने वक्फ एक्ट 1954 पास किया। इसी के नतीजे में वक्फ बोर्ड बना। ये एक ट्रस्ट था, जिसके तहत सारी वक्फ संपत्तियां आ गईं। 1955 में यानी कानून लागू होने के एक साल बाद, इस कानून में संशोधन कर राज्यों के लेवल पर वक्फ बोर्ड बनाने का प्रावधान किया गया। इसके बाद साल 1995 में नया वक्फ बोर्ड एक्ट आया। 2013 में मनमोहन सरकार के समय इसमें कई संशोधन करके इसे पूरी तरह से तानाशाही रूप दे दिया गया। फिलहाल जो व्यवस्था है, वो इन्हीं कानूनों और संशोधनों के तहत चल रही है,इसमें सबसे खतरनाक संशोधन यह था कि वक्फ बोर्ड जिस किसी सम्पति को अपना बता दे तो फिर वह उसकी बिना किसी जांच पड़ताल के हो जाती है और जिसकी सम्पति छीनी जाती है,वह कोर्ट या पुलिस के पास भी अपनी फरियाद लेकर नहीं जा सकता है। प्रायः मुस्लिम धर्मस्थल वक्फ बोर्ड एक्ट के तहत ही आते हैं. लेकिन इसके अपवाद भी हैं। जैसे ये कानून अजमेर शरीफ दरगाह पर लागू नहीं होता। इस दरगाह के प्रबंधन के लिए दरगाह ख्वाजा साहिब एक्ट 1955 बना हुआ है.वक्फ बोर्ड को मिली असीमित शक्तियों पर अंकुश लगाने और बेहतर प्रबंधन व पारदर्शिता के लिए मोदी सरकार ने आठ अगस्त 2024 को लोकसभा में दो विधेयक पेश किये। पहले विधेयक के जरिये सरकार मुसलमान वक्फ अधिनियम 1923 को समाप्त करने को कटिबद्ध लगती है, जबकि दूसरे से मुसलमान वक्फ अधिनियम 1995 में 44 संशोधन किए जाएंगे। सरकार इस विधेयक में बोहरा-आगाखानी के लिए अलग वक्फ बोर्ड का प्रावधान करेगी और किसी की संपत्ति को वक्फ की संपत्ति घोषित करने के अधिकार से संबंधित धारा 40 को समाप्त कर देगी। मोदी सरकार ने वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक संसद में पेश करने से एक दिन पहले कहा कि विधेयक लाने का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों का बेहतर प्रबंधन और संचालन करना है। विधेयक पेश किए जाने के बाद सरकार ने इसे व्यापक विमर्श और सर्वसम्मति के लिए प्रवर समिति को भेज दिया है। दूसरे विधेयक में वक्फ अधिनियम 1995 का नाम बदलकर एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता विकास अधिनियम करने का प्रावधान है। इसमें वक्फ बोर्डों के केंद्रीय परिषद और ट्रिब्यूनल की संरचना में व्यापक बदलाव लाने का भी प्रावधान है। मसलन केंद्रीय परिषद और राज्य वक्फ बोर्ड में दो महिलाओं का प्रतिनिधित्व अनिवार्य बनाया जाएगा। इसके अलावा कानून में संशोधन के बाद अब वक्फ ट्रिब्यूनल के आदेश को 90 दिन के अंदर हाईकोर्ट में चुनौती दी जा सकेगी। वक्फ संपत्तियों के सर्वेक्षण के लिए सर्वे कमिश्नर का अधिकार अब जिला कलेक्टर या उसके की ओर से नामित डिप्टी कलेक्टर के पास होगा। विधेयक की खास बातों पर नजर डाली जाए तो मोदी सरकार वक्फ अधिनियम, 1923 को वापस लेगी। पारदर्शिता, बेहतर प्रबंधन और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए 44 संशोधन किये जायेंगे। जिसके द्वारा आगाखानी व बोहरा वक्फ को परिभाषित किया जाएगा। पांच साल तक मुस्लिम धर्म का पालन करने वालों की संपत्ति वक्फ हासिल कर सकेगा। वक्फ के धन से विधवा, तलाकशुदा व अनाथों के कल्याण के लिए सरकार के सुझाए तरीके से काम करने होंगे। संपत्ति वक्फ को देने के दौरान उत्तराधिकारियों और महिलाओं के अधिकार नहीं छीने जा सकेंगे। वहीं रजिस्टर्ड वक्फ संपत्तियों को 6 माह में पोर्टल पर डालना होगा। वक्फ संपत्तियों से मिलने वाले भू राजस्व, सेस, उसका रेट, कर, आय, कोर्ट मामले की जानकारी भी बतानी होगी।सरकारी संपत्ति को वक्फ अपनी संपत्ति घोषित नहीं कर पाएगा वक्फ बोर्ड में जो बदलाव होंगे उसके अनुसार मुसलमान वक्फ कानून 1923 खत्म होगा। वक्फ अधिनियम होगा एकीकृत वक्फ प्रबंधन कानून, धारा 40 होगी खत्म, जिससे किसी की संपत्ति को वक्फ की संपत्ति घोषित करने का अधिकार मिल जाता है। दरअसल, केंद्र की मोदी सरकार यूपीए-2 में मनमोहन सिंह सरकार ने 2013 में वक्फ अधिनियम में संशोधन कर वक्फ बोर्ड को किसी की भी संपत्ति को अपनी संपत्ति घोषित करने और वक्फ बोर्ड के निर्णयों को किसी भी कोर्ट में चुनौती देने का अधिकार खत्म करने जैसे बदलाव किए गए थे। सरकारी सूत्रों के अनुसार तब से मुस्लिम समाज से जुड़े व्यक्तियों व संगठनों की करीब 60 हजार शिकायतें सरकार के पास लंबित हैं। इन सभी शिकायतों में वक्फ बोर्ड में भारी अनियमितता व जबरन संपत्ति पर कब्जा जैसी समान बातें थीं। संशोधन विधेयक में वक्फ परिषद में भी बदलाव का प्रावधान है। मसलन परिषद के अध्यक्ष अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री होंगे।तीन सांसद, मुसलमानों के तीन प्रतिनिधि, मुस्लिम कानून के तीन जानकार, सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के दो पूर्व जज, एक वरिष्ठ वकील, देश की चार नामचीन हस्तियां व केंद्र सरकार के अतिरिक्त या संयुक्त स्तर के अधिकारी व दो महिलाएं इसकी सदस्य होंगी। उधर, विपक्षी दलों ने बिल पेश होने से पहले ही सरकार से आग्रह किया कि वक्फ (संशोधन) विधेयक को पेश किये जाने के बाद इस पर विचार करने के लिए संसद की स्थायी समिति को भेजा जाए। वहीं सरकार ने कहा कि कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की भावना का आकलन करने के बाद वह इस पर फैसला करेगी। इसी क्रम में मोदी सरकार ने बहुचर्चित वक्फ अधिनियम में संशोधन वाला विधेयक लोकसभा में पेश करने के बाद विपक्ष की मांग पर ध्यान देते हुए उसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का जो फैसला लिया, वह इस दृष्टि से सही कदम है, क्योंकि इस समिति में उस पर विस्तार से और संभवतः दलगत राजनीति से ऊपर उठकर विचार हो सकेगा।

स्टार बनने की चाह में मैडल के लिए तरसते हम

प्रियंका सौरभ

ओलिंपिक 2024 में सभी देशों को टक्कर देता इकलौता विश्व विजेता देश जापान आज हम सभी के लिए ज्योतिपुंज है। 14 साल का जापानी युवा गोल्ड मेडल ला रहा है और हम, 140 करोड़ आबादी का देश एक मैडल पर राजनीति श्रेय लेने की होड़ में वाह -वाही कर रहे हैं। हर खिलाड़ी की व्यक्तिगत जीत देश के लिए न्यौछावर है लेकिन हम कहाँ हैं ये जानना ज़रूरी है मैडल लिस्ट में। जहां कॉलेज और स्कूल स्टूडेंट्स ओलंपिक मैडल ले आते हैं उनको बचपन से फोकस, ज़िम्मेवारी और निपुणता कैसे लानी है सिखाया जाता है। आज तक के हर ओलंपिक की यह तस्वीर आप खुद देखिए अब आगे क्या कहूं? एक-एक मेडल के लिए तरसते इस देश में जब हमारे स्टार खिलाड़ी सब कुछ मिलने के बाद राजनीति का स्वाद भी लेना चाहते हैं तो मन खट्टा हो ही जाता है। देश की हालात देखिये ओलिंपिक में मेडल के लिए तरसते है और कोई एक मेडल जीत जाए तो राजनीतिक लाभ लेने के लिए पैसो की बारीश कर देते है लेकिन जो खिलाडी अभ्यास कर रहे होते है उनके लिए कोई सुविधा उपलब्ध नहीं कराते। भारत जैसा देश शायद ही कोई दूसरा होगा। इन्ही कारण से आज देश के सफल लोग देश छोड़े जा रहे है। अपने देश मे योग्यता तो जन्म के साथ जाति विशेष मे पैदा होने से ही आ जाती है, 9वीं फेल भी जाति आधार पर योग्यता के सर्टिफिकेट बांटते मिल जायेंगे लेकिन 140 करोड़ से ज्यादा जनसंख्या वाला देश 1947 मे देश की आजादी के बाद भी ओलम्पिक जैसे विश्व स्तरीय खेलो मे एक एक गोल्ड मैडल के लिए तरसते आए है जबकि वहाँ कोई रिजर्वेशन भी नहीं है कि योग्यता के ठेकेदार लोगों को रोक रखा हो। हे महानुभावो, जिस फितुर को आप योग्यता मान रहे हो, असल मे तो वो देश की सामूहिक बदनामी है और हजारो अयोग्यताओ की जड़ है। जातियों मे महानता खोजना योग्य नहीं अयोग्य लोगो की पहचान है। ये जो ग्रेट #जाति बनने की बीमारी लोगों मे लगी है, ये कोढ़ से भी ज्यादा घातक है। कोढ़ तो शरीर पर हमला करता है, जातियो मे महानता तो सीधा दिमाग मे कोढ़ लगाता है। आदमी कब नफरत का आदी हो जाता है, कब अपराधी होने मे गर्व तलाशने लगता है - पता भी नही लगता। खिलाड़ी एक खिलाड़ी होता है और देश का प्रतिनिधित्व करता है फिर क्यों एक विशेष जाति के नारे हावी हो जाते है। यहीं हम हार जाते है। पता नहीं हम कब सुधरेंगे ? आबादी के लिहाज़ से छोटे से मुल्क ऑस्ट्रेलिया की अकेली खिलाड़ी एम्मा मैकेन ने टोक्यो ओलंपिक-2021 में 4 गोल्ड व 3 ब्रॉन्ज़ मैडल जीते। ऑस्ट्रेलिया में उसे कोई पूछने तक नहीं आया,क्योंकि वहां के लोगों या सरकार के लिए या राज नेताओं के लिए यह उपलब्धि कोई खास मायने नहीं रखती। और दूसरी तरफ हम 140 करोड़ भारतीय सिर्फ एक मैडल पर ही पागल हुए जा रहे हैं । हमारे प्राइम मिनिस्टर, चीफ मिनिस्टर सहित तमाम छुटभैये नेता रोटियां सेंक रहे हैं । इस एक मैडल की आड़ लेकर जात धर्म के ठेकेदार ज़हरीले नाग बेख़ौफ़ फुंफकारते घूम रहे हैं। ऐसा यूँ है कि इस देश में चढ़ते सूरज को नमस्कार किया जाता है। गरिमा, गौरव और प्रतिष्ठा के बिना ही यहाँ जीवन चलता रहता है। आज भी यहाँ चीन का सामान खरीदा जाता है। जो फिल्मी कलाकार तुर्की जाकर शूटिंग करते हैं उनका बहिष्कार तक करने की किसी की हिम्मत तक नहीं होती है। यहाँ विदेशी लुटेरों को पूजा जाता है। विदेशी आक्रांताओं के अधीन रहने से हमें तिल-तिल कर मरने की आदत पड़ गई है। इसीलिये सत्ता के विरुद्ध आवाज उठाना नहीं आता है। जो भी हो रहा है वो सब भगवान की मर्जी मान कर जीने की कला सीख ली है। शत्रुता या मारक भाव के अभाव के कारण पता ही नहीं चलता कि कौन हितैषी है और कौन विद्वेषी। विश्वसनीयता के नाम पर हम हमेशा देश हित से ऊपर जाति, वर्ग, धर्म, परिवार-कुटुम्ब, गाँव, प्रदेश, क्षेत्र, सम्प्रदाय, व्यवसाय और व्यक्तिगत लाभ को रखते हैं। खिलाड़ी जीत कर आयें तो उन्हें करोडों मिलते हैं,लेकिन जो देश की रक्षा के लिए अपने परिवार की परवाह न करते हुऐ अपनी जान न्यौछावर कर दें उन्हें बस 1 मैडल..? मैं मैडल की तुलना पैसों से नहीं कर रहा हूँ, यह तो अनमोल है,लेकिन जो देश के लिए अपने घर वालों को छोड़कर चला गया उनकी फैमली बच्चे माता पिता की ज़िम्मेदारी किसकी..? सच तो ये है कि,आज पैसों से ही सब होता है। भावनाओं और सम्वेदनाओं से जीवन यापन नहीं किया जा सकता.. यह भी सत्य है कि दोनों चाहे खिलाड़ी हो या जवान देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। फिर उनके साथ ऐसा अन्याय क्यों..? सिस्टम को सोचने की ज़रूरत है। खिलाडियों को खिलाड़ी रहने दें। युद्ध के नायक न बनाए।

सुरेश कश्यप

देश की सुरक्षा के लिए एकता की आवश्यकता

तेलुगू सिनेमा में मशहूर अभिनेता नूतन प्रसाद का एसी एक फेमस डायलाग है कि, भारत आज बहुत मुश्किल स्थिति में है। बाएं से पाकिस्तान , दाएं से बांग्लादेश, ऊपर से रूस, बगल से चीन ,हमारे देश को बर्बाद करने की कोशिश कर रहा है। आज ऐसी ही कि स्थिति दिखाई दे रही है। नियंत्रण से बाहर होने का कोई खतरा नहीं है, ऐसी विकट परिस्थिति में सभी को अपने मतभेद भुलाकर एक साथ आकर भारत माता को मजबूत सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए। केंद्र सरकार के अलावा हर राज्य को बेहद सतर्क रहना होगा ताकि आंतरिक ताकतों की साज़िशें नष्ट की जा सकें। देश में घुस रहे नए लोगों के ऊपर नज़र रखना जरूरी हो गया है। सशस्त्र सुरक्षा बल, गुडाचारी प्रणाली, राजनीतिक नेता, समाज सुधारक, सार्वजनिक कवि, आध्यात्मिक मार्गदर्शक, बुद्धिजीवी, मीडिया, व्यवसायी, व्यापारी, विशेष रूप से आज के छात्रों और युवाओं को देश की मजबूती के लिए आगे आना होगा। समय आ गया है जब बड़ी चतुराई से काम करना होगा। नहीं तो आने वाले दिनों में दुष्ट शक्तियां देश में विनाश, विध्वंस कर सकती हैं। उनके आपराधिक कृत्यों की वजह से हमारे देश कि आर्थिक स्थिति डांवाडोल हो सकती है। वस्तुओं के दाम बहुत महंगे होते जा रहे हैं। हमें स्वार्थी दुष्ट शक्तियों और भड़काने वाले भाषणों से प्रभावित होकर अपना विवेक नहीं खोना चाहिए। उत्तेजित होकर अपना ही घर नहीं तोड़ देना चाहिए। इस समय जब पूरा भारत अपना 78वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, हमें अपने पड़ोसी देशों में हो रही क्रूर हत्याओं से अपने देश को बहुत सुरक्षित और समृद्ध रखना होगा। बाहरी ताकतों को मुंहतोड जवाब देने के लिए हमेशा तैयार रहना होगा।

हमने अपने शासकों की प्रतिभा और कौशल से कई चुनौतियों और आर्थिक कठिनाइयों का बहादुरी से सामना किया है और बहादुरी से आगे बढ़े हैं। इस समय देश सभी क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है और दुनिया इसे पहचान और सम्मान दे रही है । ऐसे समय पर हम सभी को अपने महान भारत के पीछे खड़ा होना चाहिए। अगर हमें अच्छा होना चाहिए तो हमारे आस-पास के लोगों को भी बेहतर होना चाहिए तभी हम शांत रहेंगे। तेलुगू में कहावत है कि देश मिट्टी नहीं है, बल्कि देश इंसान है। आइए इसी उमंग से आगे बढ़ें और पन्द्रह अगस्त को हर घर पर विजय पताका फहराने का काम करें।

भगवान शिव के पांच नाग

कन्या जिनसे माता पार्वती थी अनजान

भगवान शिव के परिवार के बारे में तो सभी जानते हैं कि उनके पुत्र कार्तिकेय, गणेश और उनकी पुत्री मनसा देवी। लेकिन, क्या आप जानते हैं भगवान शिव की पांच नाग कन्या भी थी। जिनके बारे में बहुत ही कम लोग जानते हैं। भगवान शिव की इन पांच नाग कन्याओं के बारे में वर्णन मधुश्रावणी की कथा में किया गया है। नाग पंचमी के दिन भगवान शिव की इन पांच नाग कन्याओं के पूजन से व्यक्ति के घर में धन धान्य की कमी नहीं होती है साथ ही अकाल मृत्यु का भय भी नहीं रहता है। अलग-अलग धर्म ग्रंथों में भी इस बात का उल्लेख किया गया है कि यह बात खुद भगवान शिव ने माता पार्वती को बताई थी।

भगवान शिव की कन्याओं का कथा

मधुश्रावणी की कथा के अनुसार, एक बार भगवान शिव और माता पार्वती सरोवर के किनारे जलक्रीडा कर रहे थे। इस दौरान संयोग से भगवान शिव का वीर्यस्खलन हो गया। भगवान शिव से उसे एक पत्ते पर रख दिया। इसी से पांच कन्याओं का जन्म हुआ। लेकिन, यह सभी कन्याएं मनुष्य रूप में न होकर नाग रूप में थी।

पांच नाग कन्याओं के नाम

भगवान शिव की इन सभी का नाम जया, विषहर, शामिलबारी, देव और दोतलि रखा। जिस दिन भगवान शिव की इन पांच कन्याओं का जन्म हुआ उस दिन सावन मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि थी।

माता पार्वती को नहीं थी इस बात की खबर

इन सबसे माता पार्वती एकदम अनजान थी। उन्हें इस बात की खबर ही नहीं थी कि भगवान शिव की लीला से पांच नाग कन्याओं का जन्म हो चुका है। भगवान शिव अपनी पांचों पुत्रियों को बड़े स्नेह और प्रेम से रखते थे। भगवान शिव रोजाना उस सरोवर के पास जाते और उन नाग कन्याओं से मिलते और उनके साथ खेलते थे। ऐसा बहुत दिनों तक चलता रहा।

कन्याओं को मारने वाली थी माता पार्वती

एक दिन माता पार्वती को भगवान शिव पर शक हुआ कि आखिर महादेव कहा चले जाते हैं। इस बात का पता करने के लिए एक दिन माता पार्वती भी भगवान शिव के पीछे पीछे गई। माता पार्वती ने छिपकर देखा की भगवान शिव उन पांच नाग कन्याओं को पिता की तरह बहुत स्नेह कर रहे हैं और उनके साथ हंसी खुशी से खेल रहे हैं।

यह सब देख माता पार्वती बहुत क्रोधित हो गई और उन नाग कन्याओं को मारने के लिए अपना पैर उठाया। माता पार्वती को क्रोधित देख भगवान शिव से तुरंत उन्हें रोका और कहा कि यह सभी आपकी ही पुत्रियां हैं। यह बात जान माता पार्वती बहुत आश्र्यचकित हो गई। फिर भगवान शिव ने माता पार्वती को इन कन्याओं के जन्म की सारी कथा बताई। जिसके बाद माता पार्वती बहुत जोर से हंसने लगीं और उन सभी कन्याओं को अपनी पुत्री के रूप में स्वीकार किया।

बेलपत्र के जंगल में मिला था शिवलिंग 40 दिन में पूरी होती है हर इच्छा!

सावन की शुरुआत के साथ ही लोगों ने महादेव को खुश करने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाना शुरू कर दिया है। इस दौरान शिव भक्त भगवान शिव के मंदिरों में दर्शन के लिए जाते हैं। वैसे तो पूरे भारत में भगवान शिव के बहुत से प्राचीन और चमत्कारी मंदिर हैं। जिसमें से एक ऐसा मंदिर है जिसमें स्थिति शिवलिंग लगभग 700 साल पुराना बताया जाता है। जो कि लोगों के बेलपत्र के जंगलों में मिला था।

कहां हैं यह मंदिर?

आगरा का नाम लेते ही हमारे दिमाग में सबसे पहले ताजमहल की छवि बनती है। लेकिन ताजमहल के अलावा भी आगरा में बहुत से प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिर हैं।

जैसे कैलाश महादेव, राजेश्वर महादेव, पृथ्वीनाथ, मनकामेश्वर के साथ बलेश्वर मंदिर नाम का भी एक मंदिर है। यह मंदिर अलकेश्वर घाट वासन, कैलाश नगर, राजवाड़ा, उत्तर प्रदेश में ताजमहल से महज 7 किमी की दूरी पर स्थित है।

कैसे मिला था शिवलिंग

बल्केश्वर महादेव मंदिर जिस जगह पर स्थित है, कहा जाता है कि वहां पहले एक बिल्व पत्र यानी बेलपत्र के पेड़ों का जंगल था। लगभग 700 साल पहले जब जंगल को काटा गया, तो यहां एक चमत्कारी शिवलिंग और मंदिर मिला। बेलपत्र के जंगल में होने की वजह से मंदिर को बिल्वकेश्वर महादेव मंदिर कहा जाता था। अब इस मंदिर को बल्केश्वर महादेव मंदिर हो गया है। आज भी यमुना इस मंदिर के समीप होकर गुजरती है।

मंदिर से जुड़ी यह मान्यता है कि यहां सच्चे मन से जो भी भक्त बाबा महादेव की पूजा करता है उसकी हर मनोकामना पूरी होती है। इस मंदिर में भगवान शिव का अभिषेक, श्रृंगार चंदन व केसर से किया जाता है। जो भक्तों को प्रसाद के रूप में वितरित भी किया जाता है। श्रद्धालु लक्ष्मी ने बताया कि, बाबा बल्केश्वर महादेव की ये भी मान्यता है कि, जो भी भक्त लगातार 40 दिन बाबा के दरबार में आए, बाबा बल्केश्वर नाथ पर जल अर्पण करे, पूजा और अर्चना करे तो उसकी मनोकामना पूरी होती है।

सावन में 70 कोस की परिक्रमा

सावन के महीने के दौरान बल्केश्वर मंदिर में रोजाना शिवलिंग का श्रृंगार किया किया जाता है। इसके साथ ही मेले का आयोजन भी किया जाता है। इस में मेले में 70 कोस की परिक्रमा शुरू की जाती है। जो कि कैलाश और पृथ्वी मंदिर से होकर बल्केश्वर मंदिर में जाकर रुकती है। कहा जाता कि परिक्रमा की यह परंपरा सदियों से ऐसे ही चली आ रही है।

शांति की कामना लिए हर साल हजारों लोग पहुंचते हैं गुरपा पर्वत

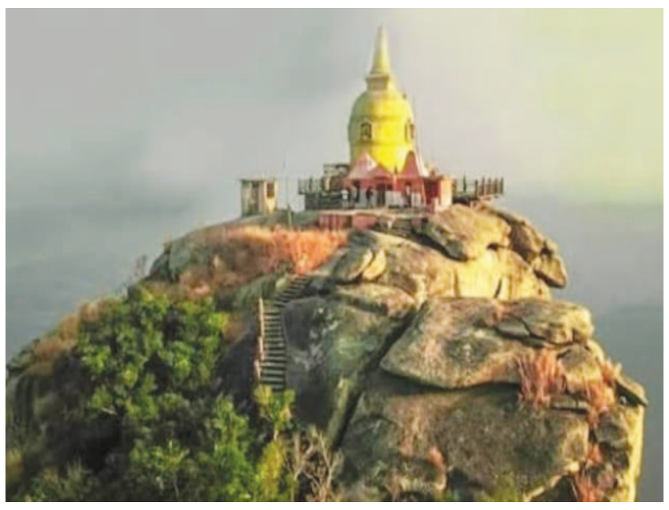

शांति की कामना लिए हर साल हजारों लोग पहुंचते हैं गुरपा पर्वत, बुद्ध पथ देखना हो तो मोहड़ा-टनकुप्पा प्रखंड भी जाएं

कमल नयन, गया। सदियां बीत चुकी हैं। भौगोलिक परिदृश्य भी बदल चुके हैं। जंगल-पहाड़ तो आज भी हैं, पर पहले जैसे नहीं। आबादी बसती चली गई। सड़कें बन गईं। विकास के साथ भौतिक परिवर्तन स्वाभाविक है, पर सांस्कृतिक परिवेश वही है। इन पथों पर ज्ञान की खोज में भटके एक राजकुमार की यात्रा की कहानियां आज भी वैसी हैं। यूं कहें कि दुनिया आज वहां आकर उन स्थलों के भ्रमण को उत्सुक होती है।

यह यात्रा है उस राजकुमार सिद्धार्थ की, जो बिहार के बोधगया में ज्ञान प्राप्त कर भगवान बुद्ध में परिवर्तित हो गए। इतिहास के पृष्ठों में 560 ईसा पूर्व की कहानी। तब जंगल, पहाड़, नदी-नाले यही सब तो था। उसके बीच ज्ञान की खोज में गृह त्याग कर निकले सिद्धार्थ, जिनका जन्म लुंबनी में हुआ था। जिन जगहों पर वे पहुंचे, वे दर्शनीय हैं।

आसपास के कई प्रखंड हैं, जहां बुद्ध के पग पड़े थे

यहां आएं तो प्रकृति अलग स्वागत करती है। जब बोधगया पहुंचेंगे तो केवल यहीं भर नहीं, आसपास के कई प्रखंड हैं, जहां बुद्ध के पग पड़े थे। यहां अतीत के पन्नों पर संस्कृति की विरासत है। इसकी अनुभूति तो यहां आकर ही होगी। बुद्ध राजकुमार के रूप में राजगीर (तब राजगृह) होते हुए बोधगया पहुंचे थे।

कुर्किहार मोहड़ा प्रखंड में है

मगध विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर बौद्ध विभाग से सेवानिवृत्त प्राध्यापक प्रो. रामस्वरूप सिंह बताते हैं कि उस समय कोई मार्ग नहीं था। सिद्धार्थ पहाड़ों के रास्ते जंगल होते हुए राजगीर पहुंचे। आगे की कड़ियों में आपको राजगीर भी ले चलेंगे। अभी बोधगया की ओर चलते हैं। रामस्वरूप बताते हैं कि राजगीर से बोधगया की यात्रा में कुर्किहार, गुरपा और ढुंगेश्वरी पड़ता है। कुर्किहार मोहड़ा प्रखंड में है। गुरपा टनकुप्पा और ढुंगेश्वरी बोधगया प्रखंड में। इन प्रखंडों के इन स्थलों पर बुद्ध के दर्शन होते हैं।

गुरपा के बाद वे प्रागबोधि तक आए थे, जहां तपस्या की। यही बोधगया है। बोधगया आकर लौट जाने भर से बुद्ध की यात्रा के उन मार्गों को देख पाने से वंचित होना ही होगा। गया और बोधगया दोनों जगह ठहरने आदि की बहुत अच्छी व्यवस्था भी है।

लगभग 600 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती है

कुर्किहार से पश्चिम-उत्तर कोण पर हड़ाही स्थान के पास भी खोदाई भी की गई है। यहां एक पौराणिक मंदिर दिखा। इसके महाभारत काल से जुड़े होने की बात कही जाती है, इस पर बहुत शोध नहीं हुआ है। हड़ाही का अर्थ हरण, सो रुक्मिणी के हरण की कथा को जनमानस की मान्यता है। यहीं से आगे बढ़ जाएं तो वजीरगंज के बाद गुरुपद पहाड़ी पर स्थापित बुद्ध स्तूप ध्यान आकृष्ट करता है। यहां तक जाने के लिए लगभग 600 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती है। स्थानीय लोग बताते हैं कि पर्यटन विभाग ने विकास की योजना बनाई है। अभी यहां सोलर लाइट लग चुकी है। बुद्ध की यात्रा के मार्ग पर भ्रमण करते हुए एक आनंदित अनुभूति के लिए गया जिले के बोधगया के साथ मोड़हा, टनकुप्पा प्रखंडों में भी जाना होगा।

कैसे पहुंचे इन स्थलों पर

जिला मुख्यालय गया से सड़क मार्ग द्वारा पूरब की दिशा में गया-नवादा मार्ग पर वजीरगंज से उत्तर पांच किमी पर कुर्किहार, 15 किमी पर तपोवन और पहाड़ी पार कर 14 किमी पर जेठियन से दो किमी आगे चलकर लीला बांध के पास से बुद्ध पथ का शुभारंभ। वापसी में जेठियन से अतरी मार्ग पर चलकर पहाड़ी के नीचे 10 किमी के बाद गेहलौर घाटी है। उसके बाद 21 किमी वजीरगंज और फिर मुख्य मार्ग होते हुए लगभग 25 किमी की दूरी तय कर प्रागबोधि तक जा सकते हैं। इन मार्गों पर बस सेवा भी है और टैक्सी आदि की भी सुविधा है। गुरुपद पहाड़ी पर स्तूप देखने ट्रेन मार्ग से जाया जा सकता है।

खानपान भी मिलेगा

जितने भी दर्शनीय स्थल हैं, उन स्थानों पर स्थानीय व्यंजन का स्वाद भी ले सकते हैं। पकौड़ी वगैरह तो है ही, जलेबी खाना न भूलें। मौसम के अनुसार फल भी हैं। अभी मकई के मौसम में लकड़ी पर पकाए गए भुट्टे बड़े स्वादिष्ट होते हैं।

आ गया कलयुग, जल्द होने वाला है भगवान विष्णु के दसवें अवतार कल्कि का जन्म

महादेव का प्रिय सावन का महीना चल रहा है। इस महीने पूजा-पाठ और अराधना के लिए जाना जाता है। वैसे तो इस महीने का हर दिन त्योंहार के रूप में जाना जाता है। लेकिव इस महीने में कुछ विशेष पर्व भी आते है जैसे-तीज, नाग पंचमी, विनायक चतुर्थी, और कल्कि जयंती।

सावन के इन खास पर्वों में से एक आता है कल्की जयंती का पर्व। हर साल सावन माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि के दिन कल्की जयंती का उत्सव मनाया जाता है। कल्की जयंती भगवान विष्णु के 10वें अवतार को समर्पित है।

मान्यता है कि आने वाले समय कलयुग में जब अधर्म अपनी चरम सीना पर होगा तब धर्म की रक्षा के लिए भगवान विष्णु अवतार लेंगे।

सावन माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि के दिन कल्कि के रूप में धरती पर अपना दसवां अवतार लेंगे। इसलिए भगवान विष्णु के कल्कि अवतार के जन्म से पहले ही कल्कि जयंती के रूप में उनका जन्मोत्सव मनाया जाता है और भगवान कल्कि की पूजा अर्चना की जाती है।

कब है संभावित कल्कि जयंती

वैदिक पंचांग के अनुसार, सावन माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि का आरंभ 10 अगस्त की देर रात 3.14 पर होगा और इसका समापन अगले दिन 11 अगस्त की सुबह 5.44 पर होगा। उदया तिथि के अनुसार इस बार कल्कि जयंती 10 अगस्त, दिन शनिवार को मनाई जाएगी।

कल्कि जयंती पर बन रहे हैं शुभ योग

इस वर्ष कल्कि जयंती पर कुछ शुभ संयोग का निर्माण भी होने जा रहा है। इस दिन साध्य योग, शुभ योग, रवि योग और शिव वास योग का निर्माण होगा। इन शुभ संयोग के कारण ये कल्की जयंती बहुत शुभ रहने वाली है। साध्य योग का निर्माण दोपहर 2.52 मिनट तक है। इसके बाद शुभ योग और रवि योग का निर्माण होगा। रवि योग सभी प्रकार के कार्यों के लिए शुभ माना जाता है। इसके साथ ही, शिव वास योग भी इस दिन बन रहा है, जो शिवजी की पूजा और उनके आशीर्वाद पाने के लिए बहुत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इन सब योग में भगवान कल्कि की पूजा करने से साधक की सभी मनोकामना पूर्ण होती हैं।

भगवान कल्कि के अवतार के विषय में

पुराणों में भगवान विष्णु के दसवें अवतार, कल्कि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। श्रीमद्भागवत पुराण के अनुसार, कलयुग के अंत में जब धरती पर अधर्म और अन्याय का बोलबाला होगा, तब भगवान विष्णु 64 कलाओं से परिपूर्ण होकर कल्कि के रूप में अवतार लेंगे। उनका उद्देश्य धरती से अधर्म का नाश कर धर्म की पुनः स्थापना करना होगा। इसके बाद कलयुग की समाप्ति होगी और सतयुग का आरंभ होगा।

भगवान विष्णु का कल्कि अवतार, कलयुग के अंत में सावन माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को होगा। इस कारण इस दिन भगवान कल्कि के स्वागत और सम्मान में उनके जन्म से पहले ही कल्कि जयंती मनाई जाती है। वैष्णव समुदाय में कल्कि जयंती का विशेष महत्व है। इस दिन भक्तजन भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हैं और उनसे संसार में फैले अधर्म के विनाश की प्रार्थना करते हैं।

हथेली पर ऐसी विवाह रेखा देती है एक से ज्यादा शादी होने के संकेत

विवाह रेखा क्या है

जीवनसाथी से जुड़ी जानकारी जानने से पहले आपको यह जान लेना चाहिए कि हथेली में विवाह रेखा कहां होती है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार छोटी उंगली के नीचे और ह्रदय रेखा के ऊपर हाथ के बाहरी भाग से आरंभ होकर बुध पर्वत की ओर जाती हुई रेखा को 'विवाह रेखा' कहते हैं। हथेली में इस रेखा की संख्या और इसकी बनावट से आपकी शादी और प्रेम से जुड़ीं जानकारियां होती हैं।

विवाह रेखा पतली या टूटी-फूटी होने का क्या होता मतलब

आपकी हथेली में अगर विवाह रेखा पतली या टूटी-फूटी है, तो यह इस बात का संकेत है कि ऐसे लोग विवाह के प्रति उदासीन होते हैं और इनका वैवाहिक जीवन खुशहाल नहीं होता है। इनके जीवनसाथी और इनके बीच हमेशा उथल-पुथल को कलह का माहौल देखने को मिलता है।

विवाह रेखा का रंग लाल और गुलाबी होने के क्या संकेत है

आपकी हथेली में अगर शुरुआत में विवाह रेखा साफ नजर नहीं आ रही लेकिन आगे की तरफ जाते-जाते गुलाबी और गहरी होती जाती है, तो इसका मतलब है कि आपके वैवाहिक जीवन में पहले जोश और उत्साह की कमी रहेगी लेकिन समय के साथ आप दोनों का रिश्ता मजबूत और गहरा होता जाएगा।

विवाह रेखा गहरी स्पष्ट और भाग्य रेखा से मिलने का मतलब

आपकी हथेली पर अगर विवाह रेखा गहरी, स्पष्ट है, तो आपके लिए यह बहुत ही शुभ समाचार है। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार हथेली में साफ और स्पष्ट विवाह रेखा शुभ होती है। खासकर जब चंद्र पर्वत से कोई रेखा निकलकर भाग्य रेखा से जाकर मिले, तो यह धनवान परिवार में विवाह और ससुराल से भरपूर सहयोग का संकेत माना जाता है।

विवाह रेखा एक से ज्यादा होने का क्या मतलब है

आपकी हथेली पर अगर एक साथ दो या तीन विवाह रेखा है, तो इसका अर्थ यह है कि आपके एक से ज्यादा विवाह हो सकते हैं। साथ ही यह रेखा इस बात की भी सूचक है कि आपके एक या दो से ज्यादा गंभीर प्रेम सम्बध बन सकते हैं। इसका अर्थ यह है कि हथेली पर एक से ज्यादा विवाह रेखा होना आपके विवाह के साथ प्रेम सम्बधों की भी सूचक है।

ऋतिक रोशन संग बचपन में काम करने वाली ये एक्ट्रेस आज है साउथ की बड़ी स्टार, ग्लैमरस लुक पर हो जाएंगे फिदा

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' और 'कोई मिल गया' जैसे सीरियल और फिल्म में हंसिका मोटवानी ने काम किया. लेकिन अब साउथ सिनेमा की बड़ी एक्ट्रेसेस की लिस्ट में आती हैं. इस एक्ट्रेस को बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट हिंदी टीवी सीरियल से घर-घर पहचान मिली थी. इसके बाद इन्होंने हिमेश रेशमिया के साथ बॉलीवुड डेब्यू किया और आज साउथ इंडस्ट्री की बड़ी हीरोइन हैं.

9 अगस्त 1991 को मुंबई में हंसिका मोटवानी का जन्म एक सिंधी परिवार में हुआ. इनके पिता बिजनेसमैन प्रदीप मोटवानी और मां मोना मोटवानी डर्मेटोलॉजिस्ट हैं.

हंसिका मोटवानी की स्कूलिंग पोडर इंटरनेशनल स्कूल से हुई जो मुंबई के सांताक्रूज में स्थित है. यहां टीवी के कई पॉपुलर सेलिब्रिटीज के बच्चों ने भी पढ़ाई की है.

हंसिका ने साल 2000 में शुरू हुए 'शाका लाका बूम बूम' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट की. इसके बाद हंसिका एकता कपूर के मशहूर शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में भी अहम किरदारों में नजर आईं.

हंसिका ने साल 2003 में रिलीज हुई ऋतिक रोशन और प्रीति जिंटा की सुपरहिट फिल्म 'कोई मिल गया' में भी काम किया था. हंसिका उस फिल्म में भी बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट ही नजर आईं. इस फिल्म के लगभग 4 सालों के बाद यानी साल 2007 में आई फिल्म 'आपका सुरूर' में हिमेश रेशमिया की हीरोइन बनकर नजर आईं. इसमें हंसिका को देखकर फैंस हैरान हो गए कि अचानक ये इतनी बड़ी कैसे हो गईं.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन दिनों खबर भी थी कि हंसिका की मां ने उन्हें हार्मोंस का इंजेक्शन देकर जल्दी बड़ा कर दिया. बता दें, हंसिका की मां डर्मेटोलॉजिस्ट यानी स्किन संबंधित डॉक्टर हैं. हालांकि, इन खबरों ने कुछ समय बाद विराम लिया और हंसिका ने साल 2011 में पहली तमिल फिल्म 'मप्पिल्लाई' की और उनकी अगली तमिल फिल्म 'एन्जेयुम कड्हल वेलायुधम' थी. हंसिका ने कुछ हिंदी और ढेरों तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयामल भाषाओं की फिल्में की हैं. हंसिका मोटवानी इस साल अपना 33वां बर्थडे मना रही हैं.

पवन कल्याण के निशाने पर भतीजे अल्लू अर्जुन बातों ही बातों में किया 'पुष्पा' पर कटाक्ष?

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और तेलुगु सुपरस्टार पवन कल्याण ने जंगलों के संरक्षण के महत्व पर एक साहसिक बयान दिया है और इस बात पर खेद व्यक्त किया है कि कैसे आधुनिक समय की फिल्में बिना किसी सामाजिक जिम्मेदारी के बनाई जाती हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पवन ने फिल्मों में बदलते चलन और 'हीरो' की विकसित होती परिभाषा को लेकर अपनी चिंता जाहिर की। पवन के बयान को सुनकर नेटिजन्स कयास लगा रहे हैं कि उन्होंने सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा' पर कटाक्ष किया है।

पवन कल्याण ने अपने हालिया इंटरव्यू में कहा, 'कन्नड़ कांतिरवा डॉ. राजकुमार की गंधदा गुड़ी देखने के बाद मेरे अंदर जंगलों के बारे में जागरूकता विकसित हुई। यह फिल्म पूरी तरह से जंगल की रक्षा के बारे में है कि कैसे एक वन अधिकारी जंगल को तस्करी से बचाता है। मैं अरण्य भवन में अपने सहयोगियों के साथ बात कर रहा था कि संस्कृति कैसे बदल गई है।'

पवन कल्याण ने अपनी बात में आगे जोड़ा, 'चालीस साल पहले, हीरो वह होता था जो जंगल की रक्षा करता था। आज हीरो वह है जो जंगल काटता है और तस्करी करता है। बेशक, मैं कई बार ऐसी फिल्में बनाने में संघर्ष करता हूं। क्या मैं सही संदेश भेज रहा हूं?' अपने भतीजे और सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के साथ उनकी कथित प्रतिद्वंद्विता को देखते हुए पवन के बयान ने अटकलों को हवा दे दी है। कई लोग सोच रहे हैं कि क्या उन्होंने यह बयान अल्लू अर्जुन की ब्लॉकबस्टर 'पुष्पा' को ध्यान में रखकर दिया है।

'पुष्पा' में, अल्लू अर्जुन एक कुख्यात तस्कर की भूमिका निभाते हैं, जो एक आपराधिक सिंडिकेट के माध्यम से उभरता है। वह अवैध रूप से कीमती लाल चंदन काटता है और इसे दुनिया भर के बाजारों में तस्करी करता है।

ऐसा माना जाता है कि अल्लू अर्जुन के पवन के साथ रिश्ते तनावपूर्ण हैं और उनके बीच बातचीत नहीं हो रही है। गौरतलब है कि आंध्र प्रदेश में हाल ही में हुए चुनावों के दौरान अल्लू अर्जुन को पवन की प्रतिद्वंद्वी पार्टी के एक उम्मीदवार का खुलेआम समर्थन करते देखा गया था। पवन की जन सेना पार्टी ने टीडीपी और बीजेपी के साथ गठबंधन कर आंध्र प्रदेश में ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इस बीच, अल्लू अर्जुन पुष्पा की बहुप्रतीक्षित सीक्वल 'पुष्पा 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं। सुकुमार द्वारा लिखित और निर्देशित यह फिल्म 6 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

महेंद्र सिंह धोनी के साले को डेट कर रहीं कृति सेनन! जल्द ले सकती हैं सात फेरे

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन इन दिनों अपने अफेयर और शादी की खबरों को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि एक्ट्रेस ने इसे लेकर कोई बयान नहीं दिया है, लेकिन इन दिनों उनका ये रिश्ता हॉट टॉपिक बना हुआ है। हाल ही में उन्होंने लंदन में अपना 34वां जन्मदिन मनाया, जिसमें उनका परिवार और दोस्त शामिल हुए। मगर जिस शख्स ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा वो हैं, कबीर बहिया जो कृति के बॉयफ्रेंड बताए जा रहे हैं और ये भी कहा जा रहा है कि दोनों जल्द शादी के बंधन में बंध सकते हैं।

धोनी के साले हैं कबीर

मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि कबीर, भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के साले हैं। वह धोनी की पत्नी साक्षी के कजिन ब्रदर हैं और इन लोगों को कई मौकों पर साथ में देखा गया है। इसके साथ ही कबीर और धोनी अच्छे दोस्त भी हैं। इंटरनेट पर कबीर और धोनी की साथ में कई तस्वीर भी सामने आई हैं।

कृति सेनन और कबीर को लेकर दावा किया जा रहा है कि दोनों लंबे समय से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। कबीर को कई बार कृति और उनकी बहन नूपुर के साथ देखा जा चुका है।

इससे पहले होली पार्टी में भी कबीर को एक्ट्रेस और उनकी बहन के साथ देखा गया था। दोनों ने न्यू ईयर भी साथ मनाया था। कृति हमेशा से ही एक प्राइवेट पर्सन रही हैं और शायद ये ही कारण है कि अब तक उन्होंने कबीर संग अपने रिश्ते को लेकर भी कोई खुलासा नहीं किया है।

क्या फिल्म इंडस्ट्री से हैं कबीर?

कृति सेनन खुद एक एक्ट्रेस हैं, लेकिन वो फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े शख्स को डेट नहीं कर रही हैं। कबीर की उम्र 25 साल है और वह कति से 9 साल छोटे हैं। वो एक यूके बेस्ड बिजनेसमैन हैं और वह एनआरआई परिवार से ताल्लुक रखते हैं और वर्ल्डवाइड एविएशन एंड टूरिज्म लिमिटेड कंपनी के फाउंडर हैं और करोड़ों में कमाते हैं। कबीर की नेटवर्थ की बात करें तो उनके परिवार की नेटवर्थ करीब 4600 करोड़ रुपये है।

'जन्मदिन मुबारक मेरे सुपरस्टार', बर्थडे के दिन महेश बाबू पर पत्नी नम्रता शिरोडकर ने यूं लुटाया प्यार

टॉलीवुड के प्रिंस यानि महेश बाबू 9 अगस्त को 49 साल के हो चुके हैं. एक्टर के बर्थडे पर हर कोई उन्हें सोशल मीडिया पर बधाई देता नजर आ रहा है. इसी बीच उनकी पत्नी नम्रता शिरोडकर ने भी महेश के लिए एक स्पेशल पोस्ट शेयर की और उन्हें जन्मदिन की बधाई दी.

बर्थडे के दिन नम्रता ने लुटाया महेश पर प्यार

दरअसल महेश बाबू को बर्थडे विश करने के लिए नम्रता शिरोडकर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक्टर की एक बेहद स्पेशल फोटो शेयर की है. फोटो में एक्टर सूट-बूट पहने हुए कार के सामने खड़े काफी हैंडसम लग रहे हैं. इस फोटो को शेयर करते हुए नम्रता ने लिखा कि, 'एक और साल, एक और कारण अमेजिंग मैन के साथ सेलिब्रेट करने का दिन....आपके साथ जिंदगी ब्लॉकबस्टर है. बहुत अच्छी चल रही है. हैप्पी बर्थडे मेरे सुपरस्टार, मेरे पार्टनर, मेरे प्यार और हां अभी और भी उम्र बाकी है..' नम्रता ने जो तस्वीर शेयर की है, उसमें वह कार से सटे हुए सूट बूट में दिख रहे हैं.'

सितारा ने भी शेयर की पिता महेश के लिए पोस्ट

वहीं नम्रता शिरोडकर के अलावा इस कपल की लाडली बेटी सितारा ने भी अपने डेशिंग पापा के लिए पोस्ट शेयर की है. सितारा ने महेश बाबू की कुछ अनदेखी तस्वीरें शेयर करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी. अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा कि, 'जन्मदिन मुबारक हो नाना..अब तक के सबसे अच्छे पिता होने के लिए धन्यवाद, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं..'

इस फिल्म में नजर आएंगे महेश बाबू

बता दें कि महेश बाबू बहुत जल्द एस.एस राजामौली की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'एसएसएमबी29' में नजर आने वाले हैं. हालांकि अभी तक फिल्म को कोई ऐलान नहीं किया गया है. वहीं आखिरी बार महेश बाबू को फिल्म 'गुंटूर कारम' में देखा गया था. जोकि एक एक्शन कॉमेडी फिल्म थी. इस फिल्म ने 250 करोड़ रुपये से ज्यादा का बिजनेस किया था.

दीपिका पादुकोण देने वाली हैं बेटे को जन्म? ब्लू गिफ्ट पैक देखकर फैंस ने लगाए कयास

अपनी ब्लॉकबस्टर हो चुकी फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के बीच ही मशहूर अदाकारा दीपिका पादुकोण अपनी प्रेग्नेन्सी को लेकर भी चर्चा में रही हैं. लगातार एक्ट्रेस की प्रेग्नेंसी को लेकर उनके फैंस बात कर रहे हैं. बता दें कि दीपिका पादुकोण प्रेग्नेंसी पीरियड के आखिरी फेज में हैं. वे कभी भी बच्चे को जन्म दें सकती हैं.खबरें है कि दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह सितंबर 2024 में पैरेंट्स बन सकते हैं. अब देखना होगा कि दोनों बेटे के पैरेंट्स बनते हैं या बेटी के. हालांकि सोशल मीडिया पर चर्चा हो रही है कि दीपिका पादुकोण बेटे को जन्म दे सकती हैं. आखिर ऐसा क्या हो गया कि लोग इस तरह की बातें कर रहे हैं तो चलिए आपको भी वो वजह बता देते हैं.

नीले रंग के कारण हो रही चर्चा

हाल ही में एक तस्वीर सामने आई है जो एक गिफ्टिंग ब्रांड ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट से शेयर की है. इसमें दीपिका पादुकोण को मेंशन करते हुए लिखा है कि, 'दीपिका पादुकोण का ऑर्डर गिफ्ट पैक हो गया है.' इसमें एक गिफ्ट पैक है. इसमें बॉक्स का कलर हल्का भूरा है जबकि बॉक्स को एक नीले रंग की डोरी से बांधा गया है. नीले रंग की डोरी होने के चलते सोशल मीडिया पर लोग कयास लगाने लगे हैं कि दीपिका पदुकोण और रणवीर सिंह बेटे का वेलकम करेंगे.

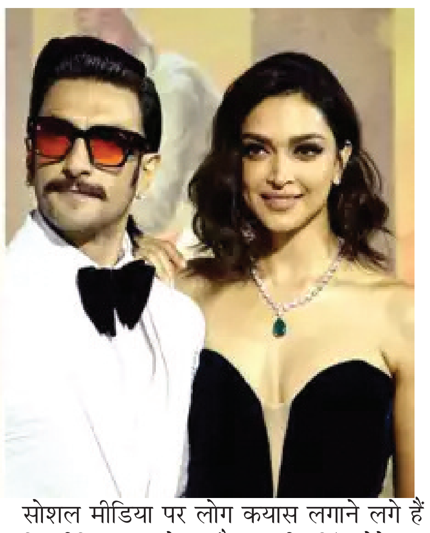

एक रेडिट यूजर ने इस फोटो को शेयर करते हुए लिखा है कि, 'नीचे कहीं पढ़ा कि दीपिका पादुकोण को लड़का हो सकता है. इसे एक ब्रांड पेज पर देखा और इसका स्क्रीनशॉट ले लिया. हो सकता है कि यह महज पैकेजिंग हो और इस बात से ज्यादा कुछ नहीं जुड़ा हो लेकिन उन्होंने नीले रंग का इस्तेमाल क्यों किया. क्योंकि यह एक कपड़ों का ब्रांड है और उन्होंने नीले रंग का उपयोग किया है, शायद उन्होंने उसके सिलेक्शन के माध्यम से कुछ अनुमान लगाया है?'

क्या बोले नेटिजन्स?

एक यूजर ने इस पर लिखा है कि, 'अगर ये सच है तो इस तरह बिना रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण के ऐलान किए ब्रांड का इस तरह जेंडर उजागर करना बेहद अनप्रोफेशनल है.' एक यूजर ने लिखा कि, 'भारत में जन्म से पहले बच्चे का लिंग जानना गैर-कानूनी है. अगर दीपिका को पता भी है तो वो ऐलान नहीं कर सकती हैं.'

कैंसर के उपचार के बीच हर दिन जिम जाती हैं हिना खान अभिनेत्री की हिम्मत देख प्रशंसक कर रहे सलाम

अभिनेत्री हिना खान ब्रेस्ट कैंसर का उपचार करा रही हैं। बीते दिनों जांच में उन्हें बीमारी का पता चला था, अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस को इसकी सूचना दी थी। हिना खान इस मुश्किल वक्त में बड़ी हिम्मत से काम ले रही हैं। सर्जरी और कीमोथैरेपी के बीच उन्होंने न सिर्फ शूटिंग पर वापसी कर दी है, बल्कि नियमित रूप से जिम भी जा रही हैं। न बीमारी और न ही भारी बारिश, किसी भी चीज को हिना जिम जाने के रास्ते में बाधा नहीं बनने दे रही हैं।

हिना ने आज इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वे भारी बारिश के बीच जिम जाती नजर आ रही हैं। वीडियो में उन्हें छाता थामे जिम की तरफ बढ़ते देखा जा सकता है। इसके साथ हिना ने बहुत ही प्रेरक नोट लिखा है। अभिनेत्री ने लिखा है, 'आपके पास क्या बहाना है'? एक्ट्रेस ने आगे लिखा है, 'स्वस्थ जीवनशैली को बनाए रखने के लिए व्यायाम या किसी भी तरह की शारीरिक गतिविधि बहुत जरूरी है। लेकिन जब कोई बीमारी के दौर से गुजर रहा हो तो शारीरिक व्यायाम और भी जरूरी और प्रभावी हो जाता है'।

हिना खान ने आगे लिखा है, 'नियमित रूप से व्यायाम करने से न सिर्फ आप शारीरिक रूप से मजबूत बनते हो, बल्कि यह हमारे मानसिक स्वास्थ्य को भी पोषण देता है। और हमारे दिमाग का सेहतमंद होना बहुत ही जरूरी है। मेरे कीमो उपचार के दौरान मुझे गंभीर न्यूरोपैथिक दर्द का सामना करना पड़ता है, जिससे मेरे पैर और पंजे ज्यादातर समय सुन्न हो जाते हैं, कभी-कभी व्यायाम करते समय मैं अपने पैरों पर नियंत्रण खो देती हूं। पैरों के सुन्न होने की वजह से मैं गिर जाती हूं, लेकिन मैं केवल वापस उठने पर अपना फोकस रखती हूं'।

हिना ने आगे लिखा, 'मैं खुद को गिरने नहीं दूंगी। मैं हर बार उठूंगी और उठने के लिए जो ताकत दिखाती हूं, उससे मुझे परिभाषित किया जाएगा। हर बार जब मुझे लगता है कि मैं उठकर काम नहीं कर सकती, तो मैं और जोर लगाती हूं, क्योंकि मेरे पास मेरी ताकत, मेरी आत्मा और मेरी इच्छाशक्ति के अलावा आखिर और क्या है...? तो वर्कआउट करने के लिए आपके पास क्या बहाना है?

हिना के इस पोस्ट पर यूजर्स उनकी हिम्मत की तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'ऐसे नाजुक वक्त में आप जिस हिम्मत से काम ले रही हैं, उससे आपके लिए सम्मान और बढ़ गया है'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'स्ट्रॉन्ग गर्ल, आप पर गर्व है'। एक यूजर ने लिखा, 'ईश्वर आपको जल्द स्वस्थ करें।' हिना के करियर की बात करें तो उन्होंने छोटे पर्दे पर 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के जरिए लोकप्रियता हासिल की। इसमें वे अक्षरा की भूमिका में दिखीं।

वीजा खारिज होने से आहत संजय दत्त, यूके सरकार के खिलाफ जमकर निकाली भड़ास!

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त ने आखिरकार अपने पिछले आपराधिक रिकॉर्ड के कारण यूके वीजा आवेदन खारिज होने पर प्रतिक्रिया दी है। कुछ दिन पहले, यह बताया गया था कि संजय को 'सन ऑफ सरदार 2' में अभिनेता-राजनेता रवि किशन ने रिप्लेस कर दिया है क्योंकि वह वीजा अस्वीकृति के कारण शूटिंग के लिए स्कॉटलैंड की यात्रा करने में सक्षम नहीं थे। इन्हीं रिपोर्टों पर अब संजू बाबा ने चुप्पी तोड़ी है। साथ ही यूके सरकार पर सही काम न करने का आरोप लगाते नजर आए हैं।

संजय ने कहा, 'मैं एक बात जानता हूं कि यूके सरकार ने सही काम नहीं किया। उन्होंने मुझे (शुरुआत में) वीजा दिया। वहां (यूके में) सब पेमेंट हो गए। सब कुछ तैयार था। फिर एक महीने बाद, आप मेरा वीजा रद्द कर रहे हैं। मैंने आपको (यूके सरकार को) सभी कागजात और सभी आवश्यक चीजें दे दीं। आपने मुझे वीजा क्यों दिया (पहले स्थान पर)? आपको कानूनों को समझने में एक महीना कैसे लग गया?'

संजय दत्त ने आगे कहा कि वह हर देश के कानून का सम्मान करते हैं और उन्होंने यूके सरकार से इसे सुधारने का आग्रह किया। संजू बाबा ने अपनी बात में आगे जोड़ा, 'वैसे भी, यूके कौन जा रहा है? वहां बहुत सारे दंगे हो रहे हैं। यहां तक कि भारत सरकार ने भी एक बयान जारी किया है कि आपको यूके नहीं जाना चाहिए। तो, मैं कुछ भी मिस नहीं कर रहा हूं। लेकिन हां, उन्होंने जो किया है गलत है। उन्हें इसे सुधारने की जरूरत है। मैं कानून का पालन करने वाला नागरिक हूं और मैं हर देश के कानून का सम्मान करता हूं।'

साल 1993 में मुंबई बम धमाकों के बाद, जब संजय दत्त को आर्म्स एक्ट का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया था तो उन्हें पांच साल की सजा मिली थी, जिसे उन्होंने 2016 में पूरा किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अपनी गिरफ्तारी के बाद से संजय दत्त आज तक यूके नहीं जा पाए हैं। वो वीजा के लिए कई बार आवेदन कर चुके हैं, लेकिन कभी बात नहीं बनी।

बीते दिन अमर उजाला ने आपको बताया कि रवि किशन को संजय दत्त के किरदार में खपाने के लिए स्क्रिप्ट बदली जा चुकी है। लेकिन, संजय दत्त अब भी फिल्म का हिस्सा हैं और उनका किरदार अब बदल गया है। इसकी शूटिंग फिल्म के ब्रिटेन से लौटने के बाद भारत में होगी। अश्वनी धिर के निर्देशन में बनी फिल्म 'सन ऑफ सरदार' एक कॉमेडी एक्शन फिल्म है। इसमें अजय देवगन और संजय दत्त के अलावा सोनाक्षी सिन्हा, मुकुल देव, विंदु दारा सिंह, अर्जन बाजवा, तनुजा और संजय मिश्रा समेत कई कलाकारों ने अभिनय किया था। अब प्रशंसको को इसके दूसरे भाग का बेसब्री से इंतजार है।

ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने पर भारत, अमेरिका, स्पेन या इटली नहीं हाँगकाँग देता है अपने खिलाड़ियों को सबसे अधिक पुरस्कार राशि

पेरिस ओलंपिक 2024 में भारत ने अब तक एक रजत समेत 5 पदक जीते हैं। इसमें से 3 पदक निशानेबाजी से आए हैं। मनु भाकर ने शूटिंग में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया। मनु भाकर ने सरबजोत सिंह के साथ मिक्स्ड टीम 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में भी कांस्य पदक जीता। पेशेवर निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने भी पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन इवेंट में कांस्य पदक जीता।

मनु भाकर ने 2 पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक में इतिहास रचा। वह ओलंपिक के एक ही संस्करण में 2 पदक जीतने वाली पहली भारतीय (आजादी के बाद) बनीं। टोक्यो ओलंपिक के चैंपियन नीरज चोपड़ा पेरिस में स्वर्ण पदक जीतने से भले ही चूक गए हैं, लेकिन उन्होंने लगातार दूसरे संस्करण में पदक जीता। उन्होंने 89.45 थ्रो के साथ रजत पदक जीता। नीरज चोपड़ा लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले भारत के दूसरे पुरुष और ओवरऑल चौथे भारतीय (आजादी के बाद के आंकड़े) बने। उनसे पहले सुशील कुमार,

पीवी सिंधु और मनु भाकर ने यह उपलब्धि अपने नाम की।

ओलंपिक खेलों में पदकों की बात करें तो यह कौतूहल का विषय है कि कौन सा देश अपने एथलीट्स को ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने पर सबसे अधिक पुरस्कार राशि देता है। इस लेख में हम इसके बारे में ही जानेंगे।

हॉन्गकॉन्ग : गोल्ड मेडल विनर को देगा 6.45 करोड़ रुपये

ओलंपिक में हॉन्गकॉन्ग चीन से अलग प्रतिस्पर्धा करता है। हॉन्गकॉन्ग पेरिस ओलंपिक 2024 में स्वर्ण पदक जीतने पर अपने एथलीट्स को सबसे अधिक पुरस्कार राशि देगा। हॉन्गकॉन्ग पेरिस ओलंपिक 2024 में पोडियम पर शीर्ष स्थान पर रहने वाले अपने खिलाड़ी को 768,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 6.45 करोड़ रुपये) का नकद पुरस्कार देता है।

पेरिस ओलंपिक 2024 में हॉन्गकॉन्ग के लिए तलवारबाज मैन वाई विवियन कोंग ने महिला एपी व्यक्तिगत स्पर्धा और चेउंग का लोंग ने पुरुष फॉइल व्यक्तिगत स्पर्धा में 1-1 स्वर्ण पदक जीता है। नियमानुसार देश की सरकार दोनों को 768,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि देगी। हॉन्गकॉन्ग रजत और कांस्य पदक जीतने वाले अपने खिलाड़ियों को क्रमशः 384,000 डॉलर (लगभग 3.22 करोड़ रुपये) और 192,000 डॉलर (लगभग 1.61 करोड़ रुपये) का नकद पुरस्कार देगा।

सिंगापुर भी बहुत पीछे नहीं

ओलंपिक पदक विजेताओं को पुररस्कार राशि देने के मामले में सिंगापुर हॉन्गकॉन्ग से बहुत पीछे नहीं है। सिंगापुर पेरिस ओलंपिक 2024 में स्वर्ण पदक जीतने वाले अपने खिलाड़ियों को 6 अंकों का नकद पुरस्कार देगा। यह देश अपने स्वर्ण पदक विजेताओं को 745,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 6.25 करोड़ रुपये) का पुरस्कार देगा।

शीर्ष-5 देशों में इंडोनेशिया, इजरायल और कजाकिस्तान भी

सीएनबीसी के अनुसार, शीर्ष 5 देशों में इंडोनेशिया (300,000 अमेरिकी डॉलर या 2.51 करोड़ रुपये), इज़रायल (271,000 अमेरिकी डॉलर या 2.28 करोड़ रुपये) और कजाकिस्तान गणराज्य (250,000 अमेरिकी डॉलर या 2.09 करोड़ रुपये) शामिल हैं।

अमेरिका देता है सिर्फ 32 लाख रुपये

अमेरिका ओलंपिक 2024 में स्वर्ण पदक जीतने वाले अपने खिलाड़ियों को 38,000 डॉलर (लगभग 31.90 लाख रुपये) का नकद पुरस्कार देगा। युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा घोषित 2019 के अनुसार, भारत स्वर्ण पदक विजेताओं को 75 लाख रुपये, रजत पदक विजेताओं को 50 लाख रुपये और कांस्य पदक विजेताओं को 30 लाख रुपये का वित्तीय बोनस देता है।

1997 तक ब्रिटिश उपनिवेश था हॉन्गकॉन्ग

हॉन्गकॉन्ग 1997 तक ब्रिटिश उपनिवेश था। इसके बाद ब्रिटेन और चीन की सरकारें मूल कानून पर सहमत हुईं, जिसके मुताबिक अगले पचास वर्षों तक हॉन्गकॉन्ग पर चीन शासन करेगा। मूल कानून के अनुसार हॉन्गकॉन्ग पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के एक स्वायत्त विशेष प्रशासनिक क्षेत्र के रूप में रहेगा, जिसकी अपनी मुद्रा, कानूनी प्रणाली और संसदीय प्रणाली होगी। हॉन्गकॉन्ग में 2021 में जनसंख्या कराई गई थी, तब उसकी आबादी 7,413,070 थी। साल 2023 में उसकी आबादी 7,498,10 (अनुमानित) थी।

विनेश के मेडल पर फैसला ओलिंपिक खत्म होने से पहले

सीएसए कोर्ट बोली- एक घंटे में जजमेंट संभव नहीं, वर्ल्ड रेसलिंग का पक्ष सुनना जरूरी

कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स ने कहा, हम विनेश के केस में प्रक्रियाएं तेजी से कर रहे हैं, लेकिन उनकी अपील पर एक घंटे में फैसला देना संभव नहीं है। इस मामले में पहले यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग का पक्ष सुना जाना जरूरी है। फैसला डॉक्टर एनाबेल बेनेट को करना है, सभी पार्टियों के साथ आज मीटिंग करेंगे। उम्मीद है कि वे ओलिंपिक खत्म होने से पहले अपना फैसला सुना देंगे।

सीनियर वकील हरीश साल्वे आज कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स में विनेश फोगाट का पक्ष रखेंगे। पहले जो सुनवाई भारतीय समयानुसार दोपहर 1 बजे होनी थी, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब यह शाम 5:30 बजे से होगी। दरअसल फाइनल मैच से पहले विनेश को 100 ग्राम ज्यादा वजन होने के चलते अयोग्य घोषित कर दिया गया था। इससे पहले कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स पर विनेश ने साझा रूप से सिल्वर मेडल दिए जाने की मांग की थी।

विनेश ने संन्यास लिया

पेरिस ओलिंपिक फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के बाद विनेश ने गुरुवार को कुश्ती से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने गुरुवार सुबह 5.17 बजे X पर एक पोस्ट में लिखा- ₹मां कुश्ती मेरे से जीत गई, मैं हार गई। माफ करना आपका सपना, मेरी हिम्मत सब टूट चुके। इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब। अलविदा कुश्ती 2001-2024, आप सबकी हमेशा ऋणी रहूंगी, माफी।

100 ग्राम ने विनेश को गोल्ड नहीं दिलवाया

6 अगस्त को विनेश फोगाट ने पेरिस ओलिंपिक की महिला रेसलिंग के 50 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बनाई थी। रेसलिंग नियम के मुताबिक रेसलर को मैच की सुबह वजन का मापन करना होता है। विनेश का जब वजन नापा गया तब वो अपने कैटेगरी यानी 50 किग्रा से 100 ग्राम ज्यादा थी, जिसके बाद उन्हें फाइनल से बाहर कर दिया गया था। बुधवार को विनेश ने सीएएस में अपील की और मांग की कि उन्हें संयुक्त सिल्वर मेडल दिया जाए।

ओलिंपिक खेलों के विवाद की सीएएस करता है सुनवाई

ओलिंपिक खेलों के दौरान किसी भी विवाद के समाधान के लिए यहां सीएएस विभाग होता है। सेमीफाइनल में विनेश से हारने वाली क्यूबा की पहलवान युस्नेलिस गुजमेन लोपेज ने फाइनल में उनकी जगह ली थी। सीएएस में पहले गुरुवार को सुनवाई होनी थी, लेकिन भारतीय स्क्वॉड ने सुनवाई के लिए भारतीय वकील भी नियुक्त करने के लिए समय की मांग की थी। इस पर कोर्ट ने सुनवाई शुक्रवार यानी आज तक के लिए स्थगित कर दी थी।

भारत के पूर्व सॉलिसिटर जनरल और किंग्स काउंसिल हरीश साल्वे इस केस में सीएएस के सामने भारतीय ओलिंपिक संघ की ओर से विनेश के केस को रिप्रजेंट करने वाले हैं। ऐसे में फैसला आज ही आ सकता है, लेकिन अगर कोर्ट को लगता है कि इस मामले में और सुनवाई की जरूरत है तो वो अगली तारीख दे सकती है।

हरीश साल्वे से जुड़ी खास बातें...

भारत के पूर्व सॉलिसिटर जनरल और किंग्स काउंसिल साल्वे ने एडवोकेसी में अपने करियर की शुरुआत 1975 में अभिनेता दिलीप कुमार के केस से की थी। महाराष्ट्र में जन्मे साल्वे मुख्य रूप से नागपुर के रहने वाले हैं। 1992 में उन्हें सुप्रीम कोर्ट ने सीनियर वकील का पद दिया था। इसके बाद 1999 में उन्हें सॉलिसिटर जनरल घोषित किया गया।

कुलभूषण जाधव केस में 1 रुपए ली थी फीस

साल्वे ने सुप्रीम कोर्ट में पहले एंटी-डंपिंग मामले की पैरवी की थी। साल 2015 में हिट और रन केस मामले में सलमान खान को कोर्ट ने 5 साल की सजा सुनाई थी। इस मामले में हरीश साल्वे ने सलमान खान का पक्ष रखा। जिसके बाद हिट-एंड-रन और ड्रंक-एंड-ड्राइव मामले के सभी आरोपों से उन्हें बरी कर दिया गया। वहीं कुलभूषण जाधव के मामले में उन्होंने भारत सरकार से सिर्फ एक रुपए फीस ली थी। योग गुरु रामदेव मामले में दिल्ली पुलिस का पक्ष कोर्ट में रख चुके हैं।

ओलिंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला रेसलर

विनेश 3 मुकाबले जीतकर 50 kg रेसलिंग ओलिंपिक के फाइनल में पहुंचने वालीं पहली भारतीय महिला रेसलर बनी थीं। सेमीफाइनल में उन्होंने क्यूबा की पहलवान गुजमान लोपेजी को, क्वार्टरफाइनल में यूक्रेन की ओकसाना लिवाच और प्री-क्वार्टरफाइनल में वर्ल्ड चैंपियन जापान की युई सुसाकी को 3-2 से मात दी थी।

जेवलिन थ्रोअर नीरज 2 ओलिंपिक में मेडल जीतने वाले तीसरे भारतीय; 12 की उम्र में पकड़ा था भाला

नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलिंपिक के जेवलिन थ्रो इवेंट में भारत को सिल्वर मेडल दिलाया। 26 साल के नीरज ने 89.45 मीटर दूर भाला फेंका और दूसरा स्थान हासिल किया। इसी के साथ नीरज लगातार दो ओलिंपिक में मेडल जीतने वाले भारत के तीसरे ही प्लेयर बने। नीरज से पहले रेसलर सुशील कुमार और शटलर पीवी सिंधु ने लगातार दो ओलिंपिक में मेडल जीते थे।

पाकिस्तान के अरशद नदीम ने जेवलिन थ्रो के नए ओलिंपिक रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने 92.97 मीटर दूर भाला फेंका। अरशद के 2 थ्रो 90 मीटर से ज्यादा के रहे। ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स ने 88.54 मीटर दूर भाला फेंक कर ब्रॉन्ज मेडल जीता।

जेवलिन की शुरुआत 12 साल की उम्र में

नीरज ने जेवलिन थ्रो की शुरुआत 2010 में 12 साल की उम्र में की। SAI पानीपत में अक्षय चौधरी नीरज के पहले कोच बने थे। अक्षय इस बात से बहुत प्रभावित थे कि नीरज इतनी कम उम्र में बिना किसी ट्रेनिंग के 40 मीटर दूर जेवलिन फेंक लेते थे। चौधरी ने करीब 1 साल तक नीरज को ट्रेनिंग दी। इसके बाद वे ताउ देवीलाल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स पंचकुला चले गए। पंचकुला में नसीम अहमद ने नीरज को कोचिंग दी। उन्होंने नीरज को जेवलिन के साथ-साथ लॉन्ग डिस्टेंस रनिंग की ट्रेनिंग भी, ताकि उनके अंदर और भी ज्यादा स्टैमिना और एंड्योरेंस डेवलप हो।

पंचकुला में नीरज ने तीन बार के ओलिंपिक चैंपियन चेकोस्लोवाकिया के जान जेलेनी के वीडियो देखना शुरू किए। उनकी स्टाइल की कॉपी भी की। इससे पहले वे नियमित तौर पर 55 मीटर थ्रो करते थे। इसके बाद उन्होंने 10 मीटर से ज्यादा का इजाफा किया। 2012 में नीरज ने लखनऊ में

68.40 मीटर थ्रो के साथ गोल्ड जीता।

पहला इंटरनेशनल मेडल 2014 में जीता

नीरज का इंटरनेशनल करियर 2013 में शुरू हुआ। तब उन्होंने यूक्रेन में वर्ल्ड यूथ चैंपियनशिप में हिस्सा लिया था। उन्होंने अपना पहला इंटरनेशनल मेडल 2014 में बैंकॉक में हुए यूथ ओलिंपिक क्वालिफिकेशन में जीता। तब उन्होंने सिल्वर जीता। 2014 के सीनियर नेशनल में नीरज ने पहली बार 70 मीटर का मार्क पार किया।

2015 में नीरज ने पहली बार 80 मीटर से ऊपर का थ्रो किया। उन्होंने 81.04 मीटर का थ्रो किया। यह जूनियर कैटेगरी में वर्ल्ड रिकॉर्ड थ्रो था। 2016 में नीरज पंचकुला में सीनियर कैंप में शामिल किए गए।

20 की उम्र में ओलिंपिक मेडलिस्ट को पछाड़ा

14 अगस्त 2016 का दिन। भारतीय जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने पोलैंड में अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 86.48 मीटर के थ्रो के साथ गोल्ड जीता था। खास बात यह कि उसी समय रियो ओलिंपिक चल रहा था और वहां मेंस जेवलिन थ्रो में ब्रॉन्ज जीतने वाले एथलीट का बेस्ट थ्रो 86.48 से कम था। रियो में त्रिनिदाद के कीशोर्न वालकोट ने 85.38 मीटर थ्रो फेंक कर ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

ओलिंपिक डेब्यू पर गोल्ड जीतकर इतिहास रचा

जूनियर और सीनियर सर्किट में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद नीरज ने टोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई किया। पहले ही ओलिंपिक में उन्होंने 87.58 मीटर का जेवलिन थ्रो फेंका और गोल्ड मेडल जीत लिया। 2022 के वर्ल्ड फाइनल में सिल्वर और 2023 में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इसी दौरान स्टॉकहोम डायमंड लीग में उन्होंने 89.94 मीटर थ्रो फेंका और नेशनल रिकॉर्ड बनाया, यह नीरज का भी पर्सनल बेस्ट रहा।

पाकिस्तानी दोस्त से पहली बार हारे

भारत के नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के अरशद नदीम 2016 से जूनियर लेवल पर एक दूसरे का सामना कर रहे हैं। दोनों में तब से ही गहरी दोस्ती है। 2016 के साउथ एशियन गेम्स में नीरज पहले और नदीम तीसरे नंबर पर रहे। टोक्यो ओलिंपिक तक दोनों 7 बार भिड़े, हर बार नीरज ने बाजी मारी। टोक्यो में नदीम 5वें नंबर पर रहे थे।

पेरिस ओलिंपिक से पहले दोनों वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 2 बार आमने-सामने हुए। 2022 में नीरज दूसरे और नदीम 5वें नंबर पर रहे। 2023 में नदीम करीब पहुंचे और दूसरे नंबर पर रहे, लेकिन यहां भी नीरज ने बाजी मारी और पहला स्थान हासिल कर लिया। पेरिस ओलिंपिक में नदीम और नीरज दोनों का पहला प्रयास फाउल रहा। दूसरे अटेम्प्ट में नदीम ने ओलिंपिक रिकॉर्ड तोड़ा और 92.97 मीटर दूर भाला फेंककर मेडल कन्फर्म कर लिया। नीरज ने अपने दूसरे अटेम्प्ट में 89.45 मीटर की दूरी तय की और सेकेंड पोजिशन हासिल की। इसके बाद नीरज के सभी थ्रो फाउल रहे।

नदीम को 9 बार हराया, 10वीं बार बाजी पलटी

नदीम ने अपना आखिरी थ्रो भी रिकॉर्ड तोड़ फेंका और 91.79 मीटर की दूरी तय कर ली। नीरज चोपड़ा से लगातार 9 बार हारने के बाद अरशद नदीम ने सबसे बड़े इवेंट में हिसाब बराबर किया और ओलिंपिक रिकॉर्ड के साथ पाकिस्तान को पहला इंडिविजुअल गोल्ड मेडल भी दिलाया। अरशद फिलहाल 27 और नीरज 26 साल के हैं, यानी दोनों के बीच 2028 के लॉस एंजिल्स ओलिंपिक में भी भिड़ंत देखने को मिल सकती है।

विनेश फोगाट ने कहा था- मुझे फंसा सकते हैं : ओलिंपिक में जाने से पहले जताया था शक

अपने वजन को लेकर पेरिस ओलिंपिक 2024 में गोल्ड मेडल की दौड़ से बाहर हुई हरियाणा की रेसलर विनेश फोगाट का पुराना बयान वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया में विनेश ने संदेह जताया था कि उनके साथ पेरिस ओलिंपिक में कुछ गलत होने वाला है। उन्होंने इस पोस्ट में भारत सरकार, SAI और TOPS से कोच की मान्यता को लेकर अपना गुस्सा जाहिर किया था।

वह अपने कोच और फिजियो की मान्यता नहीं दिए जाने को लेकर परेशान थी। इन दोनों की मान्यता को लेकर उनके द्वारा कई बार रिक्वेस्ट डाली गई, लेकिन इस पर कोई सुनवाई नहीं हुई थी। इसके बाद उन्होंने इस पोस्ट के जरिए अपनी इस परेशानी को सार्वजनिक किया था।

पेरिस में होने वाले ओलिंपिक से पहले 19 अप्रैल को एशियन ओलिंपिक क्वालीफाई टूर्नामेंट होने थे, इसके लिए उन्हें अपने कोच और फिजियो की मान्यता लेनी जरूरी थी। इसके लिए उनके द्वारा केंद्र सरकार, को रिक्वेस्ट डाली गई, लेकिन कोच और फिजियो की मान्यता नहीं मिली। बिना मान्यता के वह क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में किसी खिलाड़ी का शामिल होना बहुत मुश्किल होता है।

वीरेंद्र सहवाग की नेटवर्थ उनके बेस्ट टेस्ट स्कोर से है 10 लाख गुना ज्यादा, सबसे अमीर भारतीय क्रिकेटर्स में हैं पांचवें नंबर पर

वीरेंद्र सहवाग को क्रिकेट इतिहास के सबसे विध्वंसक बल्लेबाजों में से एक माना जाता है। सहवाग ने क्रिकेट में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के जरिए क्रिकेट फैंस पर अमिट छाप छोड़ी है और उन्हें वीरू, नजफगढ़ के नवाब और मुल्तान के सुल्तान जैसे नामों से भी जाना जाता है। सहवाग ने इंटरनेशनल क्रिकेट में एक अप्रैल 1999 को डेब्यू किया था और पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला वनडे मैच खेला था और उसके बाद उन्होंने 3 नवंबर 2001 को साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट और फिर एक दिसंबर 2006 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही टी20आई में पदार्पण किया था।

टेस्ट में सबसे तेज तिहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड है सहवाग ने नाम

सहवाग अपने शांत स्वभाव, लेकिन मैदान पर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए खूब जाने जाते हैं और उनका स्क्वायर कट सबसे ज्यादा मशहूर था। सहवाग भारत की तरफ से टेस्ट प्रारूप में दो

तिहरा शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं तो वहीं टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज तिहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम पर दर्ज है। उन्होंने 278 गेंदों पर टेस्ट में अपना तिहरा शतक पूरा किया था। इसके अलावा साल 2004 में उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 309 रन की पारी खेली थी और इसके बाद उनका नाम मुल्तान का सुल्तान पड़ा। सहवाग का टेस्ट में बेस्ट स्कोर 319 रन था।

सहवाग की नेटवर्थ है 332 करोड़ रुपये

सहवाग का क्रिकेट करियर काफी सफल रहा और उनकी वित्तीय स्थिति भी काफी अच्छी है। 2015 की आईपीएल नीलामी में उनकी कीमत 3.2 करोड़ रुपये थी और उनकी आय में रिटेनरशिप फीस, टेस्ट, वनडे और टी20 फॉर्मेट की मैच फीस शामिल है। सहवाग ने एड के जरिए भी पैसे कमाए और अब उनकी कुल संपत्ति 332 करोड़ रुपये है। वीरेंद्र सहवाग इस वक्त सबसे अमीर भारतीय क्रिकेटर्स की लिस्ट में पांचवें नंबर पर हैं। सहवाग की कमाई कमेंट्री से भी होती है साथ ही साथ वो स्कूल के जरिए भी कमाई करते हैं। क्रिकेट के अलावा,सहवाग को पुराने हिंदी गाने पसंद हैं खास तौर पर वो किशोर कुमार, मोहम्मद रफी और लता मंगेशकर के फैन हैं और उन्हें खीर का काफी शौक है।

आरती से हुई थी सहवाग की शादी

सहवाग का क्रिकेट करियर भी विवादों से अछूता नहीं रहा और पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी के साथ उनकी प्रतिद्वंदिता जगजाहिर है। उन्होंने साल 2010 में एक ऐसी घटना का सामना किया जिसमें श्रीलंका के गेंदबाज रणदीव ने उन्हें जानबूझकर नो-बॉल फेंकी जिसकी वजह से सहवाग अपना शतक पूरा नहीं कर पाए थे। इन सारी चुनौतियों के बावजूद सहवाग का क्रिकेट के प्रति प्यार और उनकी आक्रामक शैली में कभी कोई बदलाव नहीं आया। मैदान से बाहर सहवाग एक फैमिली मैन हैं और उनकी शादी आरती अहलावत से हुई थी और उनके दो बेटे आर्यवीर और वेदांत हैं। सहवाग का हरियाणा के झज्जर में एक स्कूल भी है जिसका नाम सहवाग इंटरनेशनल स्कूल है।

'ओलंपिक के कारण सर्जरी टाल रहा था' : नीरज

भारत के भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद अपनी चोट का खुलासा करते हुए कहा कि उन्हें प्रतिस्पर्धा करने के लिए कड़ी मेहनत करने के बाद जल्द ही सर्जरी करानी पड़ सकती है। नीरज पेरिस ओलंपिक से पहले जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी में (एडक्टर) परेशानी से जूझते आए हैं। उन्होंने हालांकि गुरुवार को सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास 89.45 मीटर के साथ रजत पदक हासिल किया। वह दो ओलंपिक पदक जीतने वाले भारत के पहले ट्रैक एवं फील्ड एथलीट बन गए। उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था।

पाकिस्तान के नदीम से पीछे रहे नीरज

नीरज पाकिस्तान के अरशद नदीम से पीछे रहे, जिन्होंने 92.97 मीटर के ओलंपिक रिकॉर्ड थ्रो के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। नदीम इसके साथ ही पाकिस्तान के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बन गए। नीरज ने इस विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। अपनी सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं होने के बाद भी नीरज लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले तीसरे भारतीय बने। उनसे पहले सुशील कुमार (कुश्ती) और पीवी सिंधू (बैडमिंटन) ने यह कारनामा किया है।

नीरज ने 2023 विश्व चैंपियनशिप का जिक्र करते हुए कहा, मेरे दिमाग में काफी कुछ चल रहा था। जब मैं थ्रो कर रहा होता हूं तो मेरा 60-70 प्रतिशत ध्यान चोट पर होता है। मैं चोटिल नहीं होना चाहता था। जब भी मैं थ्रो करने जा रहा था तो आपने देखा होगा कि मेरी गति कम थी। डॉक्टर ने मुझे पहले ही सर्जरी करने के लिए कहा था लेकिन मेरे पास विश्व चैंपियनशिप से पहले या बाद में इतना समय नहीं था। ओलंपिक की तैयारी में बहुत समय लगता है। मैंने अब भी इसे जारी रखा है। खेल में यह अच्छी स्थिति नहीं होती है। आप अगर लंबा करियर चाहते हैं तो आपको फिट और स्वस्थ रहना होगा। इस स्तर की प्रतियोगिताओं के कारण कई बार आप निर्णय नहीं ले सकते। अब हम इस पर काम करेंगे और तकनीक में भी सुधार करेंगे।

नीरज ने यह भी बताया कि फिटनेस के मामले में पिछले सात साल उनके लिए कितने कठिन रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे 2017 में यह दर्द महसूस हुआ। उसके बाद मैंने बहुत इलाज करवाया। लेकिन इसके लिए मुझे एक बड़ा फैसला लेना होगा। मैं अपनी टीम के साथ मिलकर इस पर फैसला लूंगा।

90 मीटर को लेकर क्या बोले नीरज?

नीरज ने 90 मीटर की दूरी का जिक्र किए बिना कहा कि उनके पास और बड़ा थ्रो करने की क्षमता है। नीरज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2022 में आया था जब उन्होंने 89.94 मीटर की दूरी हासिल की थी। उन्होंने कहा, मैंने 2016 में अच्छी दूरी तय की और फिर 2018 में मैंने एशियाई खेलों में 88 मीटर का थ्रो किया था। उसके बाद मुझे लगता है कि इसमें काफी सुधार कर सकता हूं। इसलिए, जब तक ऐसा नहीं होता, मैं इस कोशिश को जारी रखूंगा। मैं आपको बताना चाहता हूं मेरा पास काफी अधिक क्षमता है और मैं यह करूंगा। मैं अपने दिमाग को भविष्य के लिए तैयार रखूंगा। मैं चीजों पर काम करूंगा। मैं खुद को फिट रखूंगा।

नीरज ने कहा कि इस चोट के कारण उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा, मैं अपनी पूरी रन अप के साथ भाला नहीं फेंक पा रहा था। मैं पिछले एक-दो साल से कम रन अप के साथ प्रयास कर रहा हूं। अभ्यास में खिलाड़ी एक सत्र में 40-50 थ्रो करते है, लेकिन चोटिल होने के डर के कारण मुझे ऐसा करने में दो-तीन सप्ताह लग गए। यह काफी मुश्किल है लेकिन मैंने अपने खेल को जारी रखा है।

बैंकिंग कानूनों में संशोधन से जुड़ा विधेयक लोकसभा में पेश

ग्राहकों को मिलेगी चार नॉमिनी की सुविधा

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। जमाकर्ताओं की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने और ग्राहकों की सुविधा बढ़ाने के लिए शुक्रवार को लोकसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया गया। इस विधेयक में एक बैंक खाताधारक को अपने खाते में चार नामित व्यक्तियों (नॉमिनी) जोड़ने का प्रावधान करने का प्रस्ताव दिया गया है। यह विधेयक निचले सदन में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी की ओर से पेश किया गया। विधेयक के प्रावधान के अनुसार, एक बैंक खाताधारक को अधिकतम चार व्यक्तियों को नामित करने की सुविधा मिलेगी। विधेयक में कहा गया है कि चूंकि बैंकिंग क्षेत्र बीते वर्षों के दौरान विकसित हुआ है ऐसे में बैंक शासन में सुधार करना आवश्यक हो गया है। विधेयक में भारतीय

रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934, बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955, बैंकिंग कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम, 1970 और बैंकिंग कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम, 1980 में संशोधन का प्रस्ताव है। प्रस्तावित विधेयक में शासन मानकों में सुधार लाने, बैंकों द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक को रिपोर्ट देने में एकरूपता प्रदान करने, जमाकर्ताओं और निवेशकों के लिए बेहतर संरक्षण सुनिश्चित करने, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में लेखा परीक्षा गुणवत्ता में सुधार करने, नामांकनों के संबंध में ग्राहकों को सुविधा प्रदान करने और सहकारी बैंकों में निदेशकों के कार्यकाल में वृद्धि का प्रावधान करने का प्रयास किया गया है। विधेयक में एक प्रस्ताव निदेशकों के लिए 'पर्याप्त ब्याज' को फिर से परिभाषित करने से संबंधित है, इसके तहत लगभग छह दशक पहले तय की गई 5 लाख रुपये की वर्तमान सीमा को बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये करने की बात कही गई है। कांग्रेस सदस्य मनीष तिवारी ने विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि सहकारी समितियों के बारे में कानून बनाने की शक्ति राज्य सरकारों के पास है। आरएसपी सदस्य एन प्रेमचंद्रन ने एक विधेयक के जरिए पांच विधेयकों में संशोधन का विरोध किया जबकि तृणमूल कांग्रेस सदस्य सौगत राय ने विधेयक को अनावश्यक बताते हुए कहा कि विधेयक में प्रस्तावित संशोधन प्रशासनिक फैसलों के जरिए किए जा सकते थे। विपक्ष की टिप्पणी का जवाब देते हुए, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सहकारी बैंकों के संबंध में बैंकिंग विनियमन अधिनियम में बदलाव के प्रस्ताव इसलिए दिए गए हैं क्योंकि ऐसे बैंक केवल एक या दो नहीं बल्कि कई हैं। वित्त मंत्री ने कहा, हम बैंकों के रूप में होने का दावा करने वाले सहकारी समितियों के अलावे किसी को भी नहीं छू रहे हैं। संशोधन के लिए लाई गई धाराओं और अदालत के फैसलों ने बार-बार इस बात को पुख्ता किया है कि बदलाव किए जाने चाहिए। उन्होंने विधेयक का बचाव करते हुए कहा कि सहकारी समितियों, विशेष रूप से बैंकों को छोड़कर अन्य सहकारी समितियों को कमजोर करने का कोई प्रयास नहीं किया जाएगा।

एसबीआई ने चालू वित्तीय वर्ष में 7% की वृद्धि दर रहने का अनुमान जताया, आरबीआई के अनुमानों से कम है आंकड़ा

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी एक सालाना रिपोर्ट में देश की वास्तविक जीडीपी की वृद्धि दर वित्तीय वर्ष 2024-25 में 7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। यह आंकड़ा भारतीय रिजर्व बैंक के 7.2% के अनुमान से थोड़ा कम है। स्टेट बैंक ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में वृद्धि दर में 20 आधार अंकों की गिरावट का कारण वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितताओं को बताया है। रिपोर्ट में कहा गया है, हमें वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर वित्तीय वर्ष 2024-25 में 7% रहने का अनुमान है। अनुमानों में कटौती का आधार वैश्विक स्तर पर बढ़ी हुई अनिश्चितताएं हैं। रिपोर्ट में गिरावट के बावजूद यह कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत विकास प्रदर्शित कर रही है और इस साल सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बने रहने की उम्मीद है। एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025 के लिए उसका जीडीपी अनुमान कई सकारात्मक कारकों पर आधारित है, जिसमें लाभांश द्वारा समर्थित राजकोषीय बफर में वृद्धि, मानसून की स्थिति में सुधार के कारण कृषि गतिविधि में प्रत्याशित रिकवरी और मजबूत विनिर्माण गतिविधि के बीच निजी पूंजीगत व्यय में वृद्धि शामिल है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने गुरुवार को वित्त वर्ष 2020-25 के लिए अपने समग्र विकास अनुमान को 7.2 प्रतिशत पर बनाए रखा। हालांकि, एमपीसी ने वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के वृद्धि अनुमान को संशोधित कर 7.1 प्रतिशत कर दिया है, जो उसके पिछले अनुमान से 20 आधार अंक कम है। यह बदलाव मुख्य रूप से औद्योगिक उत्पादन, कॉर्पोरेट मुनाफे और सामान्य सरकारी व्यय में नरमी की आशंकाओं को देखते हुए किया गया। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 7.2 प्रतिशत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि के साथ आर्थिक विकास को रेखांकित किया और जून में हेडलाइन मुद्रास्फीति घटकर 5.1 प्रतिशत हो गई।

राजनेताओं के बैंक खातों की जांच प्रक्रिया और कड़ी हो'

रिपोर्ट्स में दावा- एफएटीएफ ने की सिफारिश

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की वैश्विक धनशोधन रोधी निगरानी संस्था ने भारत से स्थानीय नेताओं, सरकारी अधिकारियों और उनके परिवारों के बैंक खातों की जांच पड़ताल प्रक्रिया में सुधार करने को कहा है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने सरकार से जुड़े दो सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। राजनीतिक रसूख वाले व्यक्तियों की वित्तीय स्थिति की कड़ी जांच की सिफारिश वर्ष 2023 में शुरू हुई भारत की धन-शोधन रोधी प्रणालियों की एफएटीएफ की समीक्षा का हिस्सा है। एफएटीएफ जल्द ही इस संबंध में अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रकाशित करने वाला है। वैश्विक नियमों के तहत, राजनेता, उनके परिवार और करीबी सहयोगियों की ओर से रिश्वत और भ्रष्टाचार के मामलों में संलिप्त रहने की आशंका के कारण उनके बैंक खातों की जांच जरूरी है। सरकार के साथ साझा की गई एफएटीएफ की एक रिपोर्ट में घरेलू पीईपी के खातों में धन के स्रोत की अधिक कठोर निगरानी की सिफारिश की गई है। इसके साथ ही रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसे लोगों या उनके परिवारों के लिए किसी भी नए खातों को मंजूरी बैंक के शीर्ष प्रबंधकों की ओर से दी जानी चाहिए। भारत में पहले से ही वैश्विक राजनीतिक हस्तियों के मामले में सख्त बैंकिंग जांच प्रक्रिया लागू है। वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ सूत्र ने कहा, कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें हमें सुधार करने की जरूरत है। पिछले दिसंबर में, आम चुनावों से पहले, सरकार ने संसद को बताया था कि वह घरेलू राजनीतिक शख्सियतों को सख्त बैंकिंग जांच के दायरे में लाने का इरादा नहीं रखती है। उस दौरान सरकार ने यह भी कहा था कि वह कोई भी बदलाव करने से पहले एफएटीएफ की रिपोर्ट का इंतजार करेगी। एफएटीएफ ने जून में कहा था कि भारत धनशोधन रोधी कानूनों को लागू करने के मामले में उच्च स्तर की जांच प्रक्रिया का पालन करने लगा है एक सूत्र ने कहा कि सरकार के पास अगली समीक्षा से पहले अनुशंसित बैंकिंग नियमों को लागू करने के लिए पांच साल का समय है। सूत्रों के अनुसार एफएटीएफ ने भारत को धनशोधन रोधी कानूनों को लागू करने से जुड़े 40 मानकों में से 37 पर अनुपालन और बड़े पैमाने पर अनुपालन करने वाला बताया है। जिन तीन क्षेत्रों में आंशिक अनुपालन की बात कही गई है उनमें घरेलू राजनीतिक हस्तियों की बैंक जांच और गैर-लाभकारी संगठनों, गैर-वित्तीय व्यवसायों व पेशेवरों की वित्तीय निगरानी शामिल है।

चीन से दोस्ती पाकिस्तान को पड़ सकती है भारी

यूरोप में बैन हो सकती है बासमती, क्या है मामला

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान की बासमती पर यूरोप में सवाल उठ रहे हैं। पाकिस्तान से भेजी गई ऑर्गेनिक बासमती की एक खेप में जर्मनी में जेनेटिकली मॉडिफाइड चावल पाया गया है। यूरोपीय यूनियन की जांच में यह बात सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल में जारी एक अलर्ट में कहा गया है कि नीदरलैंड के जरिए बासमती की यह खेप जर्मनी पहुंची थी। जर्मनी और लग्जमबर्ग में सरकारी प्रयोगशालाओं में जांच के दौरान पाकिस्तान से आई बासमती में जेनेटिकली मॉडिफाइड चावल पाया गया है। इससे भारत को ईयू में बासमती चावल की एक्सक्लूसिव मार्केटिंग के लिए जीआई टैग मिलने में मदद मिल सकती है। भारत ने जुलाई 2018 में इसके लिए आवेदन किया था जबकि पाकिस्तान ने भी इस साल

की शुरुआत में इसके लिए याचिका डाली थी। जून 2021 में भारत से भेजी गई चावलों की एक खेप में भी 500 टन जीएम राइस पाया गया था लेकिन वह बासमती चावल नहीं था। एक बार जीएम के अंश कमर्शियल बीजों में आ जाते हैं तो उसे साफ करना मुश्किल होता है। अमेरिका के चावल उद्योग को लिबर्टीलिंक जीएम चावल से छुटकारा पाने में 10 साल का समय लग गया था। जानकारों का कहना है कि चीन के वैज्ञानिक पाकिस्तान में जीएम राइस की वेराइटीज पर प्रयोग कर रहे हैं। शायद वहीं से यह बासमती में आया होगा। यूरोपियन यूनियन जीएम प्रॉडक्ट्स को लेकर काफी संवेदनशील है। बासमती की खेप में जीएम राइस मिलना इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान से एक्सपोर्ट के दौरान सर्विलांस में कमी है। इससे यूरोप नियमों को सख्त कर सकता है।

सोना मसूरी ब्राउन का एक्सपोर्ट

इस बीच हिंदू बिजनसलाइन की एक रिपोर्ट के मुताबिक एगटेक स्टार्टअप स्वस्थ्य ईकोहारवेस्ट देश से सोना मसूरी ब्राउन चावल की पहली खेप यूरोप को भेजने की तैयारी कर रहा है। कंपनी का कहना है कि सबकुछ सही रहा तो इस महीने के अंत तक इसकी पहली खेप यूरोप भेजी जा सकती है। इस चावल को एआई कंट्रोल्ड क्वालिटी कंट्रोल प्रोग्राम के तहत तमिलनाडु में उगाया जा रहा है। अगले पांच साल में 1.5 लाख टन चावल निर्यात का लक्ष्य है।

ग्लोबल संकेतों के चलते सेंसेक्स 820 और निफ्टी 250 अंकों के उछाल के साथ बंद

ट्रेंट के स्टॉक में 11% का उछाल

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। ग्लोबल संकेतों के चलते भारतीय शेयर बाजार हफ्ते के आखिरी कारोबारी सत्र में शानदार तेजी के साथ बंद हुआ है। आईटी, एनर्जी और बैंकिंग शेयरों में खरीदारी के चलते बाजार में ये तेजी रही। अमेरिका में मंदी आने का खतरा टलता नजर आ रहा है जिसके चलते बाजार में ये तेजी देखने को मिली है। आज का कारोबार खत्म होने

पर बीएसई सेंसेक्स 820 अंकों की तेजी के साथ 79,706 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 250 अंकों की तेजी के साथ 24,367 अंकों पर क्लोज हुआ है।

तेजी वाले शेयर्स

आज के कारोबार में टाटा की ट्रेंट का शेयर 11.18 फीसदी या 631 रुपये की तेजी के साथ 6275 रुपये का लाइफटाइम हाई पर बंद हुआ है। इसके अलावा आईशर मोटर्स 5.54 फीसदी, ओरैकल फिन सर्विसेज 5 फीसदी, इंफोएज 4.37 फीसदी, एसबीएक्स इंडिया 3.92 फीसदी, सन टीवी नेटवर्क 3.68 फीसदी, केनरा बैंक 3.27 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है। इसके अलावा लुपिन, ओएनजीसी, श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में भी भारी खरीदारी देखी गई।

बजाज फाइनेंस पर 341 करोड़ की टैक्स चोरी का आरोप

डीजीजीआई ने भेजा नोटिस, ब्याज के साथ 850 करोड़ से ज्यादा देना होगा

मुंबई, 9 अगस्त (एजेंसियां)। डायरेक्टर जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस (डीजीजीआई) ने बजाज फाइनेंस को 341 करोड़ की कथित टैक्स चोरी को लेकर नोटिस जारी किया है। जीएसटी चोरी की जांच करने वाली एजेंसी ने 3 अगस्त के नोटिस में बजाज फाइनेंस पर सर्विस चार्ज को गलत तरीके से इंटरेस्ट चार्ज दिखाने का आरोप लगाया है। कंपनी ने यह टैक्स बचाने के लिए किया है। इकोनॉमिक्स टाइम्स ने अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। हालांकि, कंपनी की ओर से ऑफिशियल तौर पर इसके बारे में कोई भी जानकारी नहीं दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, बजाज फाइनेंस ने इस मामले पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

अब तक के हिसाब से देना पड़ सकता है 850 करोड़

रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी को जून 2022 से मार्च 2024 तक कथित 341 करोड़ की टैक्स चोरी पर 100% पेनल्टी, 150 करोड़ का इंटरेस्ट और पेमेंट किए जाने तक हर दिन के हिसाब से 16 लाख रुपए का डेली इंटरेस्ट भरना पड़ सकता है। अभी तक के हिसाब से बजाज फाइनेंस के खिलाफ 850 करोड़ की टैक्स डिमांड पहुंच सकती है।

बजाज फाइनेंस के शेयर ने इस साल अब तक 9.59% का निगेटिव रिटर्न दिया

बजाज फाइनेंस का शेयर आज 0.41% की तेजी के साथ 6,608 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। पिछले 5 दिन में इसमें 0.44% की तेजी देखने को मिली है। हालांकि, पिछले 1 महीने में बजाज फाइनेंस के शेयर ने 6.64%, 6 महीने में 0.83% और एक साल में 7.39% का निगेटिव रिटर्न दिया है। वहीं, इस साल तक बजाज फाइनेंस के शेयर में 9.59% की गिरावट देखने को मिली है।

टैक्स के बोझ से अंबानी-बिड़ला भी परेशान

बोले – हम नहीं भर पाएंगे!

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। इस साल बजट में जब इनकम टैक्स की पुरानी रिजीम में कोई बदलाव नहीं किया गया, तो बड़ी संख्या में इस रिजीम को अपनाने वाले टैक्सपेयर्स को लगा कि क्या अब उनका टैक्स बोझ कभी कम होगा? अलग-अलग तरह के टैक्स के इस बोझ से सिर्फ आम आदमी ही परेशान नहीं होता है, बल्कि देश के कई बड़े उद्योगपति जैसे मुकेश अंबानी, सुनील भारती मित्तल और कुमार मंगलम बिड़ला भी इससे परेशान होते हैं। तभी तो इस एक मामले में उनका कहना है कि 'वे टैक्स नहीं भर पाएंगे'. दरअसल देश की तीन प्रमुख टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल, वोडाफोन आइडिया और रिलायंस जियो का कहना है कि वह प्रिंटेड सर्किट बोर्ड असेंबली पर बढ़ाए गए कस्टम ड्यूटी के बिजनेस के बोझ को उठाने में सक्षम नहीं हैं।रिलायंस जिय, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने नोकिया, एरिक्सन और सैमसंग जैसी 4जी और 5जी नेटवर्क गियर बनाने वाले कंपनियों से कहा है कि वह प्रिंटेड सर्किट बोर्ड पर बढ़ाई गई 5 प्रतिशत बेसिक कस्टम ड्यूटी का बोझ खुद उठाएं. वह इस राशि को चुकाने की स्थिति में नहीं है.ईटी ने इस मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों के हवाले से कहा है कि इन कंपनियों का तर्क है कि वह अपने 4जी और 5जी नेटवर्क का विस्तार कर रही हैं. इतना ही नहीं उन्होंने अभी अपने 5जी नेटवर्क को मोनेटाइज नहीं किया है. ना ही उससे पैसा कमाना शुरू किया है. इसलिए वह बढ़ी हुई ड्यूटी भरने की इस स्थिति में नहीं है.देश की सभी टेलीकॉम कंपनियों ने हाल में अपने टैरिफ प्लान में भी 11 से 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है. कंपनियों का कहना है कि इस टैरिफ हाइक का फायदा भी कंपनियों के पास अक्टूबर-दिसंबर तक ही पहुंचेगा. इसलिए वे चाहती हैं कि नेटवर्क गियर प्रोवाइड करने वाले ग्लोबल वेंडर्स बढ़े हुए टैक्स का बोझ खुद वहन करें.कंपनियों की तरफ से ग्लोबल वेंडर्स से ये आग्रह ऐसे समय किया जा रहा है जब भारती एयरटेल और रिलायंस जियो 5जी के फेज-2 विस्तार के लिए करीब लगभग दो अरब डॉलर के नेटवर्क गियर खरीदने जा रही हैं।

वित्तीय वर्ष में एलआईसी का बेहतर कार्य निष्पादन: सिद्धार्थ मोहंती

निदेशक मंडल ने 30 जूनको समाप्त तिमाही हेतु स्टैंडअलोन व समेकित वित्तीय परिणामों को दी मंजूरी

हैदराबाद, 9 अगस्त, (स्वतंत्र वार्ता)। एलआईसी के सीईओ व एमडी, सिद्धार्थ मोहंती ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में एलआईसी का बेहतर कार्य निष्पादन मिला है। एलआईसी के निदेशक मंडल ने 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए स्टैंडअलोन और समेकित वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी है और इसे अपनाया है। 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए कर के बाद लाभ (पीएटी) 10,461 करोड़ रुपये रहा। भारतीय जीवन बीमा व्यवसाय में बाजार हिस्सेदारी के मामले में 64.02% की हिस्सेदारी के साथ अग्रणी बनी हुई है। 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए, एलआईसी की व्यक्तिगत व्यवसाय में 39.27% और समूह व्यवसाय में 76.59% बाजार हिस्सेदारी रही। 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए कुल प्रीमियम आय 1,13,770 करोड़ रुपये रही। 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए, कुल व्यक्तिगत व्यवसाय प्रीमियम पिछले वर्ष की तुलनात्मक

अवधि के 62,773 करोड़ रुपये से बढ़कर 67,192 करोड़ रुपये हुआ, जो 7.04% की वृद्धि दर्शाता है। 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए समूह व्यवसाय की कुल प्रीमियम आय 46,578 करोड़ रुपये रहा, जबकि 30 जून, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए यह 35,590 करोड़ रुपये थी, जो 30.87% की वृद्धि दर्शाती है। 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के दौरान व्यक्तिगत खंड में कुल 35,65,519 पॉलिसियाँ बेची गईं, जबकि 30 जून, 2023 को समाप्त तिमाही के दौरान 32,16,301 पॉलिसियाँ बेची गईं, जो 10.86% की वृद्धि दर्शाती है। वार्षिक प्रीमियम समतुल्य (एपीई) आधार पर, कुल प्रीमियम 46,578 करोड़ रुपये रहा। 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए 11,560 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। इसमें से 58.37% (6,747 करोड़ रुपये) व्यक्तिगत व्यवसाय और 41.63% (4,813 करोड़ रुपये) समूह व्यवसाय के खाते में आया। व्यक्तिगत व्यवसाय के भीतर एपीई आधार पर सममूल्य उत्पादों का हिस्सा 76.06% (5,132 करोड़ रुपये) रहा और शेष 23.94% (1,615 करोड़ रुपये) गैर सममूल्य उत्पादों के कारण रहा। गैर सममूल्य एपीई 30 जून, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए 608 करोड़ रुपये से बढ़कर 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए 1,615 करोड़ रुपये हुआ है, जो 165.63% की वृद्धि को दर्शाता है। इसलिए, एपीई आधार पर, व्यक्तिगत व्यवसाय का हमारा गैर-बराबर हिस्सा, जो 30 जून, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए 10.22% था, 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए बढ़कर 23.94% हुआ है। 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए नए व्यवसाय का मूल्य (वीएनबी) 1,610 करोड़ रुपये था, जबकि 30 जून, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए यह 1,302 करोड़ रुपये था, जो 23.66% की वृद्धि दर्ज करता है। 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए शुद्ध वीएनबी मार्जिन 20 बीपीएस बढ़कर 13.9% हो गया, जबकि 30 जून, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए यह 13.7% रहा। 30 जून, 2024 को सॉल्वेंसी अनुपात 30 जून, 2023 को 1.89 के मुकाबले बढ़कर 1.99 हुआ। 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए, 13वें महीने और 61वें महीने के लिए प्रीमियम आधार पर दृढ़ता अनुपात क्रमशः 78.23% और 61.62% रहा। 30 जून, 2023 को समाप्त इसी तिमाही के लिए, तुलनीय दृढ़ता अनुपात क्रमशः 78.37% और 62.73% रहा।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	कर्क	मे
चंद्र-	कन्या	मे
मंगल	वृष	मे
बुध-	सिंह	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	सिंह	मे
शनि-	कुंभ.	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय	
कर्क-	04-16 बजे
सिंह..	06-29 बजे
कन्या..	08-36 बजे
तुला...	10-40 बजे
वृश्चिक..	12-50 बजे
धनु....	15-04 बजे
मकर...	17-11 बजे
कुंभ...	19-01 बजे
मीन-	20-40 बजे
मेष---	22-15 बजे
वृष--	00-09 बजे
मिथुन-	02-00 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-01
सूर्यास्त. - 18-41
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी 05- 45 तक उपरान्त सप्तमी
मास - श्रावण शुक्ल, शनिवार 10 August
नक्षत्र - चित्रा 05-48 तक उपरान्त स्वाति
योग - साध्य 14-51 तक उप शुभ
करण- कौलव 16-31 तक उप तैतिल
विशेष:- वर्ण षष्ठी
व्रत -त्योहार - श्री कल्कि जं.

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:10 से 10:46 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	06:01 - 07:35	अशुभ	लाभ	18:41 - 20:08	शुभ
शुभ.	07:35 - 09:10	शुभ	उत्पात	20:08 - 21:32	अशुभ
रोग	09:10 - 10:46	अशुभ	शुभ	21:32 - 22:57	शुभ
उत्पात	10:46 - 12:21	अशुभ	अमृत	22:57 - 00:21	शुभ
चंचल	12:21 - 13:57	शुभ	चंचल	00:21 - 01:46	शुभ
लाभ.	13:57 - 15:32	शुभ	रोग	01:46 - 03:10	अशुभ
अमृत.	15:32 - 17:08	शुभ	काल	03:10 - 04:35	अशुभ
काल.	17:08 - 18:41	अशुभ	लाभ	04:35 - 06:01	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
अपने हाल फिलहाल इसलिए धन खोया क्यों की आपने अविवेकपूर्ण तरीके से जल्दी पैसे देने वाली मृगतृष्णाओ वाली परियोजनाओं में पैसे लगाया। इस तरह की और परियोजनाओं आपके समक्ष आएगी लेकिन आपको अपने विवेक का इस्तेमाल करना है अन्यथा आप वित्तीय परेशानी में फँस सकते है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपको सर्वशक्तिमान के संदेश अपने किसी निकट के व्यक्ति से मिल रहे हैं। उन्हें प्राप्त करने के लिए ग्रहणशील रहे और निर्देशो का पालन करने की कोशिश करे। आपको अपने कार्य योजना में परिवर्तन करना होगा ताकि कोई गलती न हो जिसे आप पूर्ववत नहीं कर सकते है। वित्तीय स्थिति और खर्च में अच्छा संतुलन बना रहेगा, हालाँकि आप खर्चीले साबित हो सकते है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप ऐसे लोगों को खोजने की कोशिश करें जो आप के लिए कुछ उपयोगी जानकारी की आपूर्ति कर सकते हैं। आप कुछ बड़ा सोच रहे हो और इस जोखिम को लेने के लिए यह सही समय है। महत्वहीन मुद्दों के हल के लिए अपने समय की बचत करें। जितनी चादर हो उतने ही पैर फैलाये अर्थात आमदनी के हिसाब से धन का व्यय करे!

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,
छात्रों के लिए, यह किसी भी परीक्षा में उतरने लिए एक अच्छा दिन है। सफलता आपके साथ है। पेशेवरों के लिए, आपके कार्य स्थल पर एक सकारात्मक दिन होगा। लंबित मुद्दों का हल मिलेगा। अगर आपको लगता है की वेतन वृद्धि के लिए आज का दिन उपयुक्त है तो अपने उच्च अधिकारियो से बात करने का दिन आज अच्छा है।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,
कुछ भ्रम की स्थिति आज आपके कार्य क्षेत्र में आने की संभावना है। आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी अच्छे तरीके से कार्य कर रहे है, साथ ही साथ आपको एक व्यापार में शामिल होने के लिए एक प्रस्ताव मिल सकता है जो काफी भरोसेमंद है और पुरस्कार से भरपूर भी परन्तु इस तरह का प्रस्ताव आप ने पहले न देखा न सुना इसलिए आप अनिर्णय की स्थिति में रहेंगे।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
चीजें आपके अनुसार कार्य नहीं कर रही है जैसे की अपने योजना बनाई थी, लेकिन आपको इस कारण से आक्रामक नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे आपके सारे प्रयास बर्बाद हो सकते हैं। कार्य में प्रगति के लिए आपको धैर्य की आवश्यकता होगी लेकिन ये इतनी आसानी से आपको नहीं मिलेगा। आप से कम प्रतिभाशाली व्यक्ति आपके समक्ष आ सकता है।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,
अगर आप अपनी क्षमता से कार्य करने की कोशिश करेंगे, तो आपके प्रयासों को उदारता से पुरस्कृत किया जाएगा, तो अपने काम और जिम्मेदारी पर ध्यान केंद्रित करे। आपकी ओर से की गयी कोई लापरवाही आप के लिए भारी पड़ सकती हैं, हालांकि दिन मौद्रिक लाभ के लिए शुभ है। आपका पिछला निवेश आपको अच्छी आमदनी दे सकता है।

वृश्चिक तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,
जब लोहा गर्म हो तो उस पर निशाना लगाये! यह विशेष रूप से प्रेरक वक्ताओं की भूमिका या इसी तरह की भूमिका वालो के लिए एक महान दिन है। आज आप जनता के साथ बेहतर संवाद करने में सक्षम होंगे और आपको उस के लिए उच्च भुगतान भी किया जा सकता है। तो आप आगे बढे और इस तरह प्रदर्शन करे की लोग आप की बाते सुनने के लिए लालायित रहे।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
आज के दिन हालाँकि आप अपनी नौकरी और कार्य क्षेत्र से काफी संतुष्ट है परन्तु क्रोध के कारण आप अपना आपा खो सकते है और किसी सहकर्मी से आप विवाद में फँस सकते है। इन घटनाओ की वहज से कोई लापरवाही भरा निर्णय न ले जो की आपके लिए अच्छा न हो। आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
रोजगार और आय के नए अवसर आज आपको मिल सकते है। आपको आगे बढ़ने के काफी अवसर मिलेंगे जिसको लेकर आप समझ नहीं पाएंगे की कौन सा विकल्प आपके लिए अच्छा है, जिसे लेकर आप आगे बढ़ सकते है। आज परिवार और कार्य क्षेत्र में संतुलन बिठाना मुश्किल हो सकता है और आप अपने कार्य क्षेत्र को परिवार की तुलना में ज्यादा महत्व देंगे।

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
ग्रहों के प्रभाव के कारण आपके प्रेम की जिंदगी में एकदम से तीव्रतम ऊर्जा का संचार होगा। आपका साथी काफी आक्रामक रवैया अपना सकता है और आप इस बात से अनभिज्ञ रहेंगे की किस तरह से आप इसे संभाले। अगर आप एकल है, तो आप उस व्यक्ति के साथ जा सकते है जिससे आप अभी तक दूर रहते और परहेज करते थे।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
आपके अनिर्णय की स्थिति से बिना बात की परेशानी पैदा हो सकती है | परिवार से जुड़े और रियल एस्टेट से जुड़े हुए मुद्दों को आपको अब गंभीरता से लेने की जरुरत है |आपको इनसे सम्बंधित कोई पत्र प्राप्त होगा |पुरानी अधूरी -अनसुलझी बातें अब आपको परे.।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सीएम साय ने शुरू किया हर घर तिरंगा अभियान

प्रदेशभर में कार्यक्रम करेगी बीजेपी

रायपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुरुवार को 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य में स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान नौ से 15 अगस्त तक तिरंगा यात्राएं, तिरंगा रैलियां और तिरंगा मैराथन आयोजित होंगी। उन्होंने बताया कि देश की आजादी का प्रतीक तिरंगा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्य के हर घर में लहराएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री साय ने आज अपने निवास कार्यालय में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में आए लोगों को राष्ट्र ध्वज तिरंगा वितरित कर 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत की।

अधिकारियों ने बताया कि जनदर्शन में उपस्थित नागरिकों ने राष्ट्र ध्वज तिरंगा लहराते हुए 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' का उद्घोष किया। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता सप्ताह नौ से 15 अगस्त तक मनाया जा रहा और उसके अंतर्गत 'हर घर तिरंगा' आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी भारतीय नागरिकों को राष्ट्र ध्वज अपने घर पर फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

अधिकारियों ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान से नई पीढ़ी के साथ-साथ सभी लोगों में राष्ट्रीय भावना जगेगी और राष्ट्र ध्वज के प्रति गौरव और सम्मान भी बढ़ेगा। उनके मुताबिक स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान राज्य से जिला स्तर पर तिरंगा यात्राएं, तिरंगा रैलियां, तिरंगा दौड़ और मैराथन जैसे कई देशभक्तिपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि तिरंगा अभियान में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के दौरान तिरंगा प्रतिज्ञा ली जाएगी। उनके अनुसार इन कार्यक्रमों में शामिल होने वाले लोगों को तिरंगा के साथ सेल्फी लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और उनके परिवारों को स्थानीय कार्यक्रमों में आमंत्रित कर उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

कवर्धा पुलिस ने किया चोर गिरोह का पर्दाफाश

कवर्धा, 9 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा में पुलिस ने चोर गिरोह पर्दाफाश किया है। कवर्धा, बेमेतरा, मुंगेली जिला में चोरी करने वाले 5 शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से 10.25 लाख रुपए की चोरी की सामग्री जब्त की गई है। कबीरधाम पुलिस को जानकारी मिली की पड़ोसी जिला मुंगेली और बेमेतरा जिले में भी जिले की तरह चोरी की घटनाएं बढ़ गई है। इसपर पुलिस ने साइबर सेल और मुखबिर की मदद से चोरों को रंगेहाथ पकड़ने योजना बनाई। जिले के सरहदी सीमा क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी। पुलिस ने संदिग्धों के मोबाइल लोकेशन को ट्रेस करने लगी। बुधवार रात संदिग्ध मोबाइल लोकेशन कबीरधाम जिले में ट्रेस हुआ। जिसपर पुलिस ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू कर दी और जिले से जाने वाले सभी मार्ग पर नाकेबंदी लगा दी।

पूरे झारखंड में बारिश के आसार, 6 जिलों में अलर्ट

11 अगस्त तक कई हिस्सों में हेवी रेन की संभावना, अबतक सामान्य से 14% कम बारिश

रांची, 9 अगस्त (एजेंसियां)। आज पूरे झारखंड में बारिश के आसार हैं। इसे लेकर मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है। 6 जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। राज्य के पश्चिमी हिस्से में अधिक बारिश हो सकती है, क्योंकि इन इलाकों में साइक्लोनिक सर्कुलेशन का क्षेत्र बन रहा है।

रांची से मानसून ट्रफ गुजर रहा है जिसका असर राजधानी में भी देखने को मिल सकता है। राज्य के कई हिस्सों में बारिश के साथ गरज की संभावना है। राज्य में कई जगहों पर वज्रपात की भी संभावना है। झारखंड के जिन जिलों में भारी बारिश की संभावना है, उनमें गढ़वा, पलामू, लातेहार,लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा शामिल हैं। हालांकि, मौसम विभाग ने राज्य के सभी जिलों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना जाहिर की है।

राज्य के कई हिस्सों में वज्रपात को लेकर भी अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। विभाग के अनुसार राज्य में 11 अगस्त तक अच्छी बारिश के आसार हैं राज्य में कई जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। राज्य में पिछले 24 घंटे के तापमान पर नजर डालें तो राज्य के सभी हिस्सों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई है। राज्य के कई जिलों में भारी बारिश भी हुई है। राज्य में सबसे अधिक बारिश सिमडेगा में दर्ज की गई, जहां पिछले 24 घंटे में 163.2 मिमी बारिश हुई।राज्य में सबसे अधिक तापमान गोड्डा में 35.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। राज्य में सबसे कम तापमान रांची में 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। राज्य के चार जिलों में सामान्य बारिश का आंकड़ा पूरा हो गया है। वही झारखंड में अबतक 505.8 मिलीमीटर बारिश हुई है। यह 1 जून से 8 अगस्त के बीच होने वाली सामान्य बारिश से 14 फीसदी कम है। पाकुड़ में सामान्य से 52 फीसदी कम बारिश हुई है, जबकि लोहरदगा में 41 फीसदी, चतरा में 40 फीसदी और देवघर में 39 फीसदी कम वर्षा हुई है।

कैदी को ऐश कराने वाले रायपुर जेल प्रहरी पर एफआईआर

कस्टम मिलिंग के आरोपी को ले गया था होटल, उसके बच्चों को घुमाता रहा मॉल

रायपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कस्टम मिलिंग घोटाले के आरोपी को होटल में ऐश कराने वाले जेल प्रहरी लखन जायसवाल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई है। प्रहरी जायसवाल पर जेल मैन्युअल तोड़ने और अधिकारियों के आदेश का उल्लंघन करने का आरोप है। बताया जा रहा है कि आरोपी प्रहरी जायसवाल के खिलाफ गुरुवार रात गंज थाने में मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस अब उसे गिरफ्तार करेगी। हालांकि अफसरों का कहना है कि आरोपी प्रहरी पर लगी धाराएं जमानती हैं। प्रहरी ने कस्टम मिलिंग घोटाले के आरोपी रोशन चंद्राकर को इलाज के बहाने बाहर ले जाकर 5 घंटे तक होटल में मौज कराई थी। इस खबर को सबसे पहले प्रकाशित किया था।

दरअसल, कस्टम मिलिंग घोटाले का आरोपी रोशन चंद्राकर अभी रायपुर सेंट्रल जेल में बंद है। 2 अगस्त को इलाज के बहाने आरोपी जेल प्रहरी लखन उसे बाहर लेकर निकला। इसके बाद होटल वेनिंगटन पहुंचा दिया। दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक रोशन होटल में ही रहा।

जब आरोपी रोशन चंद्राकर होटल में अपनी पत्नी और अन्य लोगों से मिल रहा था। उस दौरान प्रहरी जायसवाल उसके बच्चों को पंडरी स्थित सिटी सेंटर मॉल घुमा रहा था। उसने छिपने के लिए वर्दी के ऊपर टी-शर्ट पहन रखी थी।

मामला सामने आने के बाद डीजी जेल राजेश मिश्रा ने जेल अधिकारियों को फटकार लगाई है। उन्होंने आरोपी जेल प्रहरी को सस्पेंड कर दिया है। साथ ही प्रदेश के सभी जेल अधीक्षक को आदेश जारी कर ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई करने के लिए कहा है। आदेश में कहा गया है कि, इलाज के दौरान बंदियों को बाहर ले जाकर होटल में चाय-नाश्ता कराने, मोबाइल देने जैसी बातें सामने आ रही हैं। इससे स्पष्ट हो रहा है कि आपका अधीनस्थ कर्मचारियों पर नियंत्रण शिथिल हो रहा है। ऐसे में बंदियों को अवैध तरीके से सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले प्रहरियों पर सख्त कार्रवाई करें। छत्तीसगढ़ के कस्टम राइस मिलिंग घोटाले में आरोपी रोशन चंद्राकर राइस मिलर्स एसोसिएशन का पूर्व कोषाध्यक्ष है। आरोप है कि पद पर रहते रोशन लेवी वसूलता और अफसरों को जानकारी देता था। जिन मिलर्स से कमिशन के रुपए नहीं मिलते उनका भुगतान रोक दिया जाता था। कारोबारियों के अनुसार, अफसरों को हर काम का पैसा देना पड़ता था। ईडी ने करीब 3 माह पहले रोशन चंद्राकर को दिल्ली से गिरफ्तार किया था।

दहेज में लड़की के पिता क्यों देते हैं 9 जहरीले सांप?

खिलौनों से नहीं नागों के साथ खेलते हैं ये बच्चे

कवर्धा, 9 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों में बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग रहते हैं। इनकी परंपराएं और प्रथाएं भी दूसरे लोगों से अलग होती हैं। कवर्धा जिले के बोडला विकासखंड में गौरिया जाति के लोग रहते हैं। यह लोग आज भी अपनी परंपरा को मानते हैं। यहां आज भी बेटी के विवाह में दहेज में 9 सांप दिए जाते हैं। गौरिया समुदाय अपनी परंपरा के अनुसार बेटियों को शादी में 9 सांपों का दहेज देकर सुखमय जीवन जीने का आशीर्वाद देते हैं। यह रिवाज उनके समुदाय में वर्षों से चली आ रही है। 21वीं सदी के चकाचौंध के बीच आज भी यह लोग परंपरा और मान्यताएं मानते हैं।

जहरीले सांप जिसके पास ज्यादा वह अच्छा दूल्हा

शादी से पहले जब कोई पिता अपनी बेटी के लिए अच्छे रिश्ते की तलाश करता है तो धन दौलत नहीं, बल्कि जहरीले सांपों के बारे में पूछता है। जिसके पास ज्यादा जहरीले सांप होते हैं, वहीं अच्छा दूल्हा माना जाता है।

सांपों के साथ खेल-खेल में बड़े होने के बाद जब बेटी के विवाह का समय आता है तो यही सांप दहेज में दिए जाते हैं। गौरिया समुदाय में बेटी के विवाह पर पिता अपने दामाद को 9 सांप दहेज में देता है, ताकि उसका दामाद अपनी आजीविका चला सके। इसे पिता रोजगार का साधन मानते हैं। परिवारों का मानना है कि सांप देनें से दूल्हा उनकी बेटी का जीवन भर गुजारा इन सांपों से कर सकता है।

इस बस्ती में हर घर में कई प्रजाति की सांप देखने को मिल जाएंगे। यहां के बच्चे बचपन से खिलौनों की जगह सांप के साथ खेलना शुरू कर देते हैं और देखते ही देखते सांप ही इनके खास साथी बन जाते हैं। बच्चों को बचपन से ही सांप पकड़ना के गुर सिखाए जाते हैं।

जिले की नागपंचमी बस्ती में रहने वाले लोगों ने बताया कि पहले वे अमरकंटक मार्ग के कोटा परिक्षेत्र के जंगल में रहते थे। वहां इनका डेरा था, लेकिन अब पिछले कई साल से यहां निवासरत हैं। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले ही समुदाय के लोग रोजी रोटी के लिए निकल गए। पिटारे में सांप लेकर सभी परिवार अलग-अलग क्षेत्र में गए हैं। जहां नागपंचमी को सांप का प्रदर्शन कर कुछ पैसे कमा सकेगें।

गर्भवती पत्नी को कुल्हाड़ी से काट डाला

बिलासपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक युवक ने कुल्हाड़ी से काटकर अपनी पत्नी को मार डाला। बताया जा रहा है कि आरोपी शराब पीने का आदी है। पति की इन आदतों से परेशान होकर पत्नी अपने मायके चली गई थी। पति उसे लेने के लिए ससुराल गया, लेकिन वह वापस नहीं आ रही थी। इससे गुस्साए पति ने मार डाला। घटना सीपत थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक ग्राम कुली की विद्या ठाकुर की बेटी रिंकी मौवार (24 वर्ष) की शादी रलिया निवासी प्रकाश मौवार (26 वर्ष) से हुई थी। दोनों ने लव मैरिज थी। शादी के बाद से प्रकाश शराब पीकर मारपीट किया करता था, जिससे रिंकी परेशान थी। इस बीच हरेली तिहार मनाने के लिए अपने वह अपने मायके कुली गांव आई थी। रिंकी और प्रकाश ने साल 2023 में लव मैरिज की थी। रिंकी 7 महीने की गर्भवती थी। पति की प्रताड़ना से परेशान रिंकी अपनी ससुराल लौटने के लिए तैयार नहीं थी। वहीं, प्रकाश उसे ले जाने के लिए मना रहा था। इसके बाद भी वह ससुराल नहीं जाना चाह रही थी।

छत्तीसगढ़ में क्यों हारी कांग्रेस?

8 महीने बाद भूपेश बघेल के करीबी ने खोल दिया राज

अंबिकापुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने छत्तीसगढ़ में बीजेपी सरकार के छह महीने के कार्यकाल पर बयान दिया है। उन्होंने कहा, विष्णु देव साय सरकार मस्त है, बाकी सब त्रस्त हैं। उन्होंने प्रदेश में किसानों की समस्याओं पर बात की। उन्होंने कहा कि यूरिया की कमी से किसान जूझ रहे हैं और सरकार को इसकी जरा भी चिंता नहीं है। भाजपा सरकार के कारण प्रदेश में लोग परेशान हैं। इसके साथ ही अमरजीत भगत ने कांग्रेस की हार पर भी बयान दिया।

हार का छलका दर्द

पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने विधानसभा चुनाव में मिली हार पर अपना दर्द बयां किया। उन्होंने कहा कि नेताओं में तालमेल की कमी के कारण कांग्रेस राज्य में सरकार नहीं बना पाई।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की हार हमारी गलती के कारण हुई है। तेरा-मेरा के इस खेल ने पूरे राज्य में कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया है। बता दें कि 2018 में बंपर जीत हासिल करने वाली कांग्रेस को 2024 के विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था।

कई मंत्रियों को कराना पड़ा था हार का सामना

बता दें कि पिछले साली तीन दिसंबर को हुए छत्तीसगढ़ विधानसभा के चुनाव में बीजेपी ने 90 में से 54 सीटों पर जीत दर्ज की थी। कांग्रेस को 35 सीटें मिलीं और अन्य को यहां 1 सीट मिली थी। कांग्रेस से डिप्टी सीएम टीएस सिंह देव समेत कई मंत्रियों को हार का सामना करना पड़ा था। अमरजीत भगत भूपेश बघेल की सरकार में कैबिनेट मंत्री थी। उनकी गिनती भूपेश बघेल के करीबी नेताओं में होती है।

किसानों को हो रही समस्या

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिला प्रशासन द्वारा किसानों को खाद और बीज की कमी न हो इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने के बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को खाद नहीं मिल पा रहा। खेती के समय यूरिया नहीं मिलने से किसान अपनी फसलों को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं।

बच्चे की हत्या के तीन दोषियों की फांसी की सजा भी उम्रकैद में बदली

रांची, 9 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट ने ऑनर किलिंग मामले में निचली अदालत द्वारा चार लोगों को दी गई फांसी की सजा निरस्त कर दी है। जस्टिस आनंदा सेन और जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट ने कोडरमा में 2018 में हुए इस मामले में मृतका के माता-पिता दुलारी देवी व किशुन साव की फांसी की सजा को उम्रकैद में बदल दिया। वहीं चाचा सीताराम व चाची पार्वती को साक्ष्य छिपाने का दोषी मानते हुए पांच-पांच साल कैद की सजा सुनाई। हाईकोर्ट ने 24 जुलाई को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

एफआईआर के मुताबिक किशुन साव की बेटी मार्च 2018 में गांव के ही दूसरी जाति के युवक प्रदीप शर्मा के साथ राजस्थान चली गई थी। वहां दोनों ने शादी की और कुछ दिन बाद गांव लौट आई। मामला पंचायत में पहुंचा। इसी बीच युवती ने आत्महत्या कर ली। परिवारवाले पुलिस को सूचना दिए बिना शव को अंतिम संस्कार के लिए ले गए। इसी बीच पुलिस वहां पहुंची तो शव जला रहे लोग वहां से भाग निकले। पुलिस ने इसे ऑनर किलिंग मानते हुए केस दर्ज किया था। इस मामले में निचली अदालत ने 15 मार्च 2021 को मृतका के माता-पिता और चाचा-चाची को फांसी की सजा सुनाई थी। फैसले के खिलाफ दोषियों ने क्रिमिनल अपील दाखिल की थी।

हाईकोर्ट ने बोकारो के एक बच्चे की अपहरण के बाद हत्या करने के मामले में तीन दोषियों की फांसी की सजा उम्रकैद में बदल दी है।

हाथी के हमले से 3 महिलाओं की मौत

वन विभाग ने रोकी बिजली की सप्लाई

कोरबा, 9 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में जंगली हाथी के हमले में एक ही परिवार की दो महिलाओं समेत तीन की मौत हो गई। गुरुवार को जंगली हाथी ने सुबह पहले एक महिला की जान ली थी। उसके बाद रात में दो महिलाओं को पटककर मार डाला। अधिकारियों ने बताया कि जिले के कटघोरा वन मंडल के अंतर्गत खैरभवना गांव में जंगली हाथी के हमले में दो महिलाओं तीजकुंवर और सूरुजा की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि कोरबा वनमंडल के करतला वन परिक्षेत्र में तीन दिन पहले आठ हाथियों का दल विचरण कर रहा था। इसमें से एक हाथी अपने झुंड से अलग हो गया।

अधिकारियों ने बताया कि बुधवार रात वह हाथी रलिया गांव पहुंचा और उसने गुरुवार सुबह सैर पर निकली गायत्री राठौर को कुचल दिया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने बताया कि महिला पर हमले के बाद जंगली हाथी वहां से तीन किलोमीटर दूर खोडरी गांव पहुंचा और पांच मवेशियों को मार डाला।

रात 10 बजे खैरभवना गांव में हाथी का हमला

इसके बाद वह रात लगभग 10 बजे खैरभवना गांव पहुंचा और हाथी आने की सूचना पर जान बचाकर भाग रही तीजकुंवर और सूरुजा की जान ले ली। कटघोरा वन मंडल के अधिकारी कुमार निशांत ने बताया कि मृतकों के परिजनों को तात्कालिक सहायता राशि 25-25 हजार रुपए प्रदान किए गए हैं। शेष राशि औपचारिकता पूरी होने के बाद दी जाएगी।

गांव में बंद की गई बिजली की व्यवस्था

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि हाथी के इधर-उधर भागने और खेतों तथा आबादी क्षेत्र में जाने के कारण उसे करंट लगने का खतरा बना रहता है। हाथी को करंट से बचाने के लिए क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बंद करवा दी गई थी। उन्होंने बताया कि जंगली हाथी को कोरबा जिले की सीमा से निकाला जा चुका है। उस पर नजर रखी जा रही है।

इंडियन बैंक में 20 लाख की लूट

जाते वक्त अपराधियों ने लगा दिया बाहर से ताला

दुमका, 9 अगस्त (एजेंसियां)। इंडियन बैंक में दिनदहाड़े लूट की वारदात को अंजाम दिया गया। बाइक सवार पांच अपराधियों ने हथियार के बल पर बैंक स्टाफ को अपने कब्जे में ले लिया और करीब 20 लाख रुपए लूट कर फरार हो गए। ये घटना झारखंड-बिहार सीमा पर स्थित हंसडीहा में हुई, जो एक व्यस्त इलाका माना जाता है। गुरुवार दोपहर पांच अपराधी बाइक पर सवार होकर बैंक पहुंचे। इनमें से तीन अपराधी नकाबपोश थे।

बैंक में घुसते ही अपराधियों ने हथियार लहराए और कर्मचारियों को धमकाते हुए कैश काउंटर से पैसे लूट लिए। फिर अपराधी देवघर की तरफ भाग निकले। जरमुंडी के एसडीपीओ संतोष कुमार ने बताया कि उन्हें इंडियन बैंक की हंसडीहा शाखा में लूट की सूचना मिली। हालांकि, अभी तक लूटी गई राशि की सही जानकारी नहीं मिल पाई है, लेकिन शुरुआती जानकारी के अनुसार यह राशि 15 से 20 लाख रुपए के बीच बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। ये घटना हंसडीहा चौक पर हुई जो झारखंड और बिहार की सीमा पर स्थित है। ये इलाका काफी व्यस्त रहता है और यहां से चार रास्ते निकलते हैं। इनमें से एक रास्ता बिहार के भागलपुर को जाता है, दूसरा रास्ता झारखंड के गोड्डा होते हुए बिहार के पीरपैंती जाता है, तीसरा रास्ता झारखंड के देवघर जाता है और चौथा रास्ता दुमका होते हुए पश्चिम बंगाल जाता है। ऐसे व्यस्त इलाके में दिनदहाड़े हुई इस घटना ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर काफी रोष है। उनका कहना है कि हाल के दिनों में इस इलाके में आपराधिक घटनाएं बढ़ गई है। पुलिस की निष्क्रियता के कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस से अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

राजस्थान का अंतर्राज्यीय झांसेबाज गिरफ्तार

सीएम साय के नाम से बनाई थी फर्जी फेसबुक आईडी

रायपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। रायपुर पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने राजस्थान के अलवर जिले के अंतर्राज्यीय आरोपी साहूकार खान गिरफ्तार किया है। आरोपी सीएम के नाम और फोटो का दुरुपयोग कर फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर कई लोगों को झांसा दिया था।

आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक नग मोबाइल भी जब्त किया गया है। उसके खिलाफ सिविल लाइन में भादवि एवं आईटी एक्ट की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है। प्रार्थी मनोज कुमार साहू ने थाना सिविल लाइन में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने मुख्यमंत्री के नाम एवं फोटो का दुरूपयोग कर फेसबुक में फर्जी आईडी बनाकर छवि धुमिल करने के उद्देश्य से संचालन कर रहा था। पुलिस ने आरोपी की पतासाजी करते हुए आरोपी को राजस्थान से पकड़ने के लिए अधिकारियों के निर्देशन में एक विशेष टीम का गठन कर टीम को राजस्थान के अलवर भेजा गया था। टीम के सदस्यों ने अलवर पहुंचकर कर आरोपी की पतासाजी करते हुए रेड डालकर आरोपी साहूकार खान को पकड़ा। मिले साक्ष्यों के आधार पर कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने उक्त घटना को अंजाम देना कबूल कर लिया है। पुलिस ने अलवर के जिस क्षेत्र में रेड डाली थी।

एनसीबी ने चार पहिया वाहन के साथ जब्त किया 4317 किलो नशीला पदार्थ

रांची, 9 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के रांची में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने ट्रिपल एक्सल लॉरी में लदी 4317 किलोग्राम पोस्ता (नशीला पदार्थ) जब्त की। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि लैब परीक्षण से पता चला कि नशीला पदार्थ उच्चतम गुणवत्ता का था। एनसीबी ने चार पहिया वाहन भी जब्त किया। इस मामले में अन्य आरोपियों को भी पकड़ने की कोशिश जारी है।

स्वाइन फ्लू से महिला की मौत

बिलासपुर के अपोलो अस्पताल में चल रहा था इलाज

कोरिया, 9 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश में स्वाइन फ्लू ने दस्तक दे दी है। कोरिया जिले निवासी एक महिला की स्वाइन फ्लू से मौत हो गई। वहीं, कोरिया के पड़ोसी जिले मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर के चिरमिरी हल्दीबाड़ी निवासी बुजुर्ग का इलाज बिलासपुर के अपोलो हॉस्पिटल में जारी है। जानकारी के मुताबिक, कोरिया के पंडोपारा निवासी कॉलरीकर्मी की 51 वर्षीय पत्नी धनेश्वरी बाई को सर्दी, खांसी के साथ तेज बुखार आने पर वायरल फीवर का इलाज किया जा रहा था। ज्यादा कफ बनने और कमजोरी के कारण महिला को जिला अस्पताल लाया गया था। जिला अस्पताल में सुधार होते नहीं देख डॉक्टरों ने बिलासपुर रेफर कर दिया। इसके बाद उसे चार अगस्त को अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। महिला में स्वाइन फ्लू के लक्षण को देखते हुए इसकी जांच की गई तो पुष्टि हुई। इसके बाद उपचार नए सिरे से शुरू हुआ, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

बांग्लादेशी घुसपैठियों पर कार्रवाई की मांग

रांची, 9 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को राज्य सरकार को संथाल परगना के रास्ते राज्य में प्रवेश करने वाले अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति अरुण कुमार राय की खंडपीठ ने डेनियल डेनिश द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि बांग्लादेश में वर्तमान अस्थिरता के कारण अवैध आव्रजन में वृद्धि होगी।

हाईकोर्ट का बांग्लादेशी घुसपैठियों पर कार्रवाई का निर्देश

पीठ ने खुफिया ब्यूरो के निदेशक, बीएसएफ (सीमा सुरक्षा बल) के महानिदेशक, भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के महानिदेशक को मामले में पक्ष बनाने का आदेश दिया। अदालत ने उन्हें नोटिस जारी करते हुए मामले में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया। अदालत ने यह भी सुझाव दिया कि सरकार को आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्रों का औचक निरीक्षण करना चाहिए। मामले की अगली सुनवाई 22 अगस्त को होगी। याचिका में दावा किया गया है कि बांग्लादेश से अप्रवासी संथाल परगना के रास्ते राज्य में प्रवेश कर चुके हैं।

बांग्लादेश में सेना के तख्तापलट के बाद नई सरकार का गठन कर लिया गया है। नोबल पुरस्कार विजेता मोहम्मद युनूस ने पद और गोपनीयता की शपथ ली है। इससे पहले सेना ने देश में एक लाख टका से ज्यादा की रकम निकालने पर रोक लगा दी थी। शेख हसीना को सेना ने देश से निकलने के लिए सिर्फ 45 मिनट का समय दिया था। इसी के बीच वो हेलीकॉप्टर से भारत पहुंचीं। वहीं बिहार के बॉर्डर इलाकों में भी बांग्लादेशियों की भीड़ का वीडियो सामने आया है। इसको लेकर बिहार सरकार भी पूरी तरह से सतर्क है।

भारत में ही रहेंगी शेख हसीना

बेटे ने मां की जान बचाने के लिए पीएम मोदी को शुक्रिया कहा, जब चुनाव होगा तब बांग्लादेश लौटेंगे

ढाका, 9 अगस्त (एजेंसियां)। शेख हसीना के बेटे जॉय वाजिद ने कहा कि उनकी मा बांग्लादेश वापस लौटेंगी। उन्होंने कहा कि नई केयरटेकर सरकार जब चुनाव कराने की घोषणा करेगी, तब वो अपने देश जाएंगी। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक उनके बयान से ये साफ नहीं हुआ कि हसीना फिर से चुनाव लड़ेंगी या नहीं।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री हसीना ने देश में हिंसा शुरू होने के बाद 5 अगस्त को इस्तीफा देने के बाद देश छोड़ दिया था। जॉय ने कहा कि इन घटनाओं के बाद भी हम अपने लोगों और पार्टी का साथ नहीं छोड़ सकते। इससे पहले जॉय ने एक इंटरव्यू में कहा था कि उनकी मां शेख हसीना अब बांग्लादेश नहीं लौटेंगी।

इस बयान को लेकर उन्होंने कहा- हां ये सच है कि मैंने ऐसा कहा था, लेकिन देश भर में हमारे नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं पर हमले के बाद अब बहुत कुछ बदल गया है। अब हम अपने लोगों की हिफाजत करने के लिए

हर संभव कोशिश करेंगे। हम उन्हें अकेला नहीं छोड़ेंगे।

राजनीति में उतरेंगे हसीना के बेटे, पहले इनकार किया था

पूर्व प्रधानमंत्री के बेटे जॉय ने कहा कि वह राजनीति में उतरने के लिए तैयार हैं। जॉय ने पहले कहा था कि उनका राजनीति में आने का कोई इरादा नहीं है।

जॉय ने कहा- मेरी मां का ये आखिरी कार्यकाल था। वे अगला चुनाव नहीं लड़तीं। मेरा भी राजनीति में आने का कोई मन नहीं था। मैं तो अमेरिका में सेटल हो चुका था, लेकिन पिछले दिनों जो कुछ हुआ, उससे पता चलता है कि देश की लीडरशिप में खालीपन आ गया है। पार्टी की खातिर मुझे राजनीति में उतरना होगा। इसके लिए मैं सबसे आगे खड़ा रहूंगा। जॉय ने कहा कि मुझे यकीन है कि अवामी लीग चुनाव में हिस्सा लेगी तो हम जीत भी सकते हैं। अवामी लीग बांग्लादेश की सबसे बड़ी और सबसे पुरानी पार्टी है। हमारा सबसे बड़ा पार्टी कैडर है। जॉय ने दावा किया कि शेख हसीना का किसी भी देश में शरण लेने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा- मेरी मां भारत में हैं। अब वो कहीं नहीं जाएंगी। जैसे ही अंतरिम सरकार नए चुनाव की हरी झंडी देती हैं, मेरी मां बांग्लादेश जाएंगी। मैं इतने कम समय में मेरी मां की जान बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभारी हूं। जॉय ने पाकिस्तान पर बांग्लादेश में अशांति भड़काने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा ऐसे सबूत मिले हैं जो दर्शाते हैं कि इस अराजकता में पाकिस्तान की आईएसआई का हाथ है। इसकी पूरी प्लानिंग की गई थी।

सोशल मीडिया पर अफवाहें फैलाकर स्थिति को भड़काया गया। सरकार ने स्थिति पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन वे नाकाम रहे। जॉय ने आरोप लगाया है कि दंगाइयों ने पुलिस पर बंदूक से हमला किया, ये वो हथियार थे जो सिर्फ आतंकी संगठन या फिर विदेशी ताकत ही मुहैया करा सकती है।

बांग्लादेश में कई दिनों की राजनीतिक उथल-पुथल के बाद गुरुवार रात अंतरिम सरकार का गठन हो गया। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली। भारत के विदेश मंत्रालय ने बताया कि बांग्लादेश में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा भी इस शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद थे।

ऑकलैंड में खुलेगा भारत का महावाणिज्य दूतावास

न्यूज़ीलैंड के ऑकलैंड

राष्ट्रपति मुर्मू ने दी जानकारी

ऑकलैंड, 9 अगस्त (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में जल्द ही भारत का महावाणिज्य दूतावास खुलेगा। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि महावाणिज्य दूतावास के खुलने से भारत और न्यूजीलैंड के रिश्ते मजबूत होंगे और इससे न्यूजीलैंड में रहने वाले भारतीय समुदाय को भी फायदा होगा। राष्ट्रपति मुर्मू न्यूजीलैंड दौरे पर हैं और ऑकलैंड में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने यह बात कही। राष्ट्रपति ने भारतीय मूल के लोगों की उपलब्धियों की भी तारीफ की।

राष्ट्रपति मुर्मू का यह पहला न्यूजीलैंड दौरा है। उन्होंने कहा कि 'भारत और न्यूजीलैंड के रिश्ते बहुत गहरे और बहुआयामी हैं। भारतीय समुदाय इन रिश्तों के विकास में अहम योगदान देता है। मुझे बहुत खुशी हो रही है कि भारत जल्द ही ऑकलैंड में एक महावाणिज्य दूतावास खोलने जा रहा है। ऑकलैंड में रहने वाले भारतीय समुदाय की यह लंबे समय से मांग थी।' उल्लेखनीय है कि अभी ऑकलैंड में भारत का ऑनरेरी महावाणिज्य दूतावास है। साथ ही वेलिंगटन में भारतीय उच्चायोग स्थित है।

राष्ट्रपति ने कहा कि 'न्यूजीलैंड की कुल आबादी में छह फीसदी

भारतीय मूल के लोग हैं। आपका न्यूजीलैंड के हर क्षेत्र में गहरा प्रभाव है। अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से भारतीय समुदाय ने देश के विकास और अर्थव्यवस्था में योगदान दिया है।' राष्ट्रपति ने आनंद सत्यानंद का उदाहरण दिया। आनंद सत्यानंद न्यूजीलैंड में एक पूर्व वकील हैं और जज हैं, जो साल 2006 से 2011 के बीच न्यूजीलैंड के 19वें गवर्नर जनरल रह चुके हैं।

'भारत दुनिया में लोकतंत्र का प्रतीक'

राष्ट्रपति ने गवर्नर जनरल डेम सिंडी कीरो, प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन और उप-प्रधानमंत्री विंस्टन पीटर्स के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। राष्ट्रपति ने कहा कि आज भारत दुनिया में लोकतंत्र का प्रतीक है। जल्द ही हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और स्किल इंडिया जैसी पहल हमारे नागरिकों को सशक्त बना रही हैं। जैसे-जैसे हम 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, हम अपने प्रवासियों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत करना चाहते हैं। हम दुनिया भर के प्रवासियों को भारत के सपनों का देश बनाने में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में देखते हैं।

उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि न्यूजीलैंड में सभी प्रमुख भारतीय त्योहार मनाए जाते हैं।' 2018 की जनगणना के अनुसार, न्यूजीलैंड में भारतीय प्रवासियों के 2,50,000 सदस्य हैं।

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार बनते ही सामने आया नया संकट

चुनाव पर खालिदा जिया की बीएनपी और छात्र नेतृत्व आमने-सामने

ढाका, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के गठन के साथ ही बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और हसीना को हटाने वाले आंदोलन की अगुवाई करने वाले छात्र नेतृत्व के बीच मतभेद उभर आए हैं। ईटी की रिपोर्ट के अनुसार, बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान और छात्र नेतृत्व आम चुनावों को लेकर आमने-सामने हैं। ईटी से सूत्रों ने बताया कि रहमान बांग्लादेश में जल्दी चुनाव कराना चाहते हैं, जिससे हाल में बढ़ी बीएनपी और जमात समर्थक भावनाओं को भुनाया जा सके। चुनाव में देरी होने पर ये भावनाएं कम हो सकती हैं। हालांकि, छात्रों का इस मामले में नजरिया अलग है। छात्रों के पास अभी कोई राजनीतिक ढांचा नहीं

है और वे चुनाव लड़ने से पहले पार्टी बनाने के लिए समय चाहते हैं। शेख हसीना के इस्तीफा देने और ढाका से भागकर भारत पहुंचने के दो दिन बाद बुधवार को एक विडियो संदेश में रहमान ने कहा कि चुनाव तुरंत होने चाहिए और सत्ता निर्वाचित प्रतिनिधियों को सौंपी जानी चाहिए। वे ढाका में एक रैली में बोल रहे थे। रहमान ने कहा, 'देश की मौजूदा उपलब्धियों को कमजोर करने की साजिशें चल रही हैं। हमें सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए धर्म, जाति और पहचान की परवाह किए बिना लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। ढाल बनकर खड़े हो जाइए और सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करके एक मिसाल कायम कीजिए, चाहे उनकी धार्मिक पहचान कुछ भी हो या वे कहीं हों।'

इराक में लड़कियों की शादी की उम्र 9 साल करने की तैयारी

शिया पार्टियों के गठबंधन ने पेश किया बिल, विरोध में महिलाएं

तेहरान, 9 अगस्त (एजेंसियां)। इराक में एक नया कानून लाए जाने की तैयारी है, जो लड़कियों की शादी के लिए न्यूनतम उम्र नौ साल तय करता है। इस कानून का ड्राफ्ट इराकी संसद में पेश किया गया है। इराक की रुढ़िवादी शिया पार्टियां संसद में व्यक्तिगत कानून में संशोधन पर जोर दे रही हैं, जो नौ वर्ष से कम उम्र के बच्चों की शादी करने की अनुमति देगा। महिला अधिकार संगठन इस बिल को लेकर चिंतित हैं। महिला और मानवाधिकार संगठन इसे पितृसत्तात्मक को बढ़ावा देने वाला कहा है। मिडिल ईस्ट आई के अनुसार, 1959 के व्यक्तिगत स्थिति कानून के कानून 188 में संशोधन पर विचार किया जा रहा है। यह कानून अब्दुल करीम कासिम सरकार ने पास किया था। कासिम सरकार ने महिलाओं के अधिकारों सहित कई प्रगतिशील सुधारों की शुरुआत की थी। महिला

अधिकार कार्यकर्ता सुहालिया अल असम के अनुसार 1959 में विशेषज्ञों, वकीलों, धार्मिक प्रमुखों और विशेषज्ञों की सलाह से बने इस कानून को महिलाओं के हक में पश्चिम एशिया के सबसे अच्छे कानूनों में से एक माना जाता है। ये कानून पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए विवाह की कानूनी उम्र 18 वर्ष निर्धारित करता है। यह पुरुषों को दूसरी पत्नी रखने की अनुमति पर भी प्रतिबंध लगाता है।

कासिम सरकार में 1959 में बने कानून में बदलाव की मांग रूढ़िवादी शिया इस्लामवादी पार्टियों के गठबंधन की है, जो इराक की संसद में सबसे बड़ा गुट है। संसद में जो ड्राफ्ट पेश किया गया है, उसमें कहा गया है कि जोड़े को व्यक्तिगत स्थिति के सभी मामलों में सुन्नी या शिया संप्रदाय के बीच चयन करना होगा।

हसीना के विरोधियों से मिल रहे थे अमेरिकी अधिकारी

ढाका, 9 अगस्त (एजेंसियां)। अप्रैल 2023 की बात है। शेख हसीना बांग्लादेश की संसद में भाषण देते हुए कहती हैं, "अमेरिका चाहे तो किसी भी देश में सत्ता बदल सकता है। अगर उन्होंने यहां कोई सरकार बनवाई तो वो लोगों की चुनी सरकार नहीं होगी।" हसीना के इस बयान के एक साल और 3 महीने बाद 5 अगस्त को न सिर्फ उन्हें इस्तीफा देना पड़ता है, बल्कि देश तक छोड़ना पड़ा। 3 दिन बाद बांग्लादेश में गुरुवार रात को अंतरिम सरकार बनी। सेना ने इस सरकार को एडवाइजरी काउंसिल नाम दिया है। नोबेल पीस प्राइज विजेता मोहम्मद यूनुस को इसका चीफ बनाया गया है। वही, मोहम्मद यूनुस जिन पर हसीना विदेशी एजेंट होने के आरोप लगाती रही हैं। यूनुस के अमेरिका से अच्छे संबंध हैं। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि क्या अमेरिका ने हसीना के तख्तापलट में कोई भूमिका निभाई है। 3 वजहें जो इसकी तरफ इशारा करती हैं

तारीख- 26 मई, जगह- बांग्लादेश पीएम आवास। शेख हसीना ने 14 पार्टियों की बैठक बुलाई थी। इसमें हसीना ने कहा- "बांग्लादेश और म्यांमार के कुछ इलाकों को तोड़कर ईस्ट तिमोर जैसा 'ईसाई देश' बनाने की साजिश रची जा रही है। एक 'व्हाइट मैन' ने चुनाव से पहले मुझे ये ऑफर दिया था कि यदि वह अपने देश की सीमा में आर्मी बेस बनाने की अनुमति देती हैं तो बिना किसी परेशानी के चुनाव कराने दिया जाएगा।" शेख हसीना ने ये नहीं बताया कि वो देश और वो 'व्हाइट मैन' कौन है, लेकिन शक की सुई अमेरिका पर उठी। दरअसल जून 2021 में बांग्ला अखबारों में दावा किया गया कि अमेरिका, बांग्लादेश से सेंट मार्टिन द्वीप की मांग कर रहा है।

इजरायल के लिए चार महीने में कैसे बदले हालात?

इस बार ईरान के हमले में हो सकती है भारी तबाही

तेल अवीव, 9 अगस्त (एजेंसियां)। ईरान और इजरायल के बीच तनातनी इस समय चरम पर है। माना जा रहा है कि कभी भी ईरान की ओर से इजरायल ईरान पर हमला हो सकता है। इजरायल फिलहाल अपने बचाव के लिए लड़ाकू विमानों में ईंधन की व्यवस्था और एयर बैटरियों का इंतजाम के साथ अमेरिका के साथ समन्वय कर ध्यान दे रहा है। इजरायल ने इसी साल अप्रैल में अमेरिकी नेतृत्व वाले अरब गठबंधन की मदद से ईरानी हमले को विफल करने में कामयाबी हासिल थी। इसमें जॉर्डन, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात की अहम भूमिका रही थी। गठबंधन ने ईरान से लॉन्च किए गए 300 से अधिक ड्रोन और मिसाइलों में से 99 प्रतिशत को रोकने में इजरायल की सहायता की थी। अब सवाल है कि क्या फिर से इजरायल को इसी तरह की मदद मिलेगी। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल के हमले के चार महीने बाद एक बार फिर ईरान ने आक्रामक रुख दिखाया है और हमास नेता इस्माइल हानिया की हत्या का बदला लेने की कसम खाई है। ऐसे में सवाल है कि ईरान का हमला होने की स्थिति में इजरायल को क्या फिर से अमेरिकी नेतृत्व वाले गठबंधन का साथ मिलेगा। सैन्य विश्लेषकों का कहना है कि इजरायल बीते चार महीने में क्षेत्रीय रूप से अलग-थलग हुआ है, जिसने देश की असुरक्षा को बढ़ाया है। ऐसी आशंका है कि अमेरिकी समर्थन के वादे के बावजूद इजरायल के एयर डिफेंस को दिक्कतें आ सकती हैं।

ट्रम्प-कमला के बीच 10 सितंबर को पहली डिबेट

लाइव ऑडियंस के बीच मुकाबला, पिछली बहस में बाइडेन बुरी तरह हारे थे

वाशिंगटन, 9 अगस्त (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रम्प और भारतवंशी कमला हैरिस अगले महीने 10 सितंबर को डिबेट के लिए राजी हो गए हैं। अमेरिकी टीवी न्यूज एबीसी ने इसकी पुष्टि की है। ये पहली बार होगा जब ट्रम्प और कमला के बीच आमने-सामने की बहस होगी।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प, कमला के साथ 3 डिबेट्स करना चाहते हैं। ट्रम्प ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि डिबेट्स का होना बहुत जरूरी है। वह फॉक्स के साथ 4 सितंबर को, एबीसी के साथ 10 दिसंबर को और एनबीसी के साथ 25 सितंबर को डिबेट्स के लिए तैयार हैं। ट्रम्प ने कहा डिबेट्स की लोकेशन क्या होगी और इसमें कितने लोग रहेंगे इन सब चीजों पर बात चल रही है। उन्होंने कहा कि तीनों डिबेट्स के लिए वे दूसरे पक्ष (कमल हैरिस) के राजी होने

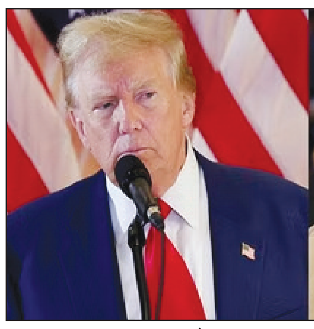

का इंतजार कर रहे हैं। ट्रम्प ने कहा कि वे अपना रिकॉर्ड ठीक करने के लिए डिबेट में शामिल हो रहे हैं। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका की हालत बहुत खराब है। दुनिया विश्वयुद्ध के करीब है और यहां ऐसे लोग हैं जो इन हालात में कुछ नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कमला को राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने के लिए जरूरी वोट तक नहीं मिला था और अब वो चुनाव लड़ रहीं हैं। ट्रम्प ने कमला को कमजोर उम्मीदवार बताया और कहा कि वह पत्रकारों को इंटरव्यू भी नहीं देतीं। उन्होंने कहा कि वह इससे बचती हैं क्योंकि वह बहुत कमजोर कैंडिडेंट हैं। ट्रम्प ने आगे कहा कि वह इसके लायक ही नहीं हैं कि वो उनके साथ डिबेट करें फिर भी वो उनके खिलाफ डिबेट में हिस्सा लेंगे। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने पहले ही एबीसी न्यूज पर डिबेट के लिए अपनी हामी भर दी थी। उन्होंने गुरुवार को कहा कि उन्हें खुशी है कि ट्रम्प डिबेट्स के लिए राजी हो गए हैं। मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। मुझे उम्मीद है कि वे डिबेट के लिए आएंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या वे बाकी डिबेट्स के लिए भी तैयार हैं, उन्होंने कहा कि 10 सितंबर के बाद वह एक और डिबेट के लिए तैयार हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में ट्रम्प ने कहा था कि अगर कमला हैरिस 4 सितंबर को फॉक्स न्यूज डिबेट में हिस्सा नहीं लेंगी तो वे उनके साथ बाकी डिबेट्स नहीं करेंगे। 4 सितंबर की डिबेट्स में कमला हैरिस शामिल होंगी या नहीं इस बारे में साफ जानकारी नहीं मिल पाई है। इससे पहले जो बाइडेन और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच 2 डिबेट्स (27 जून और 10 सितंबर) को लेकर सहमति बनी थी।

बांग्लादेश से पाकिस्तान की तुलना पर भड़के जनरल मुनीर

इस्लामाबाद, 9 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने देश में अराजकता पैदा करने की कोशिश करने वालों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा देश में संकट खड़ा करना 'सबसे बड़ा गुनाह' है। सेना ऐसे किसी भी कोशिश को नाकाम कर देगी और देश की हिफाजत करेगी।

पाकिस्तानी अखबार द ट्रिब्यून एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक सेना प्रमुख का ये बयान सोशल मीडिया पर उन पोस्ट्स के बाद आया है जिनमें पाकिस्तान के हालात की तुलना बांग्लादेश से की गई है। इस्लामाबाद में नेशनल उलेमा कन्वेंशन में बोलते हुए मुनीर ने कहा कि अगर कोई पाकिस्तान में अराजकता फैलाने की कोशिश करता है तो 'अल्लाह कसम', हम उनसे मुकाबला करेंगे। उन्होंने यकीन दिलाया कि अल्लाह के रहमों करम से पाकिस्तानी सेना अशांति और अव्यवस्था को दूर करने में कामयाब होगी। मुनीर ने बिना नाम लिए भारत पर कटाक्ष भी किया। उन्होंने कहा- वे लोग कहां हैं जो कहते थे कि उन्होंने टू-नेशन थ्योरी को बंगाल की खाड़ी में डुबा दिया है। सैन्य प्रमुख ने कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत पाकिस्तान को नुकसान नहीं पहुंचा सकती है, क्योंकि इसे आखिरी वक्त तक चलने के लिए बनाया गया है। मुनीर ने कहा कि देश कितना अहम है यदि आपको ये जानना है तो इराक, सीरिया और लीबिया को देखिए।

2025 तक टल सकती है सुनीता की पृथ्वी पर वापसी

स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन से वापस लाया जा सकता है, जून से स्पेस में फंसी हैं

वॉशिंगटन, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट से इंटरनेशल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) गए एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की वापसी अगले साल तक टल सकती है। नासा ने कहा- दोनों एस्ट्रोनॉट बोइंग के स्पेसक्राफ्ट के बजाय फरवरी 2025 में स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन से पृथ्वी पर लौट सकते हैं। स्टारलाइनर या क्रू ड्रैगन का उपयोग करने पर फैसला अगले हफ्ते किसी समय होने की उम्मीद है। ये मिशन लगभग 8 दिनों का था, लेकिन स्टारलाइनर पर प्रोपल्शन सिस्टम की समस्याओं के कारण दोनों एस्ट्रोनॉट अभी तक पृथ्वी पर वापस नहीं लौट पाए है। स्टारलाइनर मिशन 5 जून को रात 8:22 बजे लॉन्च हुआ था। यूएलए के एटलस वी रॉकेट से इसे लॉन्च

किया गया था। स्पेसक्राफ्ट 6 जून को रात 11:03 बजे आईएसएस पहुंचा था। इसे रात 9:45 बजे पहुंचना था, लेकिन 28 में से 5 रिएक्शन कंट्रोल थ्रस्टर में परेशानी आ गई थी। नए टेस्ट डेटा से पता चला है कि ओवरहीटिंग थ्रस्टर्स के कारण टेफ्लॉन सील पर असर पड़ रहा है, जिससे प्रोपलेंट फ्लो सीमित हो रहा है और थ्रस्ट कमजोर। ऐसे में नासा ये तय नहीं कर पा रहा है कि रिस्क उठाकर स्टारलाइनर से क्रू को लाए क्रू ड्रैगन का सुरक्षित ऑप्शन चुना जाए। यदि नासा स्टारलाइनर के मिशन को बदलने का फैसला करता है, तो बोइंग स्पेसक्राफ्ट को बिना क्रू के वापसी के लिए कॉनफ़िगर करेगा। यह बोइंग के लिए झटका होगा, क्योंकि यह उसका टेस्ट मिशन है। इसके सफल होने पर ही उसे नासा से क्रू मिशन की परमिशन मिलेगी। 2016 से स्टारलाइनर के डेवलपमेंट में बोइंग 1.6 बिलियन डॉलर खर्च कर चुका है।

इसमें वर्तमान मिशन के लिए खर्च किए 125 मिलियन डॉलर भी शामिल है। स्टारलाइनर को डेवलप करने में बोइंग को मैनेजमेंट और इंजीनियरिंग इश्यू समेत कई समस्याओं का सामना करना पड़ा है। विल्मोर और विलियम्स की वापसी के लिए नासा अपकमिंग क्रू ड्रैगन मिशन में दो सीटें खाली छोड़ने के प्लान पर चर्चा कर रहा है।

तोशाखाना केस में रिमांड पूरी होने के बाद भी नहीं मिली इमरान को जमानत

इस्लामाबाद, 9 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान की एक जवाबदेह अदालत ने नए तोशाखाना मामले में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की हिरासत 11 दिनों के लिए बढ़ा दी। इस मामले की सुनवाई की अध्यक्षता जवाबदेही अदालत के जज नासिर जावेद राणा ने की। उन्होंने तोशाखाना मामले में पूर्व पीएम और उनकी पत्नी की रिमांड खत्म होने के बाद 11 दिनों के लिए रिमांड को बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। 71 वर्षीय इमरान खान पिछले एक साल से अदियाला जेल में बंद हैं। उनके साथ उनकी पत्नी बुशरा बीबी भी जेल में ही बंद हैं। राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो ने अदालत को बताया कि पिछले 10 दिनों की रिमांड में इमरान खान और उनकी पत्नी ने केवल दो बार ही जांच दल के साथ सहयोग किया था।

अल्पसंख्यकों पर हमलों पर संयुक्त राष्ट्र ने जताई चिंता

कहा- हम नस्लीय हिंसा के खिलाफ

न्यूयॉर्क, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने की घटनाओं की पूरी दुनिया में निंदा हो रही है। अब संयुक्त राष्ट्र ने भी इसकी आलोचना की है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि हम नस्लीय आधार पर होने वाले हमलों, हिंसा को बढ़ावा देने के खिलाफ हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता ने ये बात कही।

एंटोनियो गुटेरेस के उप-प्रवक्ता फरहान हक से गुरुवार को बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर होने वाले हमलों पर सवाल किया गया था। इसके जवाब में फरहान हक ने कहा कि हमने पहले भी स्पष्ट किया है और हम एक बार फिर यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हाल के हफ्तों

में बांग्लादेश में जो हिंसा हो रही है, उसे खत्म किया जाए। हम किसी भी नस्लीय आधार पर होने वाले हमलों या नस्लीय आधार पर होने वाली हिंसा को बढ़ावा देने के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, 'हम निश्चित रूप से बांग्लादेश की सरकार और लोगों को हर उस तरह से समर्थन देने के लिए तैयार हैं, जो वे आवश्यक समझें।' बांग्लादेश में शेख हसीना के इस्तीफे के बाद भी बांग्लादेश में हिंसा नहीं रुक रही है। पहले आंदोलनकारी सरकार और आवामी लीग को निशाना बना रहे थे, अब बांग्लादेश में रहने वाले हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक दंगाइयों के निशाने पर हैं। बांग्लादेश में कई हिंदू मंदिरों, घरों और व्यवसायों में तोड़फोड़ की गई है। सोमवार को शेख हसीना की पार्टी से जुड़े आवामी लीग के दो हिंदू नेताओं की हत्या कर दी गई। सोमवार को ही लोकप्रिय संगीत बैंड जोलर गान के मुख्य सदस्य राहुल आनंद के घर पर तोड़फोड़ और आगजनी की गई।

हिंसा के चलते राहुल आनंद और उनके परिजनों को अपना घर छोड़कर भागना पड़ा, जिससे उनकी जान बच पाई।

कोटा में 'भूत' भगाने के नाम पर युवक की पीट-पीटकर जान लेने वाला तांत्रिक गिरफ्तार

कोटा, 9 अगस्त (एजेंसियां)। झाड़ फूंक के नाम पर इलाज के बहाने मार-मारकर बीमार युवक की जान लेने वाला तांत्रिक आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। कोटा जिले की सुल्तानपुर थाना पुलिस ने हत्या के जुर्म में तांत्रिक देवीलाल गुर्जर को गिरफ्तार किया है। तांत्रिक अब सलाखों के पीछे है। पुलिस घटनाक्रम को लेकर पूछताछ कर रही है। युवक का इलाज करने के नाम पर उसकी पिटाई करते तांत्रिक का एक वीडियो भी वायरल हुआ है। वीडियो में तांत्रिक लकड़ी से युवक को पीटता नजर आ रहा है।

कोटा जिले के झोटोली रोड तलाईपाड़ा में रहने वाला तांत्रिक देवलाल गुर्जर उर्फ रामजी घटना के बाद से फरार चल रहा था। कोटा ग्रामीण एसपी करण शर्मा ने बताया कि मृतक के बेटे हरिशंकर सुमन की रिपोर्ट पर पुलिस ने कार्रवाई की और धारा 105 बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया। आरोपी देवलाल को 7 अगस्त को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर दीगोद थाने में हत्या और चोरी जैसे मुकदमे भी दर्ज हैं। प्रकरण में गिरफ्तार आरोपी दो दिन के डिमांड पर है। इलाज के नाम पर तांत्रिक देवलाल गुर्जर उर्फ रामजी ने काल भैरव का भाव के बहाने मृतक बृजमोहन सुमन के साथ लकड़ी से मारपीट की। हाथ पैर बांधकर मारपीट की गई थी। उसे मार-मारकर के अधमरा कर दिया गया था। जब परिजन उसे कोटा एमबीएस अस्पताल अचेत हालात में लेकर गए तो वहां भर्ती करने के दौरान ही बृजमोहन ने दम तोड़ दिया था।

मृतक के बेटे हरिशंकर सुमन ने 1 अगस्त को कोटा ग्रामीण एसपी को परिवाद दिया। परिवाद में पूरे घटनाक्रम को से अवगत करवाया। मृतक बृज मोहन सुमन कोटा कुन्हाडी इलाके के रहता था। बेटे हरिशंकर ने कहा पिता को इलाज के लिए तांत्रिक के पास ले गए थे, जिसने मारपीट की पिता बृजमोहन गंभीर रूप से घायल हो गए। 26 जुलाई को कोटा एमबीएस अस्पताल में उपचार के दौरान पिता बृजमोहन की मौत हो गई।

क्यों कभी नहीं बैठ पाए एक साथ 200 विधायक

मीणा के निधन के बाद फिर उठे सवाल, क्या बोले नेता

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के नए भवन में एक अद्भुत और रहस्यमयी संयोग वर्षों से देखा जा रहा है। इस भवन में अब तक कभी भी 200 विधायक एक साथ नहीं बैठे हैं। हाल ही में सलूंबर विधायक अमृतलाल मीणा के निधन ने इस संयोग को और भी मजबूत कर दिया है। मीणा का निधन विधानसभा सत्र के दौरान हुआ, जिसमें उन्होंने सक्रियता से भाग लिया था। उनका निधन राज्य की राजनीति में चर्चा का विषय बन गया है।

2001 में बना विधानसभा भवन

मीणा से पहले भी विधानसभा के दौरान मास्टर भंवरलाल मेघवाल, पं। भंवरलाल शर्मा, कैलाश त्रिवेदी और किरण माहेश्वरी जैसे वरिष्ठ नेताओं का निधन हुआ था। इन विधायकों की असामयिक मृत्यु ने इस संयोग को और भी रहस्यमयी बना दिया है। ऐसा कहा जा रहा है कि 2001 में बने इस विधानसभा भवन में कभी भी 200 विधायक एक साथ नहीं बैठ पाए हैं। हर बार कुछ विधायकों की मौत के कारण यह संख्या पूरी नहीं हो पाई है।

पहले भी हुईं मौतें

प्रदेश की मौजूदा 15वीं विधानसभा में पिछले चार सालों में छह विधायकों की मौत हो चुकी है। यह संयोग केवल इसी विधानसभा तक सीमित नहीं है, बल्कि 14वीं विधानसभा के दौरान भी विधायकों की मौतें हुईं। कोरोना महामारी के दौरान मंत्री मास्टर भंवरलाल, भाजपा विधायक किरण माहेश्वरी, कांग्रेस विधायक कैलाश त्रिवेदी, गजेंद्र सिंह शक्तावत और गौतमलाल मीणा का निधन हुआ था।

विधायकों के मन में वास्तु दोष और भूतों का डर

सरकारी सचेतक कालूलाल गुर्जर ने इस वास्तु दोष को दूर करने के लिए हवन कराने की मांग की थी। तत्कालीन विधायक हबीबुर्रहमान का कहना था कि विधानसभा में भूतों का साया है, जिसके कारण यहां कभी भी 200 विधायकों की सीटें पूरी नहीं भर पातीं। इस प्रकार की मांगें अन्य नेताओं द्वारा भी की गई हैं, लेकिन अभी तक किसी भी सरकार ने विधानसभा में पूजा-पाठ या हवन नहीं कराया है।

श्मशान के पास स्थित है भवन

राजस्थान विधानसभा का निर्माण 1994 में शुरू हुआ था और यह मार्च 2001 में बनकर तैयार हुआ। इस भवन में 260 सदस्यों के बैठने की क्षमता है और पांचवीं मंजिल पर एक और हॉल है। उसमें भी इतनी ही क्षमता है। भवन के निकट ही एक श्मशान स्थल स्थित है, जो इस अनोखे संयोग को और भी रहस्यमय बनाता है। विधानसभा के पुराने भवन में ऐसा कोई संयोग देखने को नहीं मिला था।

राजनीति में चर्चा का विषय

यह संयोग, जो एक अंधविश्वास की तरह लग सकता है, राजस्थान की राजनीति में चर्चा का विषय बना हुआ है। क्या यह महज एक संयोग है या इसमें कोई गहरा रहस्य छिपा है? यह सवाल अभी भी अनुत्तरित है।

दोस्त, दोस्त ना रहा

पति के जाने के बाद दोस्त आया और पत्नी से कर डाला रेप

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। जिस दोस्त पर था सबसे ज्यादा भरोसा, उस दोस्त ने ही ऐसा दगा दिया कि जिंदगी भर का गम मिल गया। दोस्त ने ही अपने दोस्त की पत्नी को ही हवस का शिकार बना डाला। इतना ही नहीं जब मामले का खुलासा हुआ तो दोस्त ही दोस्त से झगड़ पड़ा। मामला ज्यादा बढ़ा तो पुलिस में केस दर्ज कराया गया। जयपुर में पति के दोस्त द्वारा एक महिला से रेप करने का मामला सामने आया है। नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर दुष्कर्म कर अश्लील वीडियो बना लिए। अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर देहशोषण करने लगा। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने बताया कि मध्यप्रदेश निवासी 26 साल की महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वह पति के साथ किराए से रहती है। आरोपी जितेन्द्र उसके पति का दोस्त है। पति का दोस्त होने के कारण उसका घर पर आना-जाना था। आरोप है कि पति की गैरमौजूदगी में जितेन्द्र घर आया। बातचीत के दौरान घर में अकेला पाकर पीने के लिए कोल्ड ड्रिंक ले आया।

ब्लैकमेल कर किया देहशोषण

कोल्ड ड्रिंक में नशा मिलाकर उसे पिला दिया। बेहोशी की हालत में आरोपी जितेन्द्र ने उसके साथ रेप किया। दुष्कर्म के दौरान उसका अश्लील वीडियो बना लिया। होश आने पर विरोध करने पर अश्लील वीडियो दिखाकर चुप करवा दिया। अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर देहशोषण करने लगा। बातचीत के दौरान पति को पता चलने पर आरोपी झगड़ा कर धमकाने लगा।

टोंक में एसीबी की बड़ी कार्रवाई, एक लाख की रिश्वत राशि के साथ उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक गिरफ्तार

टोंक, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने टोंक में जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक के साथ ही बूंदी जिला उद्योग केंद्र में तैनात वरिष्ठ सहायक को एक लाख की रिश्वत राशि के साथ गिरफ्तार किया। वहीं, इस मामले में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट की भूमिका को संदिग्ध मानते हुए उसे भी दबोचा गया है। एसीबी के डीएसपी पारस मल ने बताया कि एसीबी को लगातार टोंक जिला उद्योग केंद्र में भ्रष्टाचार की शिकायतें मिल रही थी।

इस पर एसीबी ने कुछ मोबाइल नंबरों को सर्विलांस पर लिया था और शुक्रवार को कार्रवाई की गई। वहीं, टोंक जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक सुल्तानसिंह मीणा के साथ ही बूंदी उद्योग केंद्र में कार्यरत वरिष्ठ सहायक अजय खंडेलवाल को एक लाख की रिश्वत राशि के साथ गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही वरिष्ठ सहायक अजय खंडेलवाल के घर से छह लाख नकद भी बरामद किया गया है। एसीबी ने मोबाइल नंबरों के सर्विलांस के आधार पर जयंत जैन नाम के एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को भी दबोचा है।

एक्स्ट्रा क्लास के बहाने 12 बच्चों से हैवानियत

पॉक्सो कोर्ट ने शिक्षक को सुनाई 20 साल की सजा

झुंझुनू, 9 अगस्त (एजेंसियां)। सैनिक स्कूल में 5 साल पहले 12 बच्चों के साथ यौन दुराचार करने वाले शिक्षक को 20 साल की सजा सुनाई है। पॉक्सो कोर्ट ने दोषी शिक्षक पर 81 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। जानकारी के अनुसार दोषी शिक्षक रवींद्र सिंह पढ़ाई में कमजोर बच्चों को एक्सट्रा क्लास के बहाने रात को अपने कमरे में बुलाता था और अश्लील हरकतें करता था। कई बार उसने बच्चों के साथ कुकर्म भी किया। उसने बच्चों को इतना डराया कि कोई भी उसकी शिकायत करने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। कोर्ट ने इस मामले में टिप्पणी करते हुए कहा कि स्कूल में एक शिक्षक ही जब इस तरह के घृणित कृत्य करेगा तो लोग कैसे अपने बच्चों को स्कूल भेजेंगे। यह क्रूरतापूर्ण अपराध है। इसके लिए शिक्षक को कड़ी सजा सुनाई जाती है।

परिजन ने पूछा तो फूटा बच्चों का दर्द

वरिष्ठ वकील गोकुलचंद सैनी ने बताया 7 दिसंबर 2019 को दोरासर (झुंझुनू) में स्थित सैनिक स्कूल में पेरेंट्स मीटिंग के दौरान उस वक्त हड़कंप मच गया, जब स्कूल के 12 बच्चों ने अंग्रेजी के शिक्षक रवींद्र सिंह शेखावत पर यौन शोषण के आरोप लगाए। बच्चों ने बताया था कि रवींद्र सिंह उनके साथ कई महीनों से यौन दुराचार कर रहा है। कमरे में बुलाकर गलत जगह टच करता है। कई बार कुकर्म भी किया। किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देता था। मामला सामने आने के बाद स्कूल में एक समिति बनाई गई। समिति ने बच्चों की काउंसिलिंग की, लेकिन बच्चे कुछ भी नहीं बोल सके। इसके बाद स्कूल में कार्पलपनिशमेंट मॉनिटरिंग कमेटी (सीपीएमसी) की बैठक हुई। बैठक में पेरेंट्स भी शामिल होते रहे। बैठक में बच्चों ने अपनी आपबीती बताई। शिकायत सामने आने के बाद स्कूल के तत्कालीन प्रिंसिपल अभिलाष सिंह ने 8 दिसंबर 2019 को सदर थाने में मामला दर्ज करवाया था। पुलिस ने 10 दिसंबर 2019 को रवींद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया था और जांच के बाद पॉक्सो कोर्ट में चालान पेश किया था। सरकारी वकील ओमप्रकाश सैनी ने बताया शिक्षक रवींद्र सिंह शेखावत (41) निवासी काली पहाड़ी (झुंझुनूं) के खिलाफ कोर्ट में 36 गवाह और 85 दस्तावेज पेश किए। इसके आधार पर कोर्ट ने शिक्षक को दोषी करार दिया और पॉक्सो एक्ट की धारा के साथ ही अलग-अलग धाराओं में 20 साल के कठोर कारावास और 81 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई।

सांसद ओम बिरला की पहल पर कोटा-बूंदी को मिलेगी सौगात, इन दो टाइगर रिजर्व में छोड़े जाएंगे 9 बाघ-बाघिन

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा-बूंदी में दोनों टाइगर रिजर्व को लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रयासों से जल्द बड़ी सौगात मिलने वाली है। मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व और रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में जल्द ही नौ बाघ-बाघिन छोड़े जाएंगे। इसके अलावा मुकुंदरा टाइगर रिजर्व में सुविधाओं को विकसित कर जल्द ही टाइगर सफारी को भी शुरू किया जाएगा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय वन और पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और राजस्थान के वन मंत्री संजय शर्मा की उपस्थिति में संसदीय क्षेत्र कोटा-बून्दी में वन विभाग और दोनों टाइगर रिजर्व से संबंधित विषयों को लेकर बैठक हुई। बैठक में स्पीकर ओम बिरला ने दोनों टाइगर रिजर्व में बाघ-बाघिन और अन्य वन्य जीवों की संख्या बढ़ाने और कोटा में सफारी को जल्द शुरू करने की बात कही है।

इस बैठक में मुकंदरा टाइगर रिर्जव में दो बाघ और एक बाघिन, जबकि रामगढ़ विषधारी में छह बाघ-बाघिन सहित अन्य वन्यजीव छोड़ने का फैसला लिया गया है। कोटा-बूंदी के वन भूमि क्षेत्र में लंबे समय से अधूरे पड़े विकास कार्यों को जल्द पूरा करने के लिए एनओसी प्रक्रिया में तेजी लाने का फैसला हुआ। वन भूमि अधिनियम के तहत इन क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी, ताकि आमजन को लाभ मिल सके। इस दौरान चंबल नदी में रिवर क्रूज के संचालन में आ रही बाधा को दूर करने को लेकर भी चर्चा हुई।

केंद्रीय वन मंत्री ने अधिकारियों को क्रूज संचालन से संबंधित कार्यवाही को पूरा करने के निर्देश दिए। अभेड़ा बायोलोजिकल पार्क में बजट के अभाव में लंबे समय में रुका हुआ दूसरे फेज का काम भी जल्द ही शुरू होगा। कैम्पा निधि से यहां नए एनक्लोजर्स निर्माण और अन्य विकास कार्य होंगे। वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने राज्य के अधिकारियों को इसका प्रस्ताव भेजने को कहा है। पूर्व में सेंट्रल जू अथॉरिटी की ओर से यहां 35 एनक्लोजर्स की स्वीकृति मिली थी, लेकिन मौजूदा समय में यहां 13 एनक्लोजर्स ही बन सके हैं। नए एनक्लोजर्स के निर्माण के बाद यहां घड़ियाल, जलीय जीव और विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों को भी लाया जा सकेगा।

'बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर बोले सरकार'

हिंदू संघर्ष समिति के पदाधिकारी बोले- देश में 15 से 20 करोड़ लोग अनैतिक तरीके से रह रहे

जयपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के हालात को लेकर अब जयपुर में भी विरोध होने शुरू हो गए हैं। इस मुद्दे को लेकर हिंदूवादी संगठनों ने अपना विरोध जताना शुरू कर दिया है। हिंदू संघर्ष समिति के संयोजक विजय कौशिक ने मीडिया से बात करते हुए कहा- जिस तरह से बांग्लादेश में हालात बने हुए हैं। उस पर तत्काल रूप से हमारी सरकार को भी एक्शन लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा- वहां पर हिंदुओं के साथ जो अत्याचार हो रहा है। उनकी हत्या हो रही है, वह बहुत सोचने वाला विषय है। हमने प्रदेश और देश में सनातनी सरकार चुनी है। उसके बावजूद भी कोई बड़ा लीडर इस मुद्दे पर बोलने को तैयार नहीं है जो की बहुत दुख पहुंचाने वाला है। कौशिक ने कहा- पाकिस्तान, बांग्लादेश और अपने ही देश में हिंदुओं के साथ बहुत अत्याचार हो रहा है। उनकी हत्या की जा रही है। बहन बेटियों के साथ रेप किया जा रहे हैं। इसके बावजूद भी कोई इस मुद्दे पर खुलकर बोलने को तैयार नहीं है। देश में 15 से 20 करोड़ लोग अनैतिक तरीके से रह रहे हैं। जिन्हें कुछ गलत लोग और लीडर संरक्षण दे रहे हैं। इससे कि उनका वोट बैंक बढ़ सके। सरकार अगर इन पर कोई ठोस कदम नहीं उठाती है तो जल्दी ही हिंदू संघर्ष समिति इन्हें यहां से भगाने का काम करेगी।

स्वतंत्रता दिवस से पहले तिरंगे के रंग में रंगे बाजार जोधपुर के मार्केट में इस बार क्या है नया?

जोधपुर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा देश की आजादी के 75 साल पूरे होने मौके पर 15 अगस्त को शुरू किया गया 'हर घर तिरंगा' अभियान अब एक सालाना आयोजन के रूप में मनाया जा रहा है। आज शुक्रवार (9 अगस्त) से 'हर घर तिरंगा' अभियान के तीसरे संस्करण की शुरुआत हो गई है, जो आगामी 15 अगस्त तक चलेगा। हर घर तिरंगा अभियान देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित किया जाएगा। इसका ऐलान केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने गुरुवार को किया। हर घर तिरंगा अभियान को लेकर राजस्थान के जोधपुर में भी खूब धूम है। यहां बाजारों में दुकानें सज चुकी हैं। तिरंगा, बिल्ले, पगड़ी, टोपी, टी-शर्ट, घर में सजावट के लिए कई तरह के समान उपलब्ध है। दुकानों में इसकी खरीदारी भी शुरू हो चुकी है। बाजार में लोग तिरंगा खरीद कर अपने घरों पर लगा रहे हैं।

बड़े झंडे की डिमांड ज्यादा

जोधपुर के एक दुकानदार का कहना है कि इस बार तिरंगे से जुड़े कई तरह के समान हमारे पास उपलब्ध हैं। कई तरह की चीजों की डिमांड भी हमारे पास आ रही है। पिछले साल की बात करें तो हमारे पास सारा सामान खत्म हो गया था। इस बार हमने डबल स्टॉक पहले से ही कर रखा है। जरूरत पड़ने पर और ऑर्डर किया जाएगा। दुकानदार ने बताया कि इस बार पिछले साल की तुलना में कीमत भी काफी कम है। ग्राहक बड़े झंडे की डिमांड कर रहे हैं।

वहीं घर में सजाने और बच्चों के लिए फरिया पगड़ी और टोपी भी खरीद रहे हैं, जिनकी कीमत 20 रुपये से शुरू होती है। वहीं तिरंगा स्प्रे भी इस बार बाजार में काफी डिमांड में है। ग्राहक ने बताया कि तिरंगे से जुड़ी हर चीज लोगों को बहुत पसंद आ रही है। हमारे जैसे लोगों में हर घर तिरंगा की होड़ सी मची हुई है। हर कोई तिरंगा झंडा अपने घर पर लगाने के लिए खरीद रहा है। छोटे बच्चों से लेकर हर उम्र के लोगों के लिए तिरंगे की अलग-अलग खूबसूरत चीजें उपलब्ध है।

बाघिन महल को अकेले छोड़ गया नाहर, अब कोटा के बायोलॉजिकल पार्क में नहीं सुनाई देगी बाघ की दहाड़

कोटा, 9 अगस्त (एजेंसियां)। कोटा के अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क में अब बाघ नाहर की दहाड़ कभी सुनाई नहीं देगी। बायोलॉजिकल पार्क में शुक्रवार को सुबह बाघ नाहर की मौत हो गई। बाघ को पिछले साल ही मार्च में जयपुर के नाहरगढ़ पार्क से लाया था। जयपुर से नाहर और बाघिन महल कोटा आने के बाद साथ रह रहे थे, लेकिन 17 साल 10 महीने 19 दिन के बाद नाहर ने दम तोड़ दिया। दरअसल गुरुवार की शाम को करीब सवा छह बजे नाहर को डिस्प्ले एरिया से नाइट शेल्टर में शिफ्ट किया जा रहा था, तो पाया गया कि बाघ का पिछला हिस्सा मूव नहीं कर पाया। बाघ गोल घूमकर नीचे गिर गया। इसकी सूचना चिकित्सकों को देकर इलाज शुरू करवाया। इसके बावजूद नाहर की हालत में सुधार नजर नहीं आया।

उपचुनाव में अपने-अपने का दबाव, परिवारवाद से पार पाएगी कांग्रेस या भाजपा को मिलेगा फायदा

झुंझुनू, 9 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश में राजनीतिक गर्मी और उठापटक का दौर एक बार फिर से शुरू हो चुका है। विधानसभा सत्र के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के साथ ही उपचुनाव की हलचल शुरू हो चुकी है, जहां एक तरफ भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौर ने पद ग्रहण करते ही पार्टी कार्यकर्ताओं की अनदेखी पर पर अपनी प्रतिक्रिया दी। वहीं, दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी के विधायकों ने विधानसभा में मुकेश भाकर का साथ देते हुए कांग्रेस को राजस्थान में एकजुट दिखाने का सफल प्रयास किया। 6 सीटों पर होने वाले उप चुनाव में अग्नि परीक्षा कांग्रेस पार्टी की होनी तय है, क्योंकि भाजपा के पास खोने और पाने को कुछ है ही नहीं। न तो उपचुनाव उनके विधानसभा में संख्या बल को प्रभावित करते हैं और न ही सरकार पर कोई अनिश्चितता दर्शाते हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के सामने पार्टी को 6 उप चुनाव में जीत दिलवाकर अपने कद को बरकरार रखने की बड़ी चुनौती है। लोकसभा चुनाव जीतने पर पांच विधायकों ने अपने पद से इस्तीफा दिया था, जबकि अमृत मीणा की असमय मृत्यु चुनाव का कारण बनी है। खींवसर के विधायक हनुमान बेनीवाल (आरएलपी) नागौर से सांसद चुने गए। इन्होंने कांग्रेस के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था। अब उपचुनाव में ये अपने ही परिवार से उम्मीदवार को चुनाव लड़ना चाहते हैं। जानकारों की मानें तो इनकी पत्नी कनिका बेनीवाल के नामों की चर्चा जोरों पर है। हनुमान के भाई भी नारायण बेनीवाल भी खींवसर सीट से विधायक रहे चुके हैं। सवाल ये भी है कि क्या अब भी इनका कांग्रेस से गठबंधन लागू रहेगा या बेनीवाल अकेले ही चुनाव में जाएंगे? अगर गठबंधन चालू रहता है तो कांग्रेस इनको कैसे मना पाती है। झुंझुनू से बृजेंद्र ओला, कांग्रेस पार्टी के विधायक से सांसद बन चुके हैं। उप चुनाव में ये भी अपने परिवार के लिए सीट चाहते हैं, इतिहास गवाह है कि कांग्रेसी नेता शीशराम ओला के समय में उनके सांसद रहते उनके बेटे बृजेंद्र ओला व महिला सीट आने पर उन्होंने अपनी पुत्रवधु राजबाला ओला को सरकारी नौकरी से इस्तीफा दिलाकर जिला प्रमुख बनाया था।

भावी सीएम बनने के सवाल पर नेता प्रतिपक्ष बोले

ये सम्मान भंवर जितेंद्र सिंह को मिले, कहा- सिलीसेढ़ में जमीन खरीदी, अतिक्रमण नहीं किया

अलवर, 9 अगस्त (एजेंसियां)। विधानसभा में बहरोड़ से बीजेपी विधायक डॉ. जसवंत यादव ने नेता प्रतिपक्ष जूली को भावी सीएम बताया था। इस पर जवाब देते हुए जूली ने कहा- डॉ. जसवंत की बात तो वही जाने लेकिन अलवर में ये सम्मान भंवर जितेंद्र सिंह को मिलना चाहिए। जूली ने ये बात अलवर में सरकार के विरोध में मिनी सचिवालय के बाहर दिए धरने-प्रदर्शन के दौरान कहीं। दरअसल, बहरोड़ विधायक जसवंत यादव ने 11 जुलाई को बजट बहस में भाग लेते हुए नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था- आज राज की बात बता रहा हूं। मैंने मैंने टीकाराम जूली को पहले भी कहा था, आप बहुत आगे जाओगे, सीएम बनोगे। अभी भी कह रहा हूं आप सीएम बनेंगे। प्रदर्शन के दौरान जूली ने मीडिया से बात करते हुए कहा- सरिस्का के बफर जोन और बहाव क्षेत्र में अतिक्रमण है तो हटाया जाए। नियम के अनुसार होटल संचालित किए जाएं। सरिस्का से टूरिस्ट आता है। उनको रहने के लिए होटल की जरूरत भी पड़ती है। नियम के अनुसार सब चलना चाहिए। कहीं गलत है तो हटाना चाहिए। सिलीसेढ़ में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और उनके भाई मुकेश जूली के नाम से भी जमीन है। वह भी बहाव क्षेत्र से लगती है। जिस पर तीन तरफ की दीवार है। इस पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा- उनका कोई अतिक्रमण नहीं है। साल 2006 में उन्होंने यहां जमीन खरीदी थी लेकिन किसी तरह का निर्माण नहीं किया। न कोई अतिक्रमण है। मौके पर जाकर देखा जा सकता है। प्रेम रत्नाकर बांध के बहाव क्षेत्र में अतिक्रमण होने का मामला विधानसभा में केकड़ी के विधायक ने उठाया था। उन्होंन एक रिपोर्ट दिखाते हुए कहा था कि वहां नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का अतिक्रमण है। यूआईटी की रिपोर्ट से पता चलता है। इस मामले में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वह बिल्कुल झूठी रिपोर्ट है। यूआईटी ने ऐसी कोई जानकारी नहीं दी। उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन का मामला विधानसभा में लगा दिया गया है।

परिंदों की शरणस्थली बना ऐरी गांव का तालाब पेड़ों पर बना रहे घोंसले

झालावाड़, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भवानीमंडी। क्षेत्र की गुढ़ा ग्राम पंचायत के ऐरी गांव का तालाब परिंदों को खूब रास आ रहा है। तालाब के किनारे व बीच में बड़े-बड़े पेड़ परिंदों की शरणस्थली बने हुए हैं जो सुरक्षा की दृष्टि से भी इनके लिए महफूज हैं। इन्ही पेड़ों पर परिंदे घोंसला बना रहे हैं और वंशवृद्धि भी कर रहे हैं। तालाब व इसके आसपास हरियाली और एनिकट से झरने की तरह बहता पानी बरबस ही आनंदित कर देता है। भवानीमंडी।

क्षेत्र की गुढ़ा ग्राम पंचायत के ऐरी गांव का तालाब परिंदों को खूब रास आ रहा है। तालाब के किनारे व बीच में बड़े-बड़े पेड़ परिंदों की शरणस्थली बने हुए हैं जो सुरक्षा की दृष्टि से भी इनके लिए महफूज हैं। इन्ही पेड़ों पर परिंदे घोंसला बना रहे हैं और वंशवृद्धि भी कर रहे हैं। तालाब व इसके आसपास हरियाली और एनिकट से झरने की तरह बहता पानी बरबस ही आनंदित कर देता है।

मुख्यमंत्री के खिलाफ बीआरएस के सारे आरोप निराधार : कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वन एवं पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा आज मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ की गई टिप्पणी से खफा होकर बीआरएस नेताओं पर जमकर बरसीं। उन्होंने कहा कि बीआरएस के नेता लोगों का पैसा चुराकर विपक्ष में बैठे हैं। शुक्रवार को अपने आवास पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में मंत्री ने कहा कि केटीआर की भाषा मर्यादित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब बीआरएस सत्ता में थी तब केटीआर ने अवैध रूप से लूटपाट करने के लिए अतीत में अमेरिका का दौरा किया था। उन्होंने कहा कि निवेश लाने और राज्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से सीएम रेवंत रेड्डी का विदेश दौरा चल रहा है। कोंडा सुरेखा ने कहा कि बीआरएस नेताओं ने रेवंत के छोटे भाई के खिलाफ गलत आरोप लगाए हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या यह सच नहीं है कि केटीआर ने अतीत में शैडो सीएम के रूप में काम किया था। उन्होंने गलत शब्द बोलने के लिए केटीआर और बीआरएस पार्टी के नेताओं की आलोचना की। उन्होंने कहा कि बीआरएस के अधिकार के तहत एमओयू पर हस्ताक्षर करने वाली सभी कंपनियां फर्जी कंपनियां थीं। उन्होंने कहा कि फर्जी कंपनियों से एमओयू कर लोगों को ठगा गया है।

कालेश्वरम, मिशन काकतीय, दलित बंधु, मिशन भागीरथ सभी घोटाले हैं, जिनमें से लाखों करोड़ की चोरी हुई है। मंत्री कोंडा सुरेखा ने चेतावनी दी कि वह दिन दूर नहीं जब लोग बीआरएस पार्टी को रसातल में पहुंचा देंगे।

आदिवासियों के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है : स्पीकर

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना आदिवासी कल्याण विभाग के सहयोग से शुक्रवार को भीम आदिवासी भवन में विश्व आदिवासी दिवस बड़े पैमाने पर मनाया गया। विधानसभा अध्यक्ष गड्डाम प्रसाद कुमार, पंचायत राज मंत्री सीताक्का और आदिवासी विधायक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए स्पीकर प्रसाद कुमार ने कहा कि तेलंगाना राज्य में रहने वाले आदिवासियों की एक अनूठी संस्कृति है और वर्तमान कांग्रेस सरकार इस संस्कृति को संरक्षित करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आदिवासी समुदाय के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री सीताक्का ने कहा कि आदिवासी संस्कृति अनूठी और प्राचीन है, इसे अब वैज्ञानिक और स्वस्थ के रूप में मान्यता दी गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने आदिवासियों के विकास के लिए विभिन्न कार्यक्रम शुरू किए हैं और राज्य के बजट में पर्याप्त धन आवंटित किया है। बाद में, अतिथियों ने इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों, खिलाड़ियों और कुटीर उद्योग समूहों को सम्मानित किया।

सावन की सैर का आयोजन 15 अगस्त को : धर्मीचन्द कुमावत

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आप और हम के अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत ने बताया कि, राजस्थानी एवं हरियाणा समाज का सशक्त संगठन की सावन की सैर का आयोजन 15 अगस्त को होगा। इसका आयोजन कृष्णा सरिन पोनल विलेज रिसोर्ट शामीरपेट में होगा। इसमें बडों एवं बच्चों के लिए खेलकूद आदि निम्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेंगी। जिसमें ईण्डोर गेम्स के साथ कैरोम बोर्ड, चेस, टेबल टेनिस, ट्रम्पोलिन, आरचर आदि शामिल होंगे। आउटडोर गेम्स में स्वीमिन्ग, बास्केट बाल, फुटबाल, बेडमिन्टन, शटल काक, क्रिकेट, बायसाईकल आदि खेल शामिल रहेंगे।

संस्था अध्यक्ष ने बताया कि, नई कार्यकारिणी गठन के बाद यह पहला आयोजन है। इस बारे में, प्रधान संयोजक शशिकान्त अग्रवाल ने बताया कि, संस्था द्वारा सभी के लिए निःशुल्क बस की व्यवस्था रहेगी एवम सभी के लिए सुबह का अल्पाहार, दोपहर का भोजन व रात्रि भोज आदि की भी व्यवस्था रहेगी। पूर्व अध्यक्ष नन्दगोपाल भट्टड ने बताया कि, इसमें प्रवेश, प्रवेश पत्रों द्वारा ही मिलेगा। जिसमें सीमित प्रवेश होने की वजह से पहले आओ पहले पाओ के आधार पर प्रवेश रहेगा। अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत, प्रधान संयोजक शशिकांत अगरवाल, मानद मंत्री सोहन सिंह राजपुरोहित, कोषाध्यक्ष कोमल शर्मा, निवर्तमान अध्यक्ष नन्दगोपाल भट्टड आदि ने लोगों से इसका लाभ लेने की अपील की है।

भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान में तकनीकी हिन्दी कार्यशाला

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति-2 के तत्वावधान में भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान राजेंद्रनगर में तकनीकी हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ अध्यक्ष एवं निदेशक डॉ. आरएम सुंदरम को तथा अन्य पदाधिकारियों के स्वागत के साथ हुआ। इस अवसर पर श्रीमती बेला कक्कड, सर्वकार्यभारी अधिकारी, हिन्दी शिक्षण योजना, श्रीमती अनिता पांडे, सहायक निदेशक (रा.भा) एवं सदस्य सचिव, नराकास शीतांशु कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, चावल अनुसंधान संस्थान तथा पी. दामोदर, सहायक आयुक्त, जीएसटी, आयुक्तालय, डॉ. सत्येंद्र कुमार मंगरौठिया, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईआईआरआर एवं प्रदीप सिंह, सलाहकार (रा.भा), आईआईआरआर सहित विभिन्न कार्यालयों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

श्रीमती अनिता पांडे ने कार्यशाला की रुपरेखा प्रस्तुत की तथा शीतांशु कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, चावल अनुसंधान संस्थान ने अध्यक्ष सहित सभी का स्वागत किया। अध्यक्ष डॉ. सुंदरम ने चावल अनुसंधान संस्थान की संक्षिप्त जानकारी दी। चावल के बारे में जो भ्रांतियां है उनका समाधान किया तथा चावल के प्रकारों का जिक्र किया।

दूसरे सत्र की शुरूआत पी. दामोदर ने भारतीय अर्थव्यवस्था 2024 का बजट पर व्याख्यान देते हुए भारतीय अर्थ व्यवस्था के साथ अंतर्राष्ट्रीय बजट पर भी प्रकाश डाला तथा भारतीय अर्थ व्यवस्था के विभिन्न आयामों को भी उजागर किया। डॉ. सत्येंद्र कुमार मंगरौठिया ने चावल के उपयोग से जुडी भ्रातियां विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यशाला का संचालन श्रीमती अन्नपूर्णा, हिन्दी अनुवादक, एनआईआरडी ने किया। धन्यवाद प्रदीप सिंह, सलाहकार (रा.भा), आईआईआरआर ने दिया।

औषधि खोज, वितरण एवं निदान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) हैदराबाद, भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के औषधि विभाग द्वारा स्थापित एक प्रमुख संस्थान है। नाईपर हैदराबाद, जिसे एनआईआरएफ़ 2023 रैंकिंग में भारत में नंबर 1 फार्मेसी संस्थान का दर्जा दिया गया है, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों संगठनों के साथ प्रभावशाली सहयोग करते हुए, औषधि शिक्षा और अनुसंधान में मानक स्थापित करना जारी रखे हुए है। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में नाईपर हैदराबाद के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष और लॉरस लैब्स के सीईओ डॉ. सत्यनारायण चावा उपस्थित रहें। उनके साथ मुख्य अतिथि के रूप में एनआईएबी के निदेशक डॉ . जी. तारू शर्मा और बीडीएमएआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरके अग्रवाल भी मौजूद रहें।

नाईपर हैदराबाद के निदेशक प्रो. शैलेंद्र सराफ ने मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। उन्होंने शोध पत्र और दायर पेटेंट के संदर्भ में नाईपर हैदराबाद की हालिया उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने उद्योग, शिक्षा और अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों से शामिल हुए विशेषज्ञों को भी प्रदर्शित किया। मुख्य अतिथि डॉ. सत्यनारायण चावा ने सहयोगात्मक अनुसंधान के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने नाईपर हैदराबाद के छात्रों की प्लेसमेंट उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला।

डॉ . जी. तारू शर्मा ने "भारत की फार्मा राजधानी" में नाईपर हैदराबाद के रणनीतिक स्थान पर चर्चा की। उन्होंने नाईपर हैदराबाद और एनआईएबी के बीच पशु मॉडल में सहयोगात्मक अनुसंधान की संभावनाओं के बारे में बात की।

कार्यक्रम के दौरान, नाईपर हैदराबाद ने सहयोगात्मक और अनुवादात्मक अनुसंधान प्रयासों को बढ़ाने के लिए एनआईएबी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। आईसीडी4 सम्मेलन में शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों और उद्योग जगत के नेताओं का एक प्रतिष्ठित समूह एकत्रित हुआ, जिसने दवा खोज प्रक्रिया और चिकित्सा उपकरणों में दवा वितरण की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की। सम्मेलन में कई पूर्ण सत्र और विशेषज्ञ वार्ताएं शामिल हैं, जो छात्रों और शिक्षकों सहित प्रतिभागियों को मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने नवीनतम शोध को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करती हैं।

सड़क की सुविधा न होने के कारण दुनिया में आने से पहले दुनिया से चला गया

आसिफाबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एक तरफ जहां सरकार गांव से लेकर शहरों तक सड़कों के जाल बिछाने के दावे करती है तो वहीं गांव तक पहुंचने के लिए सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित एक बेहद ही शर्मनाक तस्वीर कुमरम भीम आसिफाबाद जिला के वेंकटपुर ग्राम से सामने आई है। गांव तक पहुंचाने के लिए सड़क नहीं होने के कारण वेंकटपुर ग्राम की रहनेवाली आत्रम दार्मू बाई गर्भवती थी। अचानक गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा होने लगी तब परिवार वालों ने एंबुलेंस को फोन किया। एम्बुलेंस वेंकटपुर ग्राम में पहुंचने के लिए रवाना हो गई लेकिन बीच में नदी होने के कारण एंबुलेंस नदी के पार आकर खड़ी हो गई और दूसरी ओर से गर्भवती महिला को परिवार वालों ने नदी पार करते हुए एंबुलेंस तक लाए। गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा अधिक होने के कारण नदी के पास ही बच्चे को जन्म दिया। एंबुलेंस के कर्मचारियों ने जब बच्चे को देखा तो उन्होंने बताया कि बच्चा मृत पैदा हुआ है। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिला के के पेट के अंदर और एक बच्चा है तब एंबुलेंस वालों ने तुरंत आसिफाबाद सरकारी अस्पताल लाया। लेकिन आसिफाबाद के डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए मंचूरियन रेफर किया।

फिर से शुरू हो एफसीआई चावल की आपूर्ति

बीआरएस सांसद ने इथेनॉल उत्पादन के लिए की मांग

नई दिल्ली/हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता बी पार्थसारधि रेड्डी ने शुक्रवार को सरकार से अनाज आधारित इथेनॉल निर्माताओं के लिए भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के माध्यम से टूटे और अधिशेष चावल की आपूर्ति बहाल करने का आग्रह किया, जिसे जुलाई 2023 में रोक दिया गया था। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान बोलते हुए रेड्डी ने कहा कि सरकार की जैव ईंधन नीति से प्रेरित होकर पिछले चार वर्षों में 25,000 करोड़ रुपये के निवेश से देश भर में लगभग 131 अनाज आधारित इथेनॉल संयंत्र स्थापित किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि एफसीआई चावल की आपूर्ति अचानक बंद होने से उद्योग में 'आश्चर्य की लहर' पैदा हो गई है। रेड्डी ने कहा कि फीडस्टॉक की कमी पूरे उद्योग के लिए खतरा बन रही है और 2025 तक केंद्र के महत्वाकांक्षी ई-20 लक्ष्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। बीआरएस के सदस्य ने कहा कि सरकार ने टूटे और क्षतिग्रस्त चावल के साथ-साथ मक्का की कीमतें 21 रुपये से बढ़ाकर 29 रुपये प्रति किलोग्राम कर दी हैं, लेकिन इथेनॉल मूल्य समायोजन आनुपातिक नहीं है, जिससे उद्योग अलाभकारी हो गया है। रेड्डी ने सरकार से आग्रह किया कि अन्य खाद्य उद्योगों के लिए प्रावधानों के समान टैरिफ राहत कोटा के तहत मक्का के आयात की अनुमति दी जाए।

उन्होंने याद दिलाया कि 2018 से पहले केंद्र सरकार ईंधन मिश्रण के लिए केवल गुड़ से बने इथेनॉल पर निर्भर थी। जून 2018 में इथेनॉल उत्पादन के लिए क्षतिग्रस्त खाद्यान्नों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए एक नई जैव ईंधन नीति पेश की गई थी। बीआरएस नेता ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार को 2025 तक ई-20 लक्ष्य को पूरा करने के लिए लगभग 1,000 करोड़ लीटर इथेनॉल की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि 131 अनाज आधारित इथेनॉल संयंत्रों की उत्पादन क्षमता 600 करोड़ लीटर है, जो देश की कुल आवश्यकता का 60 प्रतिशत पूरा करता है।

आज भी खुला रहेगा शिवराज लक्ष्मीचन्द जैन ज्वलर्स

सोमाजिगुडा स्थित शिवराज लक्ष्मीचन्द जैन ज्वलर्स में चल रहा वार्षिक धमाका सेल जो कि प्रतिवर्ष जुलाई महिने में रहता है वह अब अपने अंतिम रचण में है.. इस वार्षिक सेल में आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटका, तमिलनाडु एवं तेलंगाना के विभिन्न क्षेत्रों से ग्राहकों का आवगमण रहा ।

संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आदिवासी दिवस

विश्व आदिवासी दिवस समारोह में एसपी डीवी श्रीनिवास राव

आसिफाबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आदिवासी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए जिला केंद्र स्थित आदिवासी भवन में विश्व आदिवासी दिवस समारोह किया गया। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे, जिला एसपी डीवी श्रीनिवास राव, विधायक कोवलक्ष्मी, पालवाई हरीश बाबू, जिले के विभिन्न आदिवासी समुदायों के नेता और उच्च अधिकारी शामिल हुए। समारोह में आदिवासी भवन से राय सेंटर और वापस कोमराम भीमू प्रतिमा तक एक रैली आयोजित की गई।

इस कार्यक्रम के तहत आदिवासियों से संबंधित 9 जनजातियों के लोगों और छात्रों ने अपनी सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से खेल और नृत्य कर मनोरंजन किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न आदिवासी नेताओं और अधिकारियों तथा जन प्रतिनिधियों ने अपनी बातें रखीं। जिले के एसपी डीवी श्रीनिवास राव ने कहा कि आदिवासियों की सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान करते हुए उनके लिए एक विशेष दिन निर्धारित किया गया है। क्षेत्र का विकास तभी संभव है जब शिक्षा का विकास होगा और शिक्षा के माध्यम से ही उच्च नौकरियां प्राप्त कर ऊंचे पद पर पहुंचा जा सकता है। बताया गया कि आदिवासियों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए पुलिस विभाग की ओर से रोजगार मेला का आयोजन किया गया था। कई आदिवासी भाई अन्यत्र काम करने के लिए आगे नहीं आए और उन्होंने बताया कि हम तभी आगे बढ़ सकते हैं जब हम काम के लिए दूसरी जगह जाएंगे। इसी तरह उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग आदिवासियों के विकास के लिए हमेशा आगे रहता है और उन्हें किसी भी मदद की जरूरत हो तो वे बिना किसी डर के आ सकते हैं।

बहन की हत्या कर फरार आरोपी गिरफ्तार

कोम्पल्ली इलाके से हुई गिरफ्तारी

मुंबई/हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुंबई पुलिस ने एक 23 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है जो अपनी बहन पर भारी वस्तु से हमला कर उसकी हत्या करने के बाद फरार था। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी राजीव साह को 4 अगस्त को हैदराबाद में गिरफ्तार किया गया और यहां की एक अदालत ने उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया है। उन्होंने बताया कि साह की बहन चुनियादेवी रामविश्वास यादव (32) की दो अगस्त को सरकारी केईएम अस्पताल में मौत हो गई थी, जिसके बाद हत्या का मामला दर्ज किया गया और आरोपी शहर से फरार हो गया। अधिकारी ने बताया कि जांच में पता चला कि आरोपी ने बोरीवली के पश्चिमी उपनगर के गणपत पाटिल नगर इलाके में स्थित अपने घर में अपनी बहन पर भारी वस्तु से हमला किया और उस पर उबलते चावल का बर्तन फेंका। उन्होंने बताया कि हमले में पीड़ित के सिर पर चोट आई है तथा शरीर जलने के घाव हो गए हैं। अधिकारी ने बताया कि तकनीकी विश्लेषण की मदद से साह का हैदराबाद में पता लगाया गया और एमएचबी कॉलोनी पुलिस थाने की एक टीम ने उसे कोम्पल्ली इलाके से गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि हमले के कारण का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

चोरियों को रोकने के लिए सीआई ने की बैठक

चेवेल्ला, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंडल केन्द्र में चोरी डकैती पर नकेल कसने के लिए चेवेल्ला सर्किल पुलिस अधिकारी ने ज्वैलरी व्यापारियों से स्थानीय पुलिस स्टेशन में बैठक की। सीआई भुपाल श्रीधर ने सभी ज्वैलरी, गोल्ड स्मिथ दुकान के मालिकों को हर समय सतर्क रहने के लिए अनुरोध किया। राज्य में चोरी, डकैती, हमले बढ़ रहे हैं, इसलिए आभूषणों के दुकानदारों को सम्भलकर व्यापार करने की सलाह दी।

बातचीत में ज्वैलरी दुकानों में सीसीटीवीकैमरे व मोबाइल में लाइव स्ट्रीमिंग के साथ अटैच करने के लिए चर्चा की गयी। कैमरे उच्चतम गुणवत्ता का हो, जिससे कोई भी अप्रिय घटना होने पर आसानी से अपराधी को पकड़ा जा सके। स्थानीय इलाके में कोई भी अपरिचित व्यक्ति पर संदेह हो तो तुरंत पुलिस से सम्पर्क करें।

राज्य में गहनों की दुकानों पर हमले पर सतर्कता पर जोर देने के लिए कहा गया। हर राज्य के लोग स्थानीय मंडल केंद्र में रोजगार की तलाश में आ रहे हैं और रोजगार की आड़ में चोरी-डकैती शुरू कर रहे हैं। इसलिए चोरी के गहनों को नहीं खरीदने के लिए अपील के साथ पुलिस को सूचना देने के लिए कहा गया। इसके साथ ही ज्वैलरी ट्रांसपोर्टिंग मुद्दे पर भी चर्चा की गयी, ट्रांसपोर्टिंग में सुरक्षा व सतर्कता बरतने के लिए सीआई ने अपील की। इस बैठक में भंवरलाल वैष्णव,जगदीश वैष्णव, मलाराम,श्याम, चेलाराम, ओमप्रकाश अशोक, रवी-आलुर, नवीन कंदाड़ा, ज्ञानेश्वर चारी उपस्थित थे।

5 छात्रों को मिला उच्च स्तरीय श्रवण उपकरण

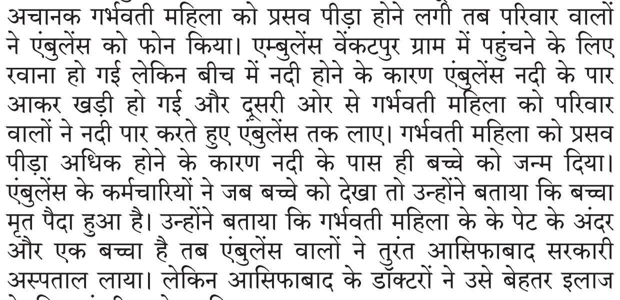

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी बधिर विद्यालय, मालकपेट के 5 छात्रों को उच्च स्तरीय श्रवण उपकरण प्रदान किए गए, जो अस्थि चालन प्रौद्योगिकी पर आधारित हैं। अहमदाबाद स्थित वीहियर इनोवेशन द्वारा विकसित ये उपकरण शहर के जैन शिक्षण संस्थानों की मदद से छात्रों रिशिक, आर. चंदू, मोहम्मद जाफर, एम. तेजा और बी. कार्तिक को निःशुल्क वितरित किए गए। स्कूल के सभी छात्रों की स्क्रीनिंग के बाद इन पांच छात्रों को श्रवण यंत्र के लिए चुना गया।

नियमित श्रवण यंत्रों के विपरीत जो वायु चालन के माध्यम से काम करते हैं, ये उपकरण अस्थि चालन के माध्यम से काम करते हैं। इस उपकरण में एक माइक्रोफोन के साथ एक कलाई बैंड शामिल है जो सभी ध्वनियों को उठाता है और उन्हें ब्लूटूथ के माध्यम से हेडबैंड तक पहुंचाता है, जिसे उपयोगकर्ता अपने सिर पर, अपने कानों के पास पहनते हैं। वीहियर इनोवेशन के निदेशक विजय शाह और आदेश अग्रवाल ने कहा कि ध्वनियां फिर अस्थि चालन के माध्यम से प्रेषित होती हैं, जिससे बधिर सुन सकते हैं। नागलक्ष्मी, प्रिंसिपल, सरकारी बधिर विद्यालय, मालकपेट, स्टाफ सदस्य और छात्र मौजूद थे।

भूमि अधिग्रहण का मामला

किसानों ने केटीआर से मांगा समर्थन

बीआरएस किसानों के साथ : केटीआर

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के निर्वाचन क्षेत्र कोडंगल के किसानों ने राज्य सरकार द्वारा उनकी जमीनों का अधिग्रहण कर उन्हें दवा कंपनियों को आवंटित करने के कदम पर अपनी चिंता व्यक्त की है। कोडंगल के पूर्व विधायक पटनम नरेंद्र रेड्डी के साथ दौलताबाद मंडल के किसानों के एक समूह ने शुक्रवार को तेलंगाना भवन में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव से मुलाकात की और उनका समर्थन मांगा। जवाब में, रामा राव ने किसानों को आश्वासन दिया कि बीआरएस उनके साथ खड़ी रहेगी और उनकी जमीनों की रक्षा के लिए उनकी लड़ाई में पूरा समर्थन देगी। किसानों ने बताया कि दुद्याल मंडल के हकीमपेट, पोलेपल्ली और लाकाचारला गांवों में करीब 3,000 एकड़ कृषि भूमि उनसे छीने जाने का खतरा है।

महिपाल मुदिराज और अन्य स्थानीय नेताओं के नेतृत्व में किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने अपने गांवों के पास प्रस्तावित फार्मा कंपनियों के प्रभाव के बारे में भी अपनी चिंता व्यक्त की। उन्हें डर है कि इन कंपनियों के आने से प्रदूषण बढ़ेगा, जिसका उनकी जमीन और स्वास्थ्य पर विनाशकारी प्रभाव पड़ सकता है। किसानों ने दावा किया कि उनके विरोध के बावजूद मुख्यमंत्री के भाई तिरुपति रेड्डी उन पर अपनी ज़मीन छोड़ने का दबाव बना रहे हैं। उन्होंने सरकार की कार्रवाई को लाखों करोड़ की ज़मीन हड़पने की साज़िश बताया।

माइनारिटी कमीशन के पूर्व सदस्य गौतम जैन. टीपीसीसी के सेक्रेटरी पी. राजेंद्र यादव, गजानन चौधरी ने एबिड्स स्थित नाग मंदिर में लोगों के कल्याण के लिए पूजा अर्चना की।

सिल्वर मेडल जीतने पर पीएम मोदी ने किया नीरज चोपड़ा को कॉल, क्या-क्या बातें हुईं

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीता। इस खास उपलब्धि और देश का मान बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीरज को बधाई और शुभकामनाएं दी। न्यूज एजेंसी के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीरज चोपड़ा से फोन पर बात की और रजत पदक जीतने पर उन्हें बधाई दी। उन्होंने उनकी चोट के बारे में भी जानकारी ली और उनकी मां की खेल भावना की सराहना की।

इससे पहले पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'नीरज चोपड़ा उत्कृष्टता के साक्षात उदाहरण हैं। उन्होंने बार-बार अपनी प्रतिभा दिखाई है। भारत को खुशी है कि वह एक बार फिर ओलंपिक में सफल रहे हैं। रजत पदक जीतने पर उन्हें बधाई। वह आने वाले अनगिनत एथलीट्स को अपने सपनों को पूरा करने और हमारे देश को गौरवान्वित करने के लिए प्रेरित करते रहेंगे।'

दूसरी ओर, लोकसभा में पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने पर भारतीय पुरुष हॉकी टीम और रजत पदक जीतने पर नीरज चोपड़ा को बधाई दी है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को सदन की कार्यवाही के दौरान पेरिस ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों पर उनकी प्रशंसा की। पेरिस ओलंपिक में गुरुवार (8 अगस्त) का दिन भारत के लिए काफी हद तक अच्छा रहा।

पहले भारतीय हॉकी टीम ने ब्रॉन्ज जीता और उसके बाद देर रात जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने सिल्वर मेडल पर अपना कब्जा जमाया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारतीय हॉकी टीम और नीरज चोपड़ा द्वारा लगातार दो ओलंपिक खेल में पदक जीतना बड़ी सफलता है, जो निश्चित रूप से हमारे युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी।

उन्होंने आगे कहा,'मैं अपनी ओर से और पूरे सदन की ओर से भारतीय हॉकी टीम और नीरज चोपड़ा को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। हम अपने खिलाड़ियों को उनकी भविष्य की सफलता के लिए शुभकामनाएं देते हैं।' लोकसभा में मौजूद सभी सांसदों ने मेज थपथपाकर खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

मोहम्मद शमी की फिटनेस पर बड़ा अपडेट, बांग्लादेश सीरीज से पहले घरेलू टूर्नामेंट में फिटनेस साबित करेंगे

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टखने की चोट से उबर रहे हैं। इसके कारण वे पिछले साल नवंबर में वनडे वर्ल्ड कप के बाद से क्रिकेट से दूर हैं। उम्मीद है कि वे भारत के घरेलू सत्र में खेलेंगे, जिसकी शुरुआत सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज से होगी। चयनकर्ताओं को शमी की रिकवरी की जानकारी दे दी गई है। इस बात पर निर्णय जल्द ही लिया जाएगा कि वह 5 सितंबर से अनंतपुर में शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी के कम से कम एक मैच में खेलेंगे या नहीं, ताकि वे अपनी फिटनेस साबित कर सकें।

ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार शमी इस समय बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी में अपने रिहैब के अंतिम चरण में हैं। पिछले महीने उन्होंने अपनी सर्जरी के बाद पहली बार गेंदबाजी शुरू की थी। माना जा रहा है कि दर्द से मुक्त होने के बाद उन्होंने धीरे-धीरे अपने गेंदबाजी वर्कलोड को बढ़ाया है। जुलाई में श्रीलंका दौरे के लिए भारत के रवाना होने से पहले मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने पुष्टि की थी कि शमी ने गेंदबाजी शुरू कर दी है और चेन्नई में 19 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ शुरू होने वाला पहला टेस्ट उनकी वापसी का लक्ष्य है।

बंगाल के लिए खेलने की उम्मीद

पिछले महीने कोलकाता में शमी ने भारतीय टीम में वापसी से पहले बंगाल के लिए खेलने की उम्मीद जताई थी। उन्होंने अनौपचारिक रूप से राज्य के खिलाड़ियों के लिए कुछ फिटनेस सेशन में हिस्सा लिया था। अगर शमी घरेलू टेस्ट मैचों (बांग्लादेश के खिलाफ दो और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन) से चूक भी जाते हैं तो उनके पास ऑस्ट्रेलिया दौरे की तैयारी के लिए पर्याप्त समय है।

ऑस्ट्रेलिया में दो प्रथम श्रेणी मैच

भारतीय टीम दौरे पर 5 नवंबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के समाप्त होने के तुरंत बाद रवाना होगी। बीसीसीआई ने प्रथम श्रेणी सत्र को दो हिस्सों में बांटने करने के निर्णय किया है। अक्टूबर में रणजी ट्रॉफी की शुरुआत होगी, ताकि मौसम से मैचों को प्रभावित होने से बचाया जा सके।खासकर उत्तर भारत में सर्दियों के दौरान। इंडिया की ए टीम भी 31 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में दो प्रथम श्रेणी मैच खेलेगी। ऐसे में शमी को जरूरत पड़ने पर भरपूर मौके मिलेंगे।

भारतीय हॉकी टीम के सहायक कोच शिवेंद्र सिंह व मनदीप सिंह ने बताई जीत की अहमियत

पेरिस, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया है। इस प्रदर्शन पर टीम के सहायक कोच शिवेंद्र सिंह और खिलाड़ी मनदीप सिंह ने आईएएनएस से बात की। शिवेंद्र सिंह ने कहा, बैक टू बैक जीत हासिल करना बहुत बड़ी बात होती है। यह भारत में हॉकी का कमबैक है और हमारे लिए बहुत खुशी की बात है।उन्होंने गोल्ड मेडल की कसक पर कहा, हम गोल्ड ही जीतने आए थे, हमारी तैयारी उसी हिसाब से थी। हमारा लक्ष्य गोल्ड ही था।

श्रीजेश और हरमनप्रीत के प्रदर्शन पर उन्होंने कहा, श्रीजेश बेस्ट गोलकीपर हैं, उन्होंने हमें कई बार बचाया। हरमनप्रीत भारतीय हॉकी टीम के टॉप स्कोरर हैं, और उन्होंने हमें गोल करके दिए। उनके लिए टीम ने पेनल्टी कार्नर के मौके बनाए और यह पूरी टीम का एकजुट प्रयास रहा।

भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ी मनदीप सिंह ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, यह मेडल बहुत अहम है। बैक टू बैक मेडल बड़ी बात है। टोक्यो में मेडल जीतने के बाद हमारा लक्ष्य यही था कि पदक का कलर चेंज करना है। हमने पेरिस ओलंपिक में शुरू से लेकर बहुत अच्छी हॉकी खेली। सेमीफाइनल में अच्छा मैच खेला, लेकिन हम हार गए। इसके बाद हम कांस्य पदक के लिए लड़े और यह हमारे लिए बेस्ट रहा।श्रीजेश को मिस करने पर उन्होंने कहा, ₹वह दुनिया के बेस्ट गोलकीपर में एक हैं। उनकी कमी बहुत खलेगी। उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला, कैसे दबाव झेलना है। कैसे पेनल्टी कार्नर बनाने है। वह बहुत मदद करने वाले इंसान हैं। मालूम हो कि, भारत ने कांस्य पदक मैच में स्पेन को 2-1 से हराया और ओलंपिक में लगातार दूसरी बार पदक जीता। इससे पहले भारत ने टोक्यो ओलंपिक में भी जर्मनी को हराकर कांस्य पदक जीता था।

मनु भाकर के साथ श्रीजेश भी होंगे पेरिस ओलंपिक समापन समारोह में भारत के ध्वजवाहक

पेरिस, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने शुक्रवार को घोषणा की कि हॉकी के गोलकीपर पीआर श्रीजेश और पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर को पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में संयुक्त ध्वजवाहक के रूप में नामित किया गया है।

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि श्रीजेश आईओए नेतृत्व और पूरे भारतीय दल के बीच लोकप्रिय पसंद थे। उन्होंने कहा, श्रीजेश ने दो दशकों से अधिक समय से विशेष रूप से भारतीय हॉकी और भारतीय खेल की सेवा की है।

पीटी उषा ने कहा कि उन्होंने भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा से बात की, जिन्होंने गुरुवार को रजत पदक जीतकर लगातार दूसरा ओलंपिक पदक जीता। उन्होंने कहा, मैंने नीरज चोपड़ा से बात की और पूरी सहजता के साथ श्रीजेश को समापन समारोह में ध्वजवाहक बनाए जाने पर सहमति जताई, और इस फैसले की सराहना की।

पीटी उषा ने आगे कहा, नीरज ने मुझसे कहा, 'मैम, अगर आपने मुझसे नहीं पूछा होता तो भी मैं श्रीजेश का नाम सुझाता।' यह नीरज के श्रीजेश और उनके भारतीय खेल में योगदान के प्रति अपार सम्मान को दर्शाता है।

आईओए ने इससे पहले मनु भाकर को महिला ध्वजवाहक के रूप में नामित किया था। मनु भाकर भारत की स्वतंत्रता के बाद से एक ही ओलंपिक खेल में एक से ज्यादा पदक जीतने वाली पहली एथलीट बनी थीं।

मनु ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा और मिक्स्ड टीम 10 मीटर एयर पिस्टल (सरबजोत सिंह के साथ) में कांस्य पदक जीते।

क्या आईपीएल में फिर कोचिंग करते दिखेंगे रिकी पोंटिंग? दिल्ली कैपिटल्स से करार खत्म होने के बाद कही ये बात

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2025 से पहले टीम में बड़ा बदलाव करते हुए रिकी पोंटिंग को मुख्य कोच पद से हटा दिया था। पोंटिंग लंबे समय तक दिल्ली के कोच रहे और इस टूर्नामेंट से जुड़े रहे। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया का यह पूर्व दिग्गज कप्तान आईपीएल में किसी अन्य टीम के साथ कोच के तौर पर जुड़ने का इच्छुक है। ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल कप्तानों में से एक पोंटिंग ने कहा कि दिल्ली की फ्रेंचाइजी किसी भारतीय को मुख्य कोच बना सकती है।

पोंटिंग के सात साल के कार्यकाल के बाद पिछले महीने दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें मुख्य कोच के पद से हटाने का फैसला किया था। टीम को अपने कार्यकाल में एक भी खिताब नहीं दिला पाने के कारण उन्हें इस फ्रेंचाइजी से अलग होना पड़ा। वह हालांकि फिर से किसी टीम से जुड़ने के लिए तैयार हैं। पोंटिंग ने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स को किसी ऐसे खिलाड़ी की तलाश हो सकती है जो सत्र के बाद भी फ्रेंचाइजी में अधिक समय दे सके।

'आईपीएल में फिर से कोचिंग करना पसंद करूंगा'

पोंटिंग ने आईसीसी पॉडकास्ट में कहा, मैं आईपीएल में फिर से कोचिंग करना पसंद करूंगा। आईपीएल से जुड़ने के बाद हर साल मैंने बहुत अच्छा समय बिताया, चाहे वह एक खिलाड़ी के रूप में शुरुआती दिन हों या दो साल तक मुंबई के कोच के रूप में बिताया समय हो। मैंने दिल्ली की टीम के साथ सात सत्र बिताए हैं।

इस दौरान हम दुर्भाग्यवश उस तरह से काम नहीं कर पाए जैसा मैं चाहता था और निश्चित रूप से उस तरह से नहीं हुआ जैसा फ्रेंचाइजी चाहती होगी। मैं टीम को खिताब दिलाने की कोशिश कर रहा था और ऐसा नहीं हुआ। यह फ्रेंचाइजी किसी भारतीय को मुख्य कोच बनाने की कोशिश कर रही है। वे ऐसे कोच को ढूंढ़ रहे हैं जो सत्र के बाद भी उन्हें समय दे सके।

इजराइल की बेटी ने अमेरिका के लिए जीता गोल्ड मेडल, रचा इतिहास

पेरिस, 9 अगस्त (एजेंसियां)। अमित एलोर जो यहूदी है और इजरायली इमिग्रेंट्स की बेटी है। उन्होंने मंगलवार शाम स्वर्ण पदक प्रतियोगिता में किर्गिस्तान की मीरीम ज़ुमानाजारोवा को 3-0 से हराकर पांच साल की जीत का सिलसिला जारी रखा। इस जीत के साथ एलोर कुश्ती में अमेरिका के लिए सबसे कम उम्र (20 साल) में स्वर्ण पदक जीतने वाली रेसलर बन गई। वह खुद को बेहतर करने के लिए पहले ही यूएस शिफ्ट हो गई थी।

इसका मतलब यह भी है कि वह मैट पर गोल्ड मेडल जीतने वाली अन्य यहूदी रेसलर्स की लिस्ट में शामिल हो गई हैं। हंगरी के कैरोली कार्पाटी ने बर्लिन में 1936 के ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता। बाद में उन्हें नाजी कैंप में कैद कर लिया गया। जहां उन्होंने स्वर्ण पदक विजेता तलवारबाज एटिला पेटशॉयर की हत्या देखी लेकिन खुद बच गए।

हेनरी विटनबर्ग के पहले मैच में कई टेंडन टियर होने के बावजूद 1948 में उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने आगे जाकर इजराइल के मैकाबिया गेम्स और येशिवा यूनिवर्सटी में कोच कुश्ती को शुरू करने में मदद की। एक एनुअल नेशनल यहूदी हाई स्कूल कुश्ती टूर्नामेंट उनके नाम पर है।

आप हमारा गोल्ड हो, स्वाभिमान, देश की शान हो', नीरज चोपड़ा और विनेश फोगाट के लिए बोले हरभजन सिंह

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक 2024 में महिला कुश्ती 50 किलोग्राम भार वर्ग के फाइनल में पहुंचने के बाद पदक से वंचित रह गईं। दरअसल, फाइनल मुकाबले वाले दिन की सुबह उनका वजन तय भार वर्ग से 100 ग्राम ज्यादा निकला। इस कारण वह डिस्क्वालिफाई हो गईं और उनका नाम सबसे नीची रैंक पर कर दिया गया। ओलंपिक आयोजन समिति के इस फैसले से सभी भारतीय फैंस निराश हैं।

भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन ने फैसले को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट में चुनौती दी। हालांकि, फैसला विनेश के पक्ष में आएगा इसकी उम्मीद बहुत कम ही है। इस कठिन समय में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी हरभजन सिंह उनके साथ खड़े हैं। हरभजन सिंह ने एएनआई से बातचीत में कहा, 'इस मुश्किल वाले समय में मैं जरूर उनके साथ खड़ा हूं। एथलीट के जेहन में क्या चल रहा है, वह तो नहीं समझ सकते, लेकिन एक खिलाड़ी होने के नाते मैं यह समझ सकता हूं कि उनके पास शायद यह उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा मौका था। एक गोल्ड मेडल जीतना बहुत बड़ी बात होती है और आप गोल्ड मेडल के करीब आकर रह जाएं तो बहुत दुख वाली बात है।'

हरभजन सिंह ने कहा, 'यह हम सबके लिए बहुत दुख वाली बात है, पर एक एथलीट इस दुख को समझ सकता है कि उनके ऊपर क्या गुजर रही होगी। उनकी अगर यह अपील मान ली जाती है और उनको दोबारा लड़ने दिया जाता है तो वैसे मुझे लगता नहीं है कि ओलंपिक के नियमों के तहत जो फैसला लिया हो वह वापस होता है।'अपनी बात जारी रखते हुए हरभजन सिंह ने कहा, 'लेकिन हां सिल्वर तो उन्हें जरूर दिया जा सकता है और देना चाहिए क्योंकि वह डिजर्व करती हैं। वहां क्योंकि जीतकर पहुंची हैं।

विनेश मामले पर कोच का बड़ा बयान, बताया भारतीय फेडरेशन की एक चूक से सारा मामला हो गया उल्टा

नई दिल्ली, 9 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक में जबरदस्त शुरुआत की। उन्होंने ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियन को हराया। इसके बाद लगातार दो मैच जीतकर फाइनल में जगह बनाई। इसके बाद विनेश का सिल्वर मेडल पक्का हो गया था। लेकिन 50 किग्रा इवेंट में खेलने वाली विनेश का वजन दूसरे दिन 100 ग्राम ज्यादा निकल गया। इसकी वजह से उन्हें डिसक्वालीफाई कर दिया गया। इससे उनके मेडल जीतने का सपना टूट गया।

नए नियम की वजह से चूका मेडल

नए नियमों के मुताबिक, पहलवानों को दोनों दिन वजन सीमा पूरी करनी होती है। विनेश ने पहले दिन वजन कर लिया था और वह खेलने के लिए योग्य थीं। खबरों के अनुसार, मंगलवार रात को विनेश का वजन एक किलोग्राम था। उन्होंने पूरी रात मेहनत करके 900 ग्राम वजन कम किया, लेकिन बाकी के 100 ग्राम वजन कम नहीं हो पाया। विनेश ने वजन कम करने के लिए पूरी रात ना तो खाना खाया और ना ही सोईं।

कोच कृपा शंकर ने लगाया बड़ा आरोप?

इस घटना के बाद पूर्व राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता और कुश्ती कोच कृपा शंकर ने कहा कि रातोंरात वजन कम करना आसान नहीं होता। उन्होंने आगे कहा कि विनेश को पहले कभी किसी प्रतियोगिता में दो बार वजन करने का अनुभव नहीं हुआ था। कृपा शंकर ने भारतीय कुश्ती महासंघ को इस मामले में जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि राष्ट्रीय आयोजनों में दो बार वजन करने का नियम लागू नहीं किया गया। शंकर ने एनडीटीवी से कहा, 'मुझे नहीं लगता कि विनेश को कभी दो बार वजन करने का अनुभव हुआ होगा। राष्ट्रीय टूर्नामेंट में भी पहलवानों का दो बार वजन करने का कोई नियम नहीं है। मैंने एक बार भारतीय कुश्ती संस्था से कहा था कि आधे-अधूरे नियम लागू न करें, लेकिन उन्होंने मुझे छह साल के लिए निलंबित कर दिया।'

कृपा शंकर के अनुसार कुश्ती महासंघ पैसे बचाने के लिए एक दिन का ही टूर्नामेंट आयोजित करवाती है। उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि कुश्ती संस्था एक दिवसीय टूर्नामेंट आयोजित करके अतिरिक्त खर्च से बचना चाहती है। ऐसा करके आप पहलवानों को कुश्ती के लिए सही माहौल नहीं दे रहे हैं। कुश्ती में वजन देना बहुत महत्वपूर्ण है। यह कई लोगों के लिए एक छोटी सी बात हो सकती है, लेकिन इसकी वजह से हमें बहुत बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है।'

5 मेडल जीतकर भी केवल एक मेडल वाले पाकिस्तान से पिछड़ गया भारत, अरशद नदीम ने पलट दिया पासा

पेरिस, 9 अगस्त (एजेंसियां)। ओलंपिक 2024 में जेवलिन थ्रो का फाइनल बेहद रोमांचक रहा। पाकिस्तान के अरशद नदीम ने नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए इस स्पर्धा का गोल्ड मेडल अपने नाम किया, जबकि सीजन के अपने बेस्ट थ्रो के साथ नीरज चोपड़ा को सिल्वर मेडल से ही संतोष करना पड़ा। नीरज चोपड़ा क्वालीफाइंग में 89.34 मीटर के शानदार प्रयास के साथ पहले नंबर पर रहते हुए फाइनल में गोल्ड के प्रबल दावेदार थे, लेकिन उन्हें भाग्य का साथ नहीं मिला। वह दूसरे नंबर पर रहे और उन्हें सिल्वर मिला, जबकि भारत का गोल्ड जीतने का सपना अधूरा रह गया।

क्यों एक मेडल वाले पाकिस्तान से पिछड़ा भारत?

इस तरह से अब तक भारत ने पेरिस ओलंपिक में चार ब्रॉन्ज और एक सिल्वर मेडल जीता है, जबकि गोल्ड जीतने के कुछ मौके चूक गए हैं। इस तरह से मेडल टैली की लिस्ट में भारतीय टीम सिर्फ मेडल जीतने वाले पाकिस्तान से पिछड़ गया है। पाकिस्तान 53वें नंबर पर है, जबकि भारत 64वें नंबर पर है। दरअसल, ओलंपिक रैंकिंग में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) देशों को उनके एथलीटों द्वारा जीते गए गोल्ड मेडलों की संख्या के आधार पर प्राथमिकता देती है। यदि दो या अधिक देशों के पास समान संख्या में गोल्ड मेडल हैं, तो रैंकिंग सिल्वर मेडलों की संख्या के आधार पर निर्धारित की जाती है। उसके बाद यदि आवश्यक हो तो ब्रॉन्ज मेडल दिए जाते हैं। इस तरह से अरदशद नदीम के गोल्ड ने पासा ही पलट दिया।

ओलंपिक में अब तक भारत का प्रदर्शन

तोक्यो ओलंपिक में भारत ने एक गोल्ड सहित सात मेडल जीते थे। भारत के पास अब तक ओलंपिक में 38 मेडल हैं, जिसमें नॉर्मन प्रिचर्ड ने पेरिस 1900 में दोहरे सिल्वर के साथ भारत का खाता खोला था। जहां तक पाकिस्तान का सवाल है, तो 4 गोल्ड, तीन सिल्वर और चार ब्रॉन्ज के साथ कुल 11 मेडल हैं। इस ओलंपिक में 26 वर्षीय नीरज चोपड़ा अपना गोल्ड मेडल बचाने में असफल रहे और उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। मनु भाकर ने भारत के लिए पहला मेडल जीता और इस प्रकार वह इन खेलों में निशानेबाजी में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। इस के अलावा शूटिंग से दो और मेडल आए, जिसमें से एक में मनु भाकर का योगदान भी था। हॉकी टीम ने भी ब्रॉन्ज मेडल जीता।

सिल्वर के बावजूद नीरज चोपड़ा ने रचा इतिहास

सिल्वर मेडल जीतने के साथ नीरज चोपड़ा ने भारत के लिए इतिहास रच दिया। वह ओलंपिक में लगातार दो मेडल जीतने वाले दूसरे पुरुष भारतीय और कुल मिलाकर तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले पहलवान सुशील कुमार ने 2008 और 2012 के खेलों में ब्रॉन्ज और सिल्वर मेडल जीता था। पीवी सिंधु लगातार दो मेडल जीतने वाली दूसरी भारतीय हैं। उन्होंने 2016 और 2020 में सिल्वर मेडल जीते थे। नीरज का सिल्वर मेडल पेरिस में भारत का पांचवां मेडल था, जिसमें एक सिल्वर और चार ब्रॉन्ज मेडल शामिल थे। पिछले कुछ वर्षों से भारतीय खिलाड़ी चोटों से जूझ रहे हैं और ऐसा लगता है कि इसका असर अभी भी है।

दुनिया की सबसे बड़ी बायोटेक फर्मों में से तेलंगाना को चुनना गर्व की बात : सीएम

हैदराबाद में नई साइट खोलने जा रही है एमजेन

कैलिफोर्निया/हैदराबाद , 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एमजेन ने हैदराबाद में एक नई प्रौद्योगिकी और नवाचार साइट खोलने की योजना की घोषणा की है। एमजेन इंडिया के नाम से जानी जाने वाली यह साइट एमजेन की दवाओं की पाइपलाइन को और आगे बढ़ाने के लिए वैश्विक संगठन में डिजिटल क्षमताओं को गति प्रदान करेगी। एमजेन इंडिया एचआईटीईसी सिटी में स्थित होगी और इसमें 3,000 लोग बैठ सकेंगे। यह 2024 की चौथी तिमाही में चालू हो जाएगा। "ऐसे समय में जब तेज़ी से बूढ़ी होती वैश्विक आबादी को और अधिक नवाचार की आवश्यकता है, जैव प्रौद्योगिकी और प्रौद्योगिकी का अभिसरण एमजेन को अधिक गति, आत्मविश्वास और दक्षता के साथ काम करने में सक्षम बना रहा है - एक अविश्वसनीय रूप से रोमांचक मील का पत्थर जिसके लिए हम एक दशक से अधिक समय से तैयारी कर रहे हैं।" एमजेन के कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी डेविड एम रीज़ ने कहा कि "एमजेन 40 से अधिक वर्षों से जैव प्रौद्योगिकी में अग्रणी रहा है और भारत में इस नई साइट की स्थापना, जो अपनी विश्व स्तरीय प्रौद्योगिकी और जीवन विज्ञान प्रतिभा के लिए जाना जाता है, रोगियों की सेवा करने के हमारे मिशन को पूरा करने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है।" एमजेन इंडिया शुरू में बड़े पैमाने पर नए प्रौद्योगिकी समाधान और डिजिटल क्षमताओं का निर्माण और गति प्रदान करेगा जो पूरे उद्यम में दक्षताओं को बढ़ाएगा। यह साइट ऐसी भूमिकाएँ प्रदान करेगी जो समय के साथ एआई, डेटा विज्ञान, जीवन विज्ञान और अन्य अतिरिक्त वैश्विक क्षमताओं सहित एमजेन के व्यवसाय के प्रमुख क्षेत्रों को मजबूत करती हैं। भारत में एमजेन की विस्तारित उपस्थिति का नेतृत्व करने के लिए, सोम चट्टोपाध्याय को भारत के लिए राष्ट्रीय कार्यकारी नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा, यह हमारे लिए एक बड़ी सफलता और गर्व की बात है कि दुनिया की सबसे बड़ी बायोटेक फर्मों में से एक ने तेलंगाना में अपनी पहली विकास सुविधाओं के लिए हैदराबाद को चुना है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में एमजेन की नई साइट नवाचार और प्रौद्योगिकी के केंद्र के रूप में शहर की स्थिति को रेखांकित करती है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने सैन फ्रांसिस्को में एमजेन के आरएंडडी साइट पर डॉ. डेविड रीज़ और सोम चट्टोपाध्याय से मुलाकात की।

परिवहन मंत्री ने बाइक पर सवारी कर गांव का दौरा किया

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने करीमनगर चिगुरु ममिदी मंडल के इंदुर्थी गांव का दौरा किया। मंत्री पोन्नम प्रभाकर इंदुर्थी बस स्टॉप स्क्वायर से रैतु वेदिका तक बाइक रैली पर निकले। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने स्वच्छता-हरियाली के तहत पौधारोपण किया। इसके बाद इंदुर्थी रैतु वेदिका में कृषि संबंधी क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं पर जागरूकता सम्मेलन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री पोन्नम प्रभाकर उपस्थित थे। बैठक में करीमनगर के अतिरिक्त कलेक्टर राजस्व लक्ष्मी किरण, आरडीओ महेश, मंडल के विशेष अधिकारी, एमएमएआरओ और अन्य विभिन्न विभागों के मंडल अधिकारियों, इंदुर्थी रायथु वेदिका क्लस्टर के तहत विभिन्न गांवों के किसानों ने भाग लिया। कृषि सहायक क्षेत्र में किसानों के आर्थिक विकास के लिए अधिकारी किसानों को फसलों, डेयरी पशु पोषण आदि के बारे में जागरूक कर रहे हैं। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि सरकार किसानों का 1 लाख 50 हजार रुपये का कर्ज माफ कर चुकी है। जिन लोगों को कर्ज माफी नहीं मिली है, उन्हें कृषि अधिकारियों को ब्योरा देना चाहिए। जिन लोगों को सरकार द्वारा लागू की गई गारंटी योजना के तहत 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली और 500 यूनिट तक गैस नहीं मिलती है, उन्हें मंडल कार्यालय में स्थापित कार्यालय में विवरण देना चाहिए। किसानों को पारंपरिक रूप से उगाए जाने वाले चावल, मक्का और कपास के अलावा दोहरी आय देने वाली फसलें लगानी चाहिए। कृषि से संबंधित क्षेत्रों के लिए डेयरी उद्योग और पशुधन पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरे कार्यालय के लोग आपको सरकारी योजनाओं के लिए आवश्यक आवेदनों और ऋणों में मदद करेंगे।

आवासीय विद्यालय के छात्र की पेट दर्द से मौत

जगतियाल, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मेटपल्ली मंडल के पेद्दापुर आवासीय विद्यालय के कक्षा 6 के एक छात्र की पेट दर्द की शिकायत के बाद शुक्रवार को मौत हो गई तथा दो अन्य भी बीमार हो गए। येदामल्ला अनिरुद्ध, मंडी मोक्षित और अल्ली हेमंत यादव ने सुबह पेट दर्द की शिकायत की। स्कूल अधिकारियों ने उन्हें कोरुतला अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया। अनिरुद्ध की हालत गंभीर होने पर उसे जगतियाल जिला मुख्यालय अस्पताल रेफर कर दिया गया। हालांकि, रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। वह येल्लारेड्डीपेट का रहने वाला था। वहीं मोक्षित और हेमंत को बेहतर इलाज के लिए निजामाबाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मोक्षित मेटपल्ली मंडल के आत्मकुर का रहने वाला है, जबकि हेमंत मल्लियाल मंडल के पथिपल्ली का रहने वाला है। कोरुतला विधायक डॉ. संजय कुमार और पूर्व जिप अध्यक्ष दावा वसंता ने अनिरुद्ध के परिवार को सांत्वना दी। गौरतलब है कि कक्षा आठ के छात्र राजारापु गणादित्य की 25 जुलाई की रात को स्कूल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी।

सेटविन संगठन का एक समृद्ध इतिहास : उत्तम रेड्डी

संस्था को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार तत्पर

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के जल एवं जल निकासी मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि सेटविन एक समृद्ध इतिहास वाला संगठन है और राज्य सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के इस संगठन को मजबूत करने के लिए तत्पर है। शुक्रवार को राज्य सरकार की संस्था सेटविन के नये चेयरमैन नियुक्त किये गये एन. गिरिधर रेड्डी ने जिम्मेदारी संभाली कार्यक्रम में चिकित्सा मामलों और स्वास्थ्य राज्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और उन्हें बधाई दी। वर्ष 1978 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मैरी चेन्ना रेड्डी ने कहा कि सेटविन संगठन की स्थापना एक अच्छी महत्वाकांक्षा के साथ की गई थी। उन्होंने कहा कि यह सराहनीय है कि बड़ी महत्वाकांक्षा के साथ स्थापित किया गया यह संगठन बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार और नौकरी के अवसर पैदा करने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि वे राज्य के अन्य हिस्सों के साथ-साथ जुड़वां शहरों में सेटविन मिनी बस सेवाओं का विस्तार करने के कार्यक्रम में योगदान देंगे। राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री दामोदरा राजा नरसिम्हा ने कहा कि सेटविन सभी क्षेत्रों में संगठन के विकास में योगदान देगा। उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवाओं को सेटविन द्वारा दिये गये प्रशिक्षण का लाभ उठाना चाहिए.

सेटविन के अध्यक्ष एन. गिरिधर रेड्डी ने कहा कि वह राज्य भर में सेटविन सेवाओं का विस्तार करने की पूरी कोशिश करेंगे। बताया गया है कि सेटविन केंद्र जल्द ही जहीराबाद, तंदूर, विकाराबाद और संगारेड्डी प्रणतास में स्थापित किए जाने वाले हैं। गिरिधर रेड्डी ने कहा कि वह राज्य भर में सेटविन सेवाओं का विस्तार करने की पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार बेरोजगारों का समर्थन करेगी। बेरोजगार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण में सहायता. उन्होंने अध्यक्ष बनने का अवसर देने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम में प्रबंध निदेशक के. वेणुगोपाल राव, टीजीआईआईसी अध्यक्ष निर्मला जग्गरेड्डी, नारायणखेड विधायक पाथोला संजीव किष्टा रेड्डी, एमएलसी बालमुरी वेंकट, जहीराबाद के वरिष्ठ कांग्रेस नेता उज्वल रेड्डी, फहीम, मोहम्मद अजहरुद्दीन, सेटविन लेखा अधिकारी सुरेश बाबू, कानूनी सलाहकार एमए मोइज आदि उपस्थित थे।

लगाए गए प्रत्येक पौधे की सुरक्षा की जाए : जिला कलेक्टर

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी स्वच्छता एवं हरियाली कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को वन विभाग द्वारा राजेंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र, शमशाबाद मंडल एवं मलकापुर गांव में आयोजित स्वच्छता एवं हरियाली कार्यक्रम उत्साहपूर्वक चला। जिला कलक्टर शशांक ने स्थानीय विधायक टी. प्रकाश गौड़ के साथ मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और पौधों को पानी दिया। वन विभाग के अधिकारियों ने विधायक और कलेक्टर का फूलों के गुलदस्ते से स्वागत किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि पौधे करोड़ों जीवों के जीवन का आधार हैं और पर्यावरण संरक्षण सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पेड़ समय पर बारिश और ताजी हवा में मदद करते हैं। हर कोई पौधों की सुरक्षा जिम्मेदारी से करना चाहता है।

अटवी क्षेत्र में स्वच्छता और हरियाली कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, जबकि इस वर्ष 224 हेक्टेयर ब्लॉक में 20 हेक्टेयर के लिए 33,500 पौधे लगाने का लक्ष्य है, अटवी के अधिकारियों ने कलेक्टर को बताया कि 20,000 पौधे पहले ही लगाए जा चुके हैं। वहीं, अधिकारियों ने कहा कि आज लगभग 5,000 गैर-लक्षित पौधे लगाए जाएंगे। शेष पौधों को दो या तीन दिन में पूरा करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। वनमहोत्सव के तहत कलेक्टर शशांक ने वन विभाग के अधिकारी के साथ पदयात्रा की और पिछले 5 वर्षों में लगाए गए पौधों के रोपण की विधि, पौधों की वृद्धि और रोपण विवरण के बारे में जानकारी ली। बाद में स्वच्छता एवं हरियाली पर आयोजित रैली को कलेक्टर शशांक एवं विधायक प्रकाश गौड़ के साथ अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं विद्यार्थियों ने झंडा लहराकर रवाना किया। इस कार्यक्रम में चारमीनार सर्कल सिवाला रामबाबू संरक्षक, डीएफओ सुधाकर रेड्डी, एफडीओ वियानंद राव, एफआरओ इरिशाद, जन प्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया।

विवाह के नाम पर धोखा देने वाले साइबर अपराधी गिरफ्तार

आकर्षक महिलाओं की फर्जी जानकारी और तस्वीरों के साथ करते थे ठगी

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा की साइबर क्राइम टीम ने विवाह धोखाधड़ी में पीड़ितों को धोखा देने वाले दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में कोमली सूर्य प्रकाश निवासी लाइटहाउसपेटा, सूर्यरावपेटा, काकीनाडा, आंध्र प्रदेश और सेट्टी सतीश निवासी श्रीनिवास नगर, सूर्यराव पेटा, काकीनाडा, आंध्र प्रदेश को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी व्यक्ति इंटरनेट से डाउनलोड की गई आकर्षक महिलाओं की फर्जी जानकारी और तस्वीरों के साथ विभिन्न मैट्रिमोनियल साइटों पर पंजीकृत होते हैं।

बाद में वे मैट्रिमोनियल साइटों पर अनुरोध भेजकर या कभी-कभी मैट्रिमोनियल प्रोफाइल के माध्यम से संपर्क करके शादी के प्रस्ताव की तलाश कर रहे मासूम लोगों को ठगते हैं। बाद में वे बातचीत शुरू करते हैं और व्हाट्सएप पर पारिवारिक पृष्ठभूमि, फोटो और परिवार की तस्वीरों के बारे में पूछते हैं। एक बार जब वे भावनात्मक लगाव बना लेते हैं तो वे पीड़ितों से माता-पिता की स्वास्थ्य समस्याओं, पढ़ाई की फीस, व्यापार में नुकसान आदि जैसे विभिन्न कारणों का हवाला देते हुए उनके द्वारा बनाए गए बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करने के लिए कहते हैं, वे पीड़ितों को महिला की आवाज के साथ धोखा देने के लिए वॉयस चेंजर फीचर का इस्तेमाल करते हैं। आरोपी सूर्य प्रकाश ने पहले एक अज्ञात व्यक्ति ने वैवाहिक धोखाधड़ी में धोखा दिया था। आईटी एक्ट की धारा 66-सी, 66-डी के तहत मामला दर्ज कर जांच की गई। जांच के दौरान आईओ ने तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए और सभी तकनीकी डेटा और अन्य विश्वसनीय जानकारी का विश्लेषण करने के बाद, आरोपियों की पहचान की गई, उन्हें पुलिस स्टेशन लाया गया और गिरफ्तार किया गया। वे इस पुलिस स्टेशन के एक और मामले और तेलंगाना राज्य के अन्य पुलिस स्टेशनों में तीन और मामलों में भी शामिल थे। आरोपियों ने पीड़ितों से 13 लख रुपये से अधिककी ठगी की है।

सुंकीशाला घटना के लिए सीएम जिम्मेदार : केटीआर

बीआरएस नेता ने की न्यायिक जांच की मांग

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने नागार्जुन सागर में सुंकीशाला परियोजना की दीवार गिरने के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने इसे नगर प्रशासन मंत्री के रूप में मुख्यमंत्री की पूरी तरह विफलता करार देते हुए घटना की न्यायिक जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने की मांग की। उन्होंने जोर देकर कहा कि सुंकीशाला घटना में कोई इंजीनियरिंग या डिजाइन की विफलता नहीं थी, जैसा कि कांग्रेस ने मेडिगड्डा बैराज के संबंध में दावा किया था। उन्होंने कहा कि संबंधित मंत्री की निरंतर निगरानी के बिना, बेतरतीब ढंग से गेट लगाने के कारण दो विस्तार जोड़ों के बीच की रिटेनिंग दीवार ढह गई। इसलिए, यह मुख्यमंत्री की पूरी तरह से विफलता है, जिनके पास नगर प्रशासन विभाग है। शुक्रवार को तेलंगाना भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए रामा राव ने कहा कि यह घटना 2 अगस्त को हुई जब विधानसभा चल रही थी, लेकिन सरकार ने इस संबंध में कोई बयान नहीं दिया, जो एक स्थापित प्रथा है। उन्होंने कहा कि क्या सरकार इसे छिपाने की कोशिश कर रही थी या उसे इसकी पूरी तरह से जानकारी नहीं थी? किसी भी मामले में, सदन के नेता के रूप में मुख्यमंत्री को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

प्रजावाणी कार्यक्रम में जनसमस्याओं की सुनवाई

हैदराबाद, 9 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। महात्मा ज्योतिबा फूले प्रजा भवन में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में कुल 502 आवेदन प्राप्त हुए। अधिकारियों ने बताया कि राजस्व संबंधी 112, अल्पसंख्यक कल्याण से संबंधित 71, नागरिक आपूर्ति विभाग से संबंधित 69, पंचायत राज ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित 42, नगर पालिका विभाग से संबंधित 35 तथा अन्य विभागों से संबंधित 173 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस कार्यक्रम में राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. चिन्ना रेड्डी, लोक प्रशासन विशेष अधिकारी श्रीमती दिव्या ने भाग लिया और आवेदन प्राप्त किये। उन्होंने प्रजा भवन में आये लोगों से समस्याओं की जानकारी ली।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.